आपकी आवाज

दैनिक ट्रिब्यून

विराट को आराम, मुंबई के शिवम को मिला काम -पेज 11

छात्रा को जिंदा जलाने में 16 को मृत्युदंड -पेज 12

दिल्ली/एनसीआर ◆ वर्ष/VOL : 3 अंक : 295 ◆ चंडीगढ़/ गुरुग्राम/ बठिंडा ◆ कार्तिक 9 प्रविष्टे, विक्रमी संवत् 2076 ◆ पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 3.00 ◆ Regd. No. CHD/0005/2018-2020

ई-मेल : dt@tribuneindia.com

शुक्रवार, 25 अक्तूबर, 2019

www.dainiktribuneonline.com

करतारपुर समझौते पर भारत-पाकिस्तान की मुहर

लाहौर (एजेंसी) : भारत और पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को ऐतिहासिक करतारपुर गलियारे को शुरू करने संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए। इस समझौते के तहत अब भारत के सिख श्रद्धालु पाकिस्तान स्थित पवित्र दरबार साहिब तक जा पाएंगे। गलियारा भारतीय पंजाब में डेरा बाबा नानक गुरुद्वारे को करतापुर स्थित दरबार साहिब से जोड़ेगा जो कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा से महज 4 किलोमीटर दूर पाकिस्तानी पंजाब प्रांत के नरोवाल जिले में स्थित है। एक सरकारी बयान के अनुसार सभी धर्मों के भारतीय इस गलियारे का इस्तेमाल करते हुए वीजा मुक्त यात्रा कर सकेंगे। गलियारा सूर्योदय से सूर्यास्त तक खुलेगा और सुबह जाने वाले तीर्थयात्रियों को उसी दिन शाम को लौटना होगा। -पेज 12

पाक की फायरिंग में महिला की मौत

श्रीनगर (एजेंसी) : जम्मू-कश्मीर के तंगधार सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास पाकिस्तानी फौज द्वारा बृहस्पतिवार को संघर्ष विराम का उल्लंघन किए जाने से एक महिला की मृत्यु हो गई और 2 अन्य नागरिक घायल हो गए। पुलिस के अनुसार पाकिस्तान द्वारा की गई फायरिंग के कारण सम्पत्ति की भी हानि हुई। भारतीय सेना ने हमले का माकूल जवाब दिया। मारी गयी महिला का नाम हमीदा फातिमा है। शनिवार को भी तंगधार सेक्टर में पाकिस्तानी फौज ने गोलाबारी की आड़ में आतंकवादियों की घुसपैठ कराने की कोशिश की थी। इस हमले में 2 भारतीय सैनिक और एक नागरिक की मौत हो गई थी और तीन अन्य घायल हो गए थे।

जम्मू-कश्मीर बीडीसी चुनाव में 98.3% मतदान

जम्मू (एजेंसी) : जम्मू कश्मीर में बृहस्पतिवार को पहली बार हुए खंड विकास परिषद (बीडीसी) चुनाव में 98.3 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। राज्य का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के बाद पहली बार हुए चुनाव का कांग्रेस, नेकां और पीडीपी ने बहिष्कार किया है। कश्मीर संभाग के श्रीनगर में 100 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी शैलेंद्र कुमार ने बताया, 'जम्मू-कश्मीर में 98.3 प्रतिशत मतदान हुआ।' राज्य में 310 खंडों में अध्यक्ष चुनने के लिए हुए बीडीसी चुनाव में 1,092 प्रत्याशी मैदान में उतरे। इनमें से 27 को निर्विरोध चुन लिया गया है।

हरियाणा में 10 साल बाद त्रिशंकु विधानसभा

भाजपा सबसे बड़ा दल, दुष्यंत स्टार

जजपा या निर्दलीयों की रहेगी दरकार, हुड्डा की कमान में कांग्रेस का बेहतरीन प्रदर्शन

दिनेश भारद्वाज/ट्रिन्यू
चंडीगढ़, 24 अक्तूबर

हरियाणा की जनता ने इस बार किसी भी राजनीतिक दल को पूर्ण बहुमत नहीं दिया। प्रदेश में 10 वर्षों के बाद एक बार फिर त्रिशंकु विधानसभा होगी। राज्य की मौजूदा खट्टर सरकार के साथ ठीक वैसा ही हुआ, जैसे 10 वर्ष पूर्व यानी 2009 में मुख्यमंत्री रहते भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ हुआ था। यह भी संयोग ही है कि उस समय कांग्रेस को भी 40 सीटें ही मिली थीं।

ऐसी बनी तस्वीर

भाजपा	40
कांग्रेस	31
जजपा	10
इनेलो	01
हलोपा	01
निर्दलीय	07

भाजपा के मिशन-75प्लस के नारे को जनता ने नकार दिया। हरियाणा विधानसभा की 90 सीटों में से भाजपा को 40 मिलीं। कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल बनकर उभरी है। बेहतर प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस ने 31 हलकों में जीत हासिल की है। उधर, 11 माह पहले ही अस्तित्व में आई जजपा ने 10 सीटें जीतीं। इनेलो के अभय चौटाला ऐलनाबाद से अपनी ही सीट निकाल पाए। वहीं, पूर्व गृह राज्य मंत्री गोपाल कांडा ने अपनी हरियाणा लोकहित पार्टी के सिम्बल पर सिरसा से चुनाव जीता है। इस बार 7 निर्दलीय भी जीते हैं। आंकड़े से साफ है कि भाजपा ही सरकार बनाएगी। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा सर्वाधिक मतों (58312) से जीते हैं। दूसरे नंबर पर देवेंद्र बबली की जीत 52302 मतों, फिर दुष्यंत चौटाला 45452 और चौथे नंबर पर सीएम खट्टर रहे जो 45188 मतों से जीते हैं। हरियाणा के राजनीतिक इतिहास में यह चौथा मौका है जब अल्पमत की सरकार चुनी गयी है। इससे पहले 1982 में देवीलाल की लोकदल के 37 विधायक चुने गये थे। शेष पेज 12 पर

भाजपा-कांग्रेस के कई दिग्गज हुए धराशायी

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला समेत कई दिग्गज चुनाव हार गए। खट्टर कैबिनेट के 10 में से 8 मंत्री- शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा, वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़, परिवहन मंत्री कृष्णलाल पंवार, महिला एवं बाल विकास मंत्री कविता जैन, सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर, समाज कल्याण मंत्री कृष्ण कुमार बेदी तथा खाद्य एवं आपूर्ति राज्य मंत्री कर्णदेव काम्बोज चुनाव हार गये। कांग्रेस के भी कई दिग्गज नेता धराशायी हो गए। इनमें कैथल से रणदीप सिंह सुरजेवाला, पलवल से कर्ण सिंह दलाल, गन्नौर से कुलदीप शर्मा, महम से आनंद सिंह दांगी, राई से जयतीर्थ दहिया, तिगांव से ललित नागर, होडल से उदयभान, बाढड़ा से रणबीर महेंद्रा, पंचकूला से चंद्रमोहन, लोहारू से सोमबीर सिंह, कलायत से जयप्रकाश 'जेपी', गुरुग्राम से सुखबीर सिंह कटारिया सरीखे नेता शामिल हैं।

कांग्रेस नेताओं से आज मिलेंगी सोनिया

नयी दिल्ली (ट्रिन्यू) : कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी शुक्रवार को पार्टी नेताओं के साथ हरियाणा के मसले पर चर्चा करेंगी। बताया जाता है सोनिया के निर्देश के बाद भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने जजपा समेत अन्य विपक्षी नेताओं से बातचीत की ताकि भाजपा विरोधियों को एक तरफ किया जा सके। कांग्रेस सूत्रों का यह भी कहना है कि सोनिया के राजनीतिक सचिव अहमद पटेल ने जजपा के दुष्यंत चौटाला से संपर्क साधा है। हालांकि जजपा ने साफ कर दिया है कि शुक्रवार को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद कोई फैसला लिया जाएगा।

खट्टर आज पेश कर सकते हैं दावा

भाजपा नेतृत्व ने मनोहर लाल खट्टर को फिर सत्ता सौंपने का फैसला लिया है। भाजपा विधायक दल की बैठक शुक्रवार को चंडीगढ़ में होगी। बैठक में खट्टर को विधायक दल का नेता चुन लिया जाएगा। इसके बाद वे राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। संभव है कि वे शुक्रवार की शाम ही मुख्यमंत्री की शपथ ग्रहण करें। यानी दिवाली से पहले ही सरकार बन सकती है।

सत्ता को सबक

राजकुमार सिंह

जोर का झटका धीरे से देना शायद इसे ही कहते हैं। चार महीने पहले लोकसभा चुनावों में मतदाताओं ने हरियाणा की सभी 10 तो महाराष्ट्र की 48 में से 42 सीटें भाजपानीत राजग को दी थीं। हरियाणा में तो भाजपा ने यह करिश्मा अकेलेदम ही कर दिखाया था, लेकिन विधानसभा चुनावों में पासा पलट गया। लोकसभा चुनावों में 79 विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त मिलने से उत्साहित होकर ही मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और भाजपा ने 75 पार का नारा दिया था, लेकिन मतदाताओं ने सरकार बनाने के लिए अनिवार्य 46 का आंकड़ा भी नहीं छूने दिया। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा तक जो विपक्ष बिखरा हुआ और पस्तहाल नजर आ रहा था, उसी ने भाजपा का विजय रथ 40 पर रोक दिया। ऐसा क्या चमत्कार हुआ? बेशक कांग्रेस आलाकमान ने लंबी जद्दोजहद के बाद भूपेंद्र सिंह हुड्डा के दबाव में प्रदेश नेतृत्व में परिवर्तन किया। अशोक तंवर की जगह कुमारी सैलजा नयी प्रदेश अध्यक्ष बनीं तो किरण चौधरी के स्थान पर हुड्डा कांग्रेस विधायक दल के नेता। 10 साल के शासन के बाद पिछले विधानसभा चुनाव में महज 15 सीटों पर सिमट जाने वाली और हालिया लोकसभा में खाता भी न खोलने वाली कांग्रेस की सीटें इस विधानसभा चुनाव में दोगुनी हो गयी हैं, तो नये नेतृत्व द्वारा श्रेय लेना स्वाभाविक ही है। यह सवाल भी स्वाभाविक है कि अगर आलाकमान ने यह परिवर्तन इस साल के शुरू में कर दिया होता, तब परिणाम क्या होते? पर अब अंतिम सच यही है कि तमाम किंतु-परंतु के बावजूद भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है और सरकार बनाने के सबसे करीब भी वही है। 11 में से 8 मंत्रियों के चुनाव हार जाने से साफ है कि सत्ता विरोधी भावना तो थी, पर लोकसभा चुनावों में एकतरफा जीत से मस्त भाजपा और उसकी सरकार उसे भांप नहीं पाये। इसी अति-आत्मविश्वास में सोनाली फौगाट, बबीता फौगाट और योगेश्वर दत्त जैसी अराजनीतिक शख्सियतों को टिकट दिये गये। टिकट वितरण सही होता, तब भी शायद भाजपा बहुमत के जादुई आंकड़े को छू लेती। टिकट वितरण में ऐसी गलतियां गुटबाजी से ग्रस्त कांग्रेस ने भी कम नहीं कीं। जीत सकने वाले उम्मीदवार को ही टिकट देकर कांग्रेस भी सबसे बड़े दल के रूप में उभर सकती थी। चुनाव प्रचार अभियान में भी भाजपा और कांग्रेस दिशाहीन दिखीं। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत तमाम दिग्गज तो प्रचार में उतारे, पर खट्टर सरकार की उपलब्धियों से शुरू कर सर्जिकल स्ट्राइक और धारा 370 पर पहुंच जाने से साफ था कि वह मतदाताओं की नब्ज नहीं पकड़ पायी, जो भावनात्मक मुद्दों के बजाय वास्तविक मुद्दों पर फैसला करने का मन बना चुके थे। स्टार प्रचारकों के मामले में कांग्रेस कंगाल साबित हुई। फिर भी वह 15 से 31 सीटों पर पहुंच गयी तो जाहिर है कि मतदाता भाजपा का विकल्प तलाश रहे थे और कांग्रेस-जजपा में से उन्हें जहां जो बेहतर विकल्प लगा, उसे चुन लिया।

शेष पेज 12 पर

खट्टर, फड़नवीस को मोदी से मिली दिलासा

कहा- अगले 5 साल में नई ऊंचाइयां छुएंगे

नयी दिल्ली, 24 अक्तूबर (ट्रिन्यू)

हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावी नतीजे आने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली में बैठक की। भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक में दोनों राज्यों के विधानसभा और विभिन्न राज्यों के उप चुनावों के नतीजों की समीक्षा की गई। मोदी की मौजूदगी में हुई इस बैठक में पार्टी ने हरियाणा और महाराष्ट्र में फिर सरकार बनाने का फैसला किया।

बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार शाम भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को साफ संकेत देते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि देवेंद्र फड़नवीस और मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व में महाराष्ट्र और हरियाणा अगले 5 साल में विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे। मोदी ने महाराष्ट्र और हरियाणा की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इन राज्यों के मुख्यमंत्रियों के सबका साथ, सब का विकास, सबका विश्वास की राह पर चलने से लोगों ने उन पर दोबारा विश्वास जताया। मोदी ने कहा कि हरियाणा में पहले दूसरे दलों के रहमोकरम पर चुनाव लड़ते थे, 2014 में सरकार बनाने में सफल रहे। दोबारा लोगों का विश्वास पाना बहुत बड़ी बात है। दोनों राज्यों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि भाजपा के मुख्यमंत्री भी नए थे, टीम भी नई थी। ऐसे में हरियाणा की भाजपा को जितनी बधाई दी जाए उतनी कम है।

महाराष्ट्र राकांपा, कांग्रेस की सीटें बढ़ीं

भाजपा-शिवसेना को बहुमत, सीएम पर खींचतान

मुंबई, 24 अक्तूबर (एजेंसी)

महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना गठबंधन सीटें घटने के बावजूद एक बार फिर सरकार बनाने जा रहा है, लेकिन मुख्यमंत्री पद को लेकर दोनों के बीच खींचतान के हालात बनते दिख रहे हैं। बृहस्पतिवार को घोषित चुनाव नतीजों के मुताबिक 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा ने 105, जबकि शिवसेना ने 56 सीटों पर जीत दर्ज की है। दूसरी तरफ, शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने न सिर्फ अपने प्रदर्शन में सुधार किया है, बल्कि सहयोगी दल कांग्रेस से अच्छा प्रदर्शन किया। राकांपा ने 54 सीटों पर जीत हासिल की है। उसकी गठबंधन सहयोगी कांग्रेस ने 44 सीटें अपने नाम की हैं।

भाजपा अपने बूते बहुमत हासिल करने से पीछे है, वहीं शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सरकार गठन के लिए कड़ी सौदेबाजी का संकेत दिया। मुख्यमंत्री पद के सवाल पर उद्धव ने कहा कि सत्ता साझेदारी के लिए 50:50 फार्मूला लागू करने का वक्त आ गया है, जिस पर पहले ही फैसला किया जा चुका है। हम भाजपा के मुकाबले कम सीटों पर चुनाव लड़ने पर सहमत हुए, लेकिन हर बार भाजपा के लिए गुंजाइश नहीं बनाई जा सकती। मेरी पार्टी को भी आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। जनादेश को 'कई लोगों की आंखें खोलने वाला' बताते हुए उद्धव ने कहा कि राज्य के लोगों ने लोकतंत्र को जिंदा रखा। राजनीतिक दलों को जमीन पर पांव रखने की जरूरत है, वरना लोग उन्हें उनकी जगह दिखा देते हैं। वहीं, मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने कहा कि भाजपा और शिवसेना सत्ता साझेदारी के लिए पहले हुए निर्णय के अनुसार आगे बढ़ेंगे। सीटें कम होने पर फड़नवीस ने कहा, 'भाजपा ने 2014 में 260 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 122 पर जीत दर्ज की थी। इस बार हम 164 सीटों पर चुनाव लड़े। हमारा स्ट्राइक रेट बेहतर है, हमनें 70 प्रतिशत सीटें जीती हैं।' राकांपा प्रमुख शरद पवार ने कहा, इस चुनाव का संदेश है कि लोग सत्ता के अहंकार को पसंद नहीं करते।

2014 में हुए चुनाव में भाजपा ने 122 सीटों पर जीत दर्ज की थी, शिवसेना ने 63, कांग्रेस ने 42 और राकांपा ने 41 सीटें जीती थीं।

मुंबई में बृहस्पतिवार को चुनाव जीतने के बाद अपनी मां रश्मि ठाकरे को प्रमाणपत्र दिखाते आदित्य ठाकरे। -प्रेट्र

विजय चिन्ह बनाते सीएम देवेंद्र फड़नवीस, आरपीआई प्रमुख रामदास अठावले, भाजपा प्रदेश प्रमुख चंद्रकांत।

कल पढ़ें

स्क्रिप्ट के कायल पंकज
नेगेटिव रोल में सानवी
घर की रौनक बंधनवार

ऐसा पहली बार हुआ : मां-बेटा, चाचा-भतीजा को मिली जीत

ताऊ के परिवार से एक साथ बने 5 विधायक

बेटे ने तोड़ा केवी सिंह का वनवास, पहली बार चौ. रणजीत सिंह भी पहुंचेंगे विधानसभा

चंडीगढ़, 24 अक्तूबर (ट्रिन्यू)

दुष्यंत सिंह चौटाला

नैना चौटाला

रणजीत सिंह

अमित सिहाग

अभय चौटाला

हरियाणा विधानसभा चुनावों में इस बार एक और इतिहास रच दिया गया। यह पहला मौका है जब चौधरी देवीलाल, जिन्हें प्यार से ताऊ के नाम से याद किया जाता है, के परिवार की तीन पीढ़ियों के पांच लोग विधायक बने हैं। यही नहीं, पहली बार मां-बेटा और चाचा-भतीजा एक साथ विधानसभा में एंट्री करेंगे। लोगों ने चौ. रणजीत सिंह का वनवास भी खत्म करवा दिया है। इसके अलावा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. केवी सिंह के बेटे ने उनका 'सूखा' दूर किया है।

जजपा सुप्रीमो और पूर्व सांसद दुष्यंत सिंह चौटाला उचाना कलां से चुनाव जीते हैं। 2014 में दुष्यंत ने हिसार से लोकसभा चुनाव जीता था। इस बार वह नहीं जीत सके थे। 2014 के विस चुनावों में भाजपा की प्रेमलता के हाथों हारे दुष्यंत ने इस बार अच्छे-खासे अंतर से प्रेमलता को शिकस्त दी है। दुष्यंत पहली बार विधानसभा पहुंचेंगे। वहीं उनकी मां और डबवाली से पूर्व विधायक नैना सिंह चौटाला ने भी दादरी जिला के बाढड़ा से जीत हासिल की है। चौटाला गांव के ही और देवीलाल के पुत्र चौ. रणजीत सिंह ने रानियां हलके से चुनाव जीता है। रणजीत सिंह कांग्रेस टिकट के प्रबलतम दावेदार थे, लेकिन कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर के विरोध के चलते उनका टिकट कट गया। रणजीत सिंह ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर अच्छे अंतर से जीत हासिल की। जनता ने रणजीत सिंह की विधानसभा पहुंचने की पुरानी ख्वाहिश पूरी कर दी।

पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के ओएसडी रहे और देवीलाल परिवार के ही डॉ. केवी सिंह परिवार का भी वनवास खत्म हो गया है। कांग्रेस ने उनके बेटे अमित सिहाग को टिकट दिया। सिहाग युवा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं। उन्होंने देवीलाल के पोते आदित्य देवीलाल चौटाला को चुनाव में शिकस्त दी है। आदित्य भाजपा प्रत्याशी थे।

बेशक अभय सिंह चौटाला इनेलो की लाज नहीं बचा सके, लेकिन खुद विधानसभा पहुंचने में कामयाब रहे हैं। इनेलो व चौटाला परिवार में हुए बिखराव के बाद न केवल इनेलो का वोट बैंक सिकुड़ गया बल्कि पार्टी ने चुनाव भी दो-तीन हलकों पर फोकस करके लड़ा। अकाली दल के साथ गठबंधन के बाद भी केवल अभय ही ऐलनाबाद से जीतने में कामयाब रहे। अभय सिंह इनेलो सुप्रीमो और पूर्व सीएम ओपी चौटाला के छोटे पुत्र हैं। उनके बड़े बेटे व पूर्व सांसद डॉ. अजय सिंह चौटाला खुद की पार्टी (जजपा) बना चुके हैं।

गांव में जश्न का माहौल

सिरसा जिले का चौटाला गांव अब देश के राजनीतिक नक्शे पर उभर कर आया है। शायद ही दूसरे भी किसी राज्य में ऐसा उदाहरण हो कि एक ही गांव और एक ही परिवार के पांच लोग विधानसभा में पहुंचे हों। चौटाला गांव में बृहस्पतिवार को दिवाली मनी।

ताऊ बोल्या संदीप जोशी

कील अर प्लेट तो ठा ल्याया, झकोई नाम तो बता दे किसका सै।

उप चुनाव पंजाब, हिमाचल और यूपी में सत्ताधारी दल की जीत

नयी दिल्ली, 24 अक्तूबर (एजेंसी)

पंजाब, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश में हुए उप चुनावों के नतीजे भी बृहस्पतिवार को आ गए। पंजाब की चार विधानसभा सीटों में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने तीन और विपक्षी शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने एक सीट पर जीत दर्ज की। हिमाचल प्रदेश की दोनों सीटों पर भाजपा विजयी रही है। उधर, यूपी में कुल 11 विधानसभा सीटों के लिए हुए उपचुनाव में सत्ताधारी भाजपा ने सात और उसके सहयोगी अपना दल (सोनेलाल) ने एक सीट जीती। सपा ने जैदपुर सीट भाजपा से छीनी तो जलालपुर सीट बसपा से छीनकर अपने खाते में डाली। रामपुर सीट पर पार्टी का कब्जा बरकरार रहा।

इसके अलावा बिहार में विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने सत्तारूढ़ पार्टी जदयू से सिमरी बख्तियारपुर सीट उपचुनाव में छीन ली। छत्तीसगढ़ की एक सीट कांग्रेस ने जीती। राजस्थान में एक सीट सत्तारूढ़ कांग्रेस और दूसरी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के खाते में गयी है। लोकसभा की 2 सीटों में से बिहार की समस्तीपुर सीट लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के प्रिंस राज ने जीती। यह सीट उनके पिता रामचंद्र पासवान के निधन के कारण खाली हुई थी। उधर, महाराष्ट्र की सतारा लोकसभा सीट पर राकांपा जीती।

हरियाणा विधानसभा चुनाव परिणाम

खट्टर कैबिनेट के 10 में से 8 मंत्री चारों खाने चित, विज-बनवारी लाल ही बचा पाए लाज

दिनेश भारद्वाज/ट्रिन्यू
चंडीगढ़, 24 अक्तूबर

हरियाणा के मतदाताओं ने खट्टर कैबिनेट को ढहा दिया। पार्टी प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला तक को बुरी तरह हार का मुंह देखना पड़ा। खट्टर कैबिनेट के 10 मंत्रियों में से 8 को हार मिली है। केवल अम्बाला कैंट से अनिल विज और बावल से डॉ. बनवारी लाल ही अपनी सीट बचाने में कामयाब रहे। खुद सीएम मनोहर लाल खट्टर की जीत का अंतर उतना नहीं रहा, जैसी उम्मीद की जा रही थी।

- नतीजों ने लगाई दैनिक ट्रिब्यून के आकलन पर मुहर
- खुद सीएम भी नहीं बना सके जीत के अंतर का बड़ा रिकार्ड

नतीजों ने साफ कर दिया है कि प्रदेश की जनता में कैबिनेट और खट्टर सरकार के प्रति बड़ा आक्रोश था। दैनिक ट्रिब्यून ने सबसे पहले इस बात का खुलासा कर दिया था कि खट्टर कैबिनेट के अधिकांश मंत्री कड़े मुकाबले में फंसे हुए हैं। चुनावी नतीजों ने दैनिक ट्रिब्यून के आकलन पर मुहर लगाई है। दरअसल, मंत्रियों के कामकाज के तौर-तरीके और कार्यशैली के प्रति लोगों में नाराजगी थी। कई मौकों पर यह नाराजगी सामने भी आई, लेकिन लगता है जनता विधानसभा चुनाव का ही इंतजार कर रही थी।

खट्टर कैबिनेट में कुछ मंत्री तो ऐसे भी थे, जिन्होंने अपनी कोठी पर आम लोगों से मिलने के लिए बाकायदा बोर्ड लगाया हुआ था। यही नहीं, जनता से मिलने का समय भी घंटेभर का ही तय था। बताया गया है कि कई नेताओं में मंत्री बनने के बाद अहंकार आ गया था, जिससे स्थानीय लोग नाराज थे। ऐसा भी माना जाता है कि कुछ मंत्रियों द्वारा जाति विशेष के ही लोगों को अपने साथ रखने और उन्हीं के काम करने को लेकर भी अंदरखाने मतदाता में गुस्सा था।

खट्टर के दो कैबिनेट मंत्रियों – राव नरबीर सिंह और विपुल गोयल का तो आपसी गुटबाजी और खींचतान के चलते टिकट कट गया, लेकिन बाकी सभी मंत्रियों पर भाजपा ने फिर से दांव खेला था। हालांकि टिकट वितरण से पहले यह माना जा रहा था कि कुछ मंत्रियों का टिकट कटेगा, मगर लोकसभा चुनावों में सभी 10 सीटों पर जीत हासिल करने के बाद भाजपा भी अति-आत्मविश्वास में आ चुकी थी। ऐसे में जनता की नाराजगी को दरकिनार कर अपनी मर्जी से फैसले लिए। गौरतलब है कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला को फतेहाबाद जिले के टोहाना हलके से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है, उन्हें जननायक जनता पार्टी के देवेंद्र बबली ने 52302 वोट के अंतर से पटकनी दी है।

चंडीगढ़ में सीएम आवास पर पसरा सन्नाटा

चंडीगढ़ में बृहस्पतिवार को परिणाम के बाद निवर्तमान सीएम मनोहर लाल खट्टर के आवास पर चहल-पहल नजर नहीं आई। -रवि कुमार

किसे कहां से मिली शिकस्त

कैप्टन अभिमन्यु

वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु नारनौंद हलके में पकड़ को बनाकर नहीं रख सके। लोगों में उनके खिलाफ नाराजगी थी। जजपा के रामकुमार गौतम ने उन्हें हराया है। वे 12029 वोट से हारे हैं।

रामबिलास शर्मा

खट्टर कैबिनेट में नंबर-दो के मंत्री प्रो.रामबिलास शर्मा को महेंद्रगढ़ के लोगों ने फिर से विधानसभा में नहीं भेजा। कांग्रेस के राव दान सिंह ने उन्हें पटकनी दी है। वे 10311 वोट से हारे हैं।

कृष्ण बेदी

समाज कल्याण राज्य मंत्री कृष्ण कुमार बेदी भी अपनी शाहाबाद की सीट को नहीं बचा सके। जजपा उम्मीदवार रामकुमार काला ने उन्हें 37127 वोट के अंतर से हराया है।

ओपी धनखड़

कृषि व ग्रामीण विकास मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ बादली से चुनाव में शिकस्त खा बैठे। कांग्रेस प्रत्याशी कुलदीप वत्स ने उन्हें 11245 वोट के अंतर से चुनाव में पटकनी दी है।

कविता जैन

खट्टर कैबिनेट की अकेली महिला मंत्री कविता जैन सोनीपत में जीत की हैट्रिक नहीं लगा पाईं। उन्हें कांग्रेस प्रत्याशी सुरेंद्र पंवार ने बड़े अंतर से चुनाव में हराया है। उन्हें 32878 वोट से शिकस्त मिली।

कर्णदेव काम्बोज

2014 में इंद्री से विधायक बने खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री कर्णदेव काम्बोज की सीट बदलने का भी फायदा नहीं हुआ। वे रादौर में कांग्रेस के बिशनलाल सैनी से 2541 वोट के अंतर से हारे।

कृष्ण लाल पंवार

खट्टर के करीबी मंत्रियों में शुमार परिवहन मंत्री कृष्णलाल पंवार को कांग्रेस प्रत्याशी ने इसराना हलके से हराया। पंवार को 20 हजार 15 वोट से हार मिली।

मनीष ग्रोवर

खट्टर के नजदीकी मंत्रियों में शामिल रोहतक से विधायक मनीष ग्रोवर को भी लोगों ने दोबारा विधानसभा नहीं पहुंचने दिया। कांग्रेस के बीबी बतरा से 2735 वोट के अंतर से हारे।

प्रेमलता

पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह खुद के गढ़ को नहीं बचा सके। उनकी पत्नी और हिसार से सांसद बृजेंद्र सिंह की माता प्रेमलता को जजपा नेता दुष्यंत चौटाला ने 45452 वोट के अंतर से हराया है।

कुश्ती और सिनेमा के स्टार भी हुए धराशायी

भाजपा ने दूसरे दलों के नेताओं ही नहीं कुश्ती और सिनेमा के स्टारों पर भी दांव खेला था लेकिन उसके सभी समीकरण धरे रह गये। मतदाताओं ने कुश्ती और सिनेमा के स्टारों को नकार दिया। बेशक, हॉकी खिलाड़ी संदीप सिंह जरूर पिहोवा हलके में सही से जीत का गोल करने में कामयाब रहे लेकिन राजनीति के पुराने खिलाड़ियों ने दंगल और सिनेमा से आए उम्मीदवारों को पटकनी दे दी।

भाजपा ने सोनीपत जिले के बरोदा हलके में ब्राह्मण कार्ड खेलते हुए ओलंपियन योगेश्वर दत्त को चुनावी अखाड़े में उतारा था। उनका मुकाबला कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में शुमार पूर्व मंत्री श्रीकृष्ण हुड्डा से था। हुड्डा ने धोबी पछाड़ देते हुए योगेश्वर को राजनीति के अखाड़े में चित कर दिया। योगेश्वर दत्त को हुड्डा सरकार ने राष्ट्रमंडल खेलों में गोल्ड हासिल करने के बाद सीधे डीएसपी भर्ती किया था। योगेश्वर ने हालिया लोकसभा चुनाव में भी भाजपा से सोनीपत की टिकट मांगी थी। बताते हैं कि इस बार भी वे गोहाना से विधानसभा टिकट मांग रहे थे, लेकिन भाजपा ने उन पर बरोदा से दांव लगाया। वे डीएसपी पद से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हुए और गोहाना से चुनावी रण में उतरे। वहीं दंगल फेम बबीता फौगाट को भी दादरी हलके के लोगों ने नकार दिया। फिल्म अभिनेता आमिर खान की फिल्म 'दंगल' के बाद से फौगाट सिस्टर्स सुर्खियों में आई थीं।

योगेश्वर दत्त

बबीता फौगाट

सोनाली फौगाट

बबीता फौगाट भी हरियाणा पुलिस में इंस्पेक्टर थीं। उन्होंने पुलिस की नौकरी छोड़कर राजनीति में कदम रखा। अहम बात यह है कि उनके पिता और कुश्ती पहलवान महाबीर सिंह फौगाट जननायक जनता पार्टी में थे। जजपा ने उन्हें खेल प्रकोष्ठ का प्रदेशाध्यक्ष भी बनाया हुआ था। बबीता फौगाट व उनके पिता ने जजपा छोड़कर भाजपा ज्वाइन की थी। दादरी में निर्दलीय सोमबीर सांगवान ने चुनाव जीता है। वहीं बबीता फौगाट तीसरे नंबर पर आई हैं।

इसी तरह से भाजपा ने आदमपुर में भजनलाल परिवार के दुर्ग को भेदने के लिए टिक-टॉक स्टार सोनाली फौगाट को चुना। भाजपा की महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष फौगाट नलवा से टिकट मांग रही थीं लेकिन पार्टी ने उन्हें आदमपुर से कांग्रेस प्रत्याशी कुलदीप बिश्नोई के मुकाबले खड़ा किया। कुलदीप के हाथों सोनाली को करारी हार का सामना करना पड़ा। वहीं दूसरी ओर, कुलदीप अपनी पैतृक सीट पर दबदबा बनाये रखने में भी कामयाब रहे हैं। भजन परिवार आज तक इस हलके से चुनाव नहीं हारा है।

कांग्रेस को मिली जीत की संजीवनी

रोहतक में बृहस्पतिवार को पूर्व मुख्यमंत्री एवं गढ़ी सांपला किलोई से कांग्रेस उम्मीदवार भूपेंद्र सिंह हुड्डा की जीत के बाद उनके आवास के बाहर खुशी जाहिर करते कांग्रेस कार्यकर्ता। -मनोज ढाका

रोहतक में बृहस्पतिवार को पूर्व मुख्यमंत्री एवं गढ़ी सांपला किलोई से कांग्रेस उम्मीदवार भूपेंद्र हुड्डा जीत के बाद निर्वाचन अधिकारी से प्रमाणपत्र लेते हुए। -मनोज ढाका

नयी दिल्ली में बृहस्पतिवार को हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष कुमारी सैलजा चुनाव में कांग्रेस के बेहतरीन प्रदर्शन पर अपने आवास पर खुशी जाहिर करते हुए। -मुकेश अग्रवाल

हरियाणा की राजनीति के नये स्टार बने दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 24 अक्तूबर (ट्रिन्यू)

11 महीने पहले इनेलो से अलग होने के बाद जननायक जनता पार्टी (जजपा) का गठन करने वाले हिसार के पूर्व सांसद दुष्यंत सिंह चौटाला प्रदेश की राजनीति के नये 'स्टार' बनकर उभरे हैं। बेशक, उनकी पार्टी को 10 ही हलकों में जीत हासिल हुई है लेकिन अपनी मूल पार्टी इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के काडर को वे लगभग निपटाने में कामयाब होते दिख रहे हैं। ताऊ देवीलाल के पड़पोते और पूर्व सांसद डॉ. अजय सिंह चौटाला के ज्येष्ठ पुत्र दुष्यंत सिंह चौटाला ने 2014 में इनेलो टिकट पर हिसार लोकसभा से चुनाव जीता था। लोकसभा के सबसे युवा सांसद होने का रिकार्ड उनके नाम दर्ज है। वे महज 26 वर्ष की उम्र में लोकसभा पहुंचे। इनेलो में राजनीतिक विरासत को लेकर चाचा-भतीजे यानी अभय सिंह चौटाला और दुष्यंत के बीच अंदरखाने झगड़ा शुरू हो गया था।

लोकसभा में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन करके दुष्यंत चौटाला ने सभी 10 सीटों पर चुनाव लड़ा हालांकि किसी भी सीट पर पार्टी जीत हासिल नहीं कर पाई लेकिन अब विधानसभा चुनाव में दुष्यंत के प्रदर्शन ने प्रदेश की राजनीति को नया चेहरा दे दिया है। युवाओं में दुष्यंत का क्रेज है। शायद, इसी वजह से उनकी पार्टी के 10 उम्मीदवार चुनाव जीतने में कामयाब रहे। कई हलकों में जजपा प्रत्याशी नंबर-दो पर भी रहे हैं।

अब बढ़ गई चुनौतियां

10 सीटों पर जीत हासिल करने के बाद दुष्यंत चौटाला ने खुद को साबित तो कर दिया है लेकिन अब भविष्य की राजनीति के हिसाब से उनकी चुनौतियां भी बढ़ गई हैं। भाजपा के पास 40 विधायक हैं। इसके अलावा 7 निर्दलीय, एक इनेलो और एक हलोपा विधायक है। ऐसे में अब उन्हें बड़ी सोच-समझ कर फैसला करना है कि वे सरकार के साथ जाएंगे या फिर विपक्ष में बैठेंगे। फैसला जो भी लें, लेकिन उन्हें जल्दी ही निर्णय करना होगा।

परिवार की कलह से उभरी नयी पार्टी

पिछले वर्ष अगस्त में गोहाना में ताऊ देवीलाल की जयंती के मौके पर हुई सम्मान दिवस रैली में परिवार का कलह और गुटबाजी सार्वजनिक हो गई। इस रैली में पहुंचे लोगों खासकर युवाओं ने इनेलो सुप्रीमो ओमप्रकाश चौटाला की मौजूदगी में दुष्यंत के समर्थन में नारेबाजी की। यहीं नहीं, अभय सिंह चौटाला के खिलाफ रैली में हूटिंग भी हुई। चौटाला ने इसके लिए दुष्यंत और उनके छोटे भाई दिग्विजय सिंह चौटाला को जिम्मेदार ठहरा दिया। दोनों भाइयों को इनेलो से बाहर कर दिया गया। इसके बाद अजय सिंह चौटाला को भी इनेलो से निष्कासित कर दिया। बाद में जींद में बड़ी रैली करके दुष्यंत सिंह चौटाला ने जजपा के गठन का ऐलान किया। पार्टी अभी रजिस्टर्ड भी नहीं हुई थी कि जींद का उपचुनाव आ गया। दिग्विजय सिंह ने जजपा समर्थित उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा। अच्छे वोट हासिल कर वे दूसरे नंबर पर रहे, जबकि कांग्रेस के दिग्गज नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला को तीसरे नंबर पर पहुंचा दिया।

7 निर्दलीय जो बने हैं इस बार विधायक

चंडीगढ़ (ट्रिन्यू): विधानसभा चुनाव 2019 में 7 हलकों के लोगों ने किसी भी पार्टी के बजाय निर्दलीय विधायकों पर भरोसा जताया है। इनमें रानियां से विधायक बने रणजीत सिंह और बादशाहपुर से जीत हासिल करने वाले राकेश दौलताबाद को छोड़कर बाकी 5 निर्दलीय विधायक भाजपा के ही बागी नेता हैं। रणजीत सिंह को कांग्रेस ने टिकट नहीं दिया तो वे आजाद प्रत्याशी के रूप में मैदान में आ गए। बादशाहपुर में क्योंकि कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह थे तो दौलताबाद ने टिकट की कोशिश भी नहीं की। वहीं पूंडरी से विधायक बने रणधीर सिंह गोलन, नीलोखेड़ी से चुने गए धर्मपाल गोंदर, चरखी दादरी से सोमबीर सांगवान, पृथला ने नैनपाल सिंह रावत व महम से बलराज कुंडू भाजपा में टिकट मांग रहे थे, नहीं मिलने पर पांचों ही निर्दलीय मैदान में कूदे थे।

कांग्रेस का नहीं करेंगे समर्थन: अभय चौटाला

सिरसा (निस): ऐलनाबाद हलके से इनेलो नेता अभय चौटाला ने हैट्रिक लगाई है। जीत के बाद जब वे हलके के गांव चौपटा पहुंचे तो चौ.देवीलाल चौक पर अपने दादा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

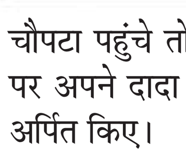

इस अवसर पर अभय चौटाला ने कहा कि उनके समर्थकों ने चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि इनेलो, कांग्रेस को समर्थन नहीं देगी। कांग्रेस ने एक षड्यंत्र के तहत चौ. ओमप्रकाश चौटाला व अजय सिंह चौटाला को 10-10 साल की सजा करवाई थी। उन्होंने कहा कि हलका में नशा खत्म करना उनकी प्राथमिकता होगी तथा नशे का कारोबार करने वालों को भी जेल की सलाखों के पीछे जाना पड़ेगा।

चालती चाक्की — सत्यवीर नाहड़िया

न्यारा आया फैसला, सारी न्यारी बात।
दिखे पिचेत्तर पार के, आधे इब हालात।
आधे इब हालात, 'हाथ' नै हाथ दिखाये।
सत्ता खात्तर खास, नयी वै 'ताली' ल्याये।
ऐनक दी इब तार, बठाया बिलकुल ढ़ारा।
दिए कसुत्ते तोल, फैसला चोक्खा न्यारा।।

समय से पहले मिलती कमान तो बदल सकते थे समीकरण

हाईकमान में बढ़ा पूर्व सीएम हुड्डा का कद, मिला फ्री-हैंड

ट्रिब्यून न्यूज सर्विस
चंडीगढ़, 24 अक्तूबर

हरियाणा के विधानसभा चुनाव के नतीजों ने पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा का राजनीतिक कद पार्टी हाईकमान के सामने बढ़ा दिया है। हुड्डा नेतृत्व को यह संदेश देने में सफल रहे हैं कि प्रदेश के लोगों में उनकी पकड़ है। यही नहीं, ओल्ड रोहतक के रोहतक, सोनीपत व झज्जर में अपने गढ़ को बचाने के साथ-साथ हुड्डा ने अपने सियासी दायरे में विस्तार भी किया है।

- अपने गढ़ को बचाने के साथ राजनीतिक ताकत बढ़ाने में रहे सफल हुड्डा

नतीजों ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि पार्टी हाईकमान ने हरियाणा में नेतृत्व परिवर्तन समय रहते किया होता तो परिणाम अलग ही होते। राजनीति के जानकार भी मानते हैं कि लोकसभा चुनाव से पहले अगर हुड्डा और सैलजा की जोड़ी हरियाणा में उतारी गई होती तो लोकसभा में भी पार्टी को सभी 10 सीटों पर हार का सामना नहीं करना पड़ता। बताया गया है, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की जिद के चलते अशोक तंवर को नहीं हटाया गया।

सोनिया गांधी के फिर से पार्टी अध्यक्ष बनने के बाद तंवर की जगह पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा को प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया और सीएलपी लीडर किरण चौधरी की जगह हुड्डा को बनाया गया। यह फैसला विधानसभा चुनाव की घोषणा के दौरान ही हुआ। ऐसे में हुड्डा व सैलजा को प्रबंधन करने और प्रदेशभर में प्रचार करने का भी कम समय मिला। बावजूद इसके 2014 के मुकाबले दोगुणा से भी अधिक संख्या बल बढ़ाकर हुड्डा ने अपनी राजनीतिक ताकत का अहसास करा दिया है।

2014 के विधानसभा चुनाव में ओल्ड रोहतक के 14 हलकों में से कांग्रेस 10 में जीत हासिल कर पाई थी। बेशक, हुड्डा के तीन करीबी – गन्नौर से कुलदीप शर्मा, महम से आनंद सिंह दांगी और राई से जयतीर्थ दहिया चुनाव हार गए, लेकिन वे इस संख्या को 11 करने में भी कामयाब रहे। झज्जर जिले की चारों सीटों – झज्जर, बेरी, बहादुरगढ़ और बादली में हुड्डा का प्रभाव देखने को मिला।

2014 में भाजपा उम्मीदवारों बादली से ओमप्रकाश धनखड़ और बहादुरगढ़ से नरेश कौशिक ने चुनाव जीता था, मगर इस बार भाजपा यहां खाता भी नहीं खोल सकी। वहीं रोहतक शहर की सीट पर बरसों के बाद मनीष ग्रोवर द्वारा लहराये गये भगवा को भी हुड्डा ने उतार दिया। यहां से हुड्डा के नजदीकी भारत भूषण बतरा ने जीत हासिल की। 2014 में सोनीपत जिले की 6 में से 5 सीटों पर कांग्रेस ने जीत हासिल की थी। सोनीपत शहर की सीट पर भाजपा की कविता जैन लगातार दूसरी बार चुनाव जीती थीं लेकिन कविता जैन को इस बार हुड्डा कोटे से टिकट लेकर आये सुरेंद्र पंवार ने हैट्रिक बनाने से रोक दिया। सोनीपत में हुई दो सीटों के नुकसान की भरपाई हुड्डा ने पानीपत जिले में की है। हुड्डा के करीबी बलबीर वाल्मीकि ने कैबिनेट मंत्री कृष्णलाल पंवार को हराया है, वहीं समालखा में भी हुड्डा के नजदीकी धर्म सिंह छोक्कर जीत गए।

अब हुड्डा को मिला फ्री-हैंड

दिल्ली से जुड़े कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि हरियाणा के नतीजों के बाद पार्टी नेतृत्व ने पूर्व सीएम हुड्डा को फ्री-हैंड दे दिया है। बताते हैं कि पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी हुड्डा से फोन पर बात की। हालांकि उस समय तक यह माना जा रहा था कि भाजपा 40 के आंकड़े तक नहीं पहुंचेगी। 31 विधायकों के बनने के बाद अब यह भी साफ हो गया है कि पार्टी की ओर से हुड्डा ही विधानसभा में मुख्य चेहरा होंगे। उन्हें विपक्षी दल का नेता बनाया जा सकता है।

नयी दिल्ली में बृहस्पतिवार को हरियाणा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक तंवर अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए। -मुकेश अग्रवाल

तंवर के भविष्य पर सवाल

विस चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर के राजनीतिक भविष्य पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। राहुल गांधी के 'आशीर्वाद' की वजह से लगातार साढ़े पांच वर्षों तक प्रदेशाध्यक्ष रहे तंवर इस अवधि में पार्टी संगठन तक को खड़ा नहीं कर सके थे। हालांकि इस बार भी पार्टी ने बिना जिला व ब्लॉक कार्यकारिणी के ही विस चुनाव लड़ा और फिर भी 31 सीटों पर जीत हासिल की।

बीते 10 महीने के अंदर सुरजेवाला की दूसरी हार

ललित शर्मा/हप्र
कैथल, 24 अक्तूबर

कैथल में कांग्रेस के प्रत्याशी एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला की विधानसभा चुनाव में हार चर्चा में है। उनके समर्थक हार का ठीकरा जींद उपचुनाव पर भी फोड़ रहे हैं। उनका कहना है कि जींद उपचुनाव में मिली पराजय अब फिर उनकी हार में अहम रही है। सुरजेवाला न केवल कांग्रेस की सरकार में मंत्री रहे बल्कि हुड्डा सरकार में वे संकटमोचक के रूप में भी भूमिका निभाते रहे। सुरजेवाला की राहुल गांधी के नजदीकियों में गिनती होती है। लेकिन कैथल में सुरजेवाला को राहुल गांधी की नजदीकियों का कोई लाभ नहीं मिला। सुरजेवाला वर्ष 2014 में भाजपा की लहर के बावजूद कैथल से बड़े अंतर से जीत हासिल करने में कामयाब रहे थे, लेकिन इस बार वे 1246 वोट से हार गए। उनकी हार की अन्य वजह यह भी बताई गई है कि जाट आरक्षण आंदोलन में उनकी तरफ से कैथल के लोगों की अनदेखी की गई।

कौन बना विधायक

करनाल
मनोहर लाल

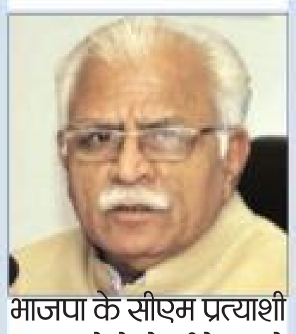

भाजपा के सीएम प्रत्याशी 45188 वोटों से जीते। उन्हें 79906 वोट मिले।

नीलोखेड़ी
धर्मपाल गोंदर

निर्दलीय प्रत्याशी 2222 वोटों से जीते। उन्हें 42979 वोट मिले।

इंद्री
रामकुमार

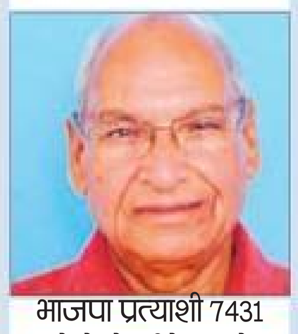

भाजपा प्रत्याशी 7431 वोटों से जीते। उन्हें 54221 वोट मिले।

घरौंडा
हरविंद्र कल्याण

भाजपा प्रत्याशी 17402 वोटों से जीते उन्हें 67209 वोट मिले।

असंध
शेरसिंह गोगी

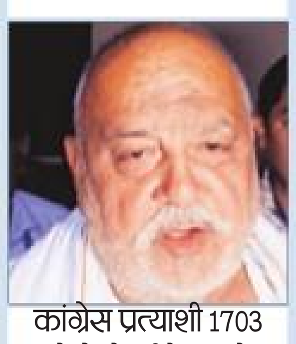

कांग्रेस प्रत्याशी 1703 वोटों से जीते। उन्हें 32114 वोट मिले।

पानीपत शहर
प्रमोद कुमार विज

भाजपा प्रत्याशी 39536 वोटों से जीते। उन्हें 76839 वोट मिले।

पानीपत ग्रामीण
महिपाल ढांडा

भाजपा प्रत्याशी 21961 वोटों से जीते। उन्हें 67086 वोट मिले।

इसराना
बलबीर सिंह

कांग्रेस प्रत्याशी 20025 वोटो से जीते। उन्हें 61376 वोट मिले।

समालखा
धर्म सिंह छौक्कर

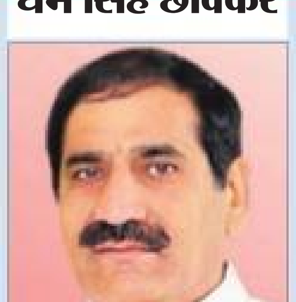

कांग्रेस प्रत्याशी 14942 वोटों से जीते। उन्हें 81898 वोट मिले।

थानेसर
सुभाष सुधा

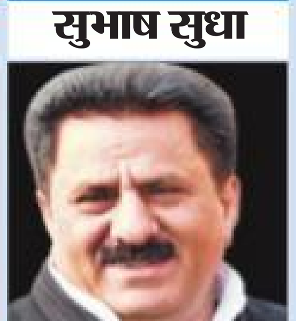

भाजपा प्रत्याशी 842 वोटों से जीते। उन्हें 55759 वोट मिले।

लाडवा
मेवा सिंह

कांग्रेस प्रत्याशी 12637 वोटों से जीते। उन्हें 57665 वोट मिले।

पिहोवा
संदीप सिंह

भाजपा प्रत्याशी 5404 वोटों से जीते। उन्हें 42613 वोट मिले।

शाहाबाद
रामकरण काला

जजपा प्रत्याशी 37127 वोटों से जीते। उन्हें 69233 वोट मिले।

कैथल
लीला राम

भाजपा प्रत्याशी 1246 वोटों से जीते। उन्हें 72664 वोट मिले।

गुहला
ईश्वर सिंह

जजपा प्रत्याशी 4574 वोटों से जीते। उन्हें 36518 वोट मिले।

कलायत
कमलेश ढांडा

भाजपा प्रत्याशी 8974 वोटों से जीतीं। उन्हें 53805 वोट मिले।

पूंडरी
रणधीर सिंह गोलन

निर्दलीय प्रत्याशी 12824 वोटों से जीते। उन्हें 41008 वोट मिले।

करनाल क्लीन स्वीप का सपना टूटा, कांग्रेस और निर्दलीय ने छीनी एक-एक सीट

सीएम का जिला ही नहीं बचा पाई भाजपा

विजय शर्मा/हप्र
करनाल, 24 अक्तूबर

भाजपा करनाल जिले की सभी 5 सीटें जीतने का इतिहास नहीं दोहरा पाई। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जिले की सभी पांचों सीटें जीती थीं, लेकिन इस बार पार्टी को केवल 3 सीटों से संतोष करना पड़ा। असंध सीट कांग्रेस ने भाजपा से छीन ली है। यहां पहली बार चुनाव मैदान में उतरे कांग्रेस के शमशेर सिंह गोगी विजयी हुए हैं। नीलोखेड़ी सीट से निर्दलीय धर्मपाल गौंदर विजयी हुए। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने करनाल और निवर्तमान विधायक हरविन्द्र कल्याण ने लगातार दूसरी बार घरौंडा से जीत दर्ज की। पूर्व मंत्री कर्णदेव काम्बोज को हटाकर पहली बार इन्द्री हलके से प्रत्याशी बनाये गये भाजपा के राम कुमार कश्यप भी चुनाव जीत गये हैं। करनाल विधानसभा क्षेत्र में कुल 125408 मतों में से भाजपा प्रत्याशी मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को 79906 वोट मिले। उन्होंने कांग्रेस के त्रिलोचन सिंह को 45188 वोटों से हराया। त्रिलोचन सिंह को 34718 वोट मिले। जजपा के तेज बहादुर को 3192 वोट मिले। घरौंडा में हरविन्द्र कल्याण 67209 मत लेकर विजयी रहे। उन्होंने कांग्रेस के अनिल कुमार को 17402 वोटों से हराया। अनिल को 49807 वोट मिले। जजपा के उमेद सिंह को 13709 वोट मिले। इंद्री से रामकुमार कश्यप को 54221 वोट मिले। उन्होंने आजाद उम्मीदवार राकेश काम्बोज को 7431 वोटों से हराया। राकेश को 46790 वोट मिले। कांग्रेस की नवजोत कश्यप को 16776, जजपा के गुरदेव सिंह को 11946 वोट मिले। नीलोखड़ी में आजाद उम्मीदवार धर्मपाल गोंदर 42979 मत लेकर विजयी रहे। भाजपा के भगवानदास कबीरपंथी को 40757 मत मिले। कांग्रेस के बंता राम को 19736, जजपा के भीम सिंह जलाला को 11278 वोट मिले। असंध से कांग्रेस के शमशेर गोगी को 32114 वोट मिले। उन्होंने बसपा के नरेन्द्र सिंह को 1703 मतों के अंतर से हराया, नरेन्द्र सिंह को कुल 30411 मत मिले।

घरौंडा से भाजपा प्रत्याशी हरविंद्र कल्याण की जीत के बाद एक-दूसरे को लड्डू खिलाते पार्टी कार्यकर्ता। -सईद अहमद

नहीं दिखा 'मैं हूं मनोहर का असर'

करनाल से मुख्यमंत्री ने इस बार भाजपा कार्यकर्ताओं को एक लाख के अंतर से जीत दर्ज करने का नारा दिया था। इसके लिए 5 हजार कार्यकर्ता ...मैं हूं मनोहर, बनाकर मैदान में उतारे गये। लेकिन करनाल में मतदाताओं ने मतदान के प्रति ज्यादा रुचि नहीं दिखाई और मतदान 52. 29 प्रतिशत पर सिमट गया। मुख्यमंत्री ने हालांकि कांग्रेस के तिरलोचन सिंह को बड़े अंतर से हराया, लेकिन सोशल मीडिया में यही प्रमुख सवाल बना रहा कि करनाल की चौधर वापस आयेगी या नही। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आज यहां जीत का कोई खास जश्न नही मनाया।

दिखे पिचेत्तर पार की, आधी रह ग्यी रेस!
जीत लिया करनाल पर, हार गये परदेस!! -स.ना.

कुरुक्षेत्र 4 सीटों में से 2 पर जीती भाजपा, एक कांग्रेस, एक जजपा

संदीप सिंह का गोल, अपने ही मैदान में हारे अशोक, बेदी विदा

विनोद जिंदल/हप्र
कुरुक्षेत्र, 24 अक्तूबर

21 अक्तूबर को ईवीएम के पिटारे में बंद हुई राजनेताओं की किस्मत का पिटारा बृहस्पतिवार को खुल गया। पिटारा खुलते ही किसी ने खुशी मनाई तो कोई दुखी मन से अपने गणतव्य स्थानों की ओर रवाना हुए। कुरुक्षेत्र जिले के चार विधानसभा सीटों में से जहां दो थोनसर और पिहोवा में कमल खिला, वहीं लाडवा में कांग्रेस का हाथ और शाहाबाद में जजपा चाबी ने कमाल दिखाया।

थानेसर में भाजपा के सुभाष सुधा ने कांग्रेस के अशोक अरोड़ा को केवल 842 मतों से हराया। वे दूसरी बार थानेसर से कमल खिलाने में कामयाब हुए। सुभाष सुधा को 55759 वोट तथा अशोक अरोड़ा को 54917 वोट मिले। तीसरे स्थान पर आए आजाद उम्मीदवार प्रवीन चौधरी को 11939 मत मिले हैं। 951 मत नोटा को मिले। दूसरा कमल पिहोवा में खिला। हॉकी के खिलाड़ी संदीप सिंह ने पैनेल्टी स्ट्रॉक मारकर पहली बार पिहोवा में कमल खिलाया। उन्होंने कांग्रेस के मंदीप सिंह चट्ठा को 5404 मतों से हराया। मंदीप पूर्व मंत्री हरमोहिंद्र चट्ठा के बेटे हैं। संदीप को 42 हजार 613, चट्ठा को 37 हजार 299 मत मिले हैं। तीसरे स्थान पर आए आजाद उम्मीदवार संदीप ओंकार ने 21 हजार 775 मत प्राप्त किए और जजपा के रणधीर सिंह 14 हजार 846 वोटों के साथ चौथे स्थान पर रहे। नोटा पर 622 वोट पड़े। शाहाबाद में इनेलो छोड़कर जजपा में शामिल हुए रामकरण काला ने 69233 मत लेकर भाजपा सरकार के मंत्री कृष्ण बेदी को 37127 वोटों से हराकर 2014 की हार का बदला लिया। बेदी को 32 हजार 106 वोट मिले। शाहाबाद में चर्चा है कि कृष्ण बेदी का व्यवहार उनकी हार का कारण बना है। कांग्रेस के अनिल धंतौड़ी को 18 हजार 844 वोट मिले। नोटा को 857 वोट मिले, जबकि 82 वोट रद्द हो गए। लाडवा में कांग्रेस के मेवा सिंह ने 57 हजार 665 वोट लेकर भाजपा के पवन सैनी को 12 हजार 637 वोटों से हराया। निवर्तमान विधायक डॉ. पवन सैनी को 45 हजार 28 वोट मिले। कहा जा रहा है कि मेवा सिंह की पिछले 15 साल से लोगों की सेवा करने की मेहनत इस बार रंग लाई है। तीसरे स्थान पर रहीं सपना बड़शामी को 15 हजार 513 वोट मिले। लोसुपा के नायब सिंह ने भी 9 हजार 99 वोट प्राप्त किए और चौथे स्थान पर रहे।

पिहोवा में बृहस्पतिवार को जीतने के बाद भाजपा प्रत्याशी संदीप सिंह को उनके समर्थकों ने कंधे पर उठा लिया। - निस

साथ हाथ का था लिया, ऐनक दी थी तार!
थाणेसर मैदान तै, मिली दिखे इब हार!! -स.ना.

पानीपत खाता भी नहीं खोल पाई जजपा

भाजपा-कांग्रेस में 2-2 का रहा मुकाबला

बिजेंद्र सिंह/एस
पानीपत, 24 अक्तूबर

पानीपत की चारों विधानसभाओं की हुई मतगणना में पानीपत शहरी में भाजपा के प्रमोद विज विजयी रहे, उनको 76839 वोट मिले, जबकि कांग्रेस पार्टी के संजय अग्रवाल को 37303 वोट मिले। जजपा के जयदेव नौल्था 2244 वोट लेकर तीसरे स्थान पर रहे। नोटा को भी 1724 वोट डाले गए। पानीपत शहर में 220985 मतदाता थे और शहर में 55.3 प्रतिशत मतदान हुआ था। भाजपा के प्रमोद विज ने कांग्रेस के संजय अग्रवाल को 39536 वोटों से हराया। पानीपत ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के महीपाल ढांडा विजयी रहे। उन्हें 67 हजार 86 मत प्राप्त हुए, जबकि जजपा के देवेन्द्र कादियान को 45 हजार 125 वोट मिले। महीपाल ढांडा ने देवेंद्र कादियान को 21961 वोटों से हराया। निर्दलीय प्रत्याशी संदीप भारद्वाज 20 हजार 393 वोट लेकर तीसरे स्थान पर रहे। इसराना विधानसभा में कांग्रेस के बलबीर सिंह को 61 हजार 376 वोट प्राप्त हुए और वे विजयी रहे। भाजपा के कृष्णलाल पंवार को 41 हजार 361 वोट मिले। बलबीर वाल्मीकि ने कृष्ण पंवार को 20025 वोटों से हराया। जजपा के दयानन्द उरलाना को 17 हजार 735 वोट लेकर तीसरे स्थान पर रहे। समालखा से कांग्रेस प्रत्याशी धर्मसिंह छौक्कर विजयी रहे, जिन्हें 81 हजार 898 वोट मिले। भारतीय जनता पार्टी के शशिकांत कौशिक को 66 हजार 956 वोट मिले। धर्म सिंह छौक्कर ने शशीकांत कौशिक को 14942 वोटों से हराया।

जननायक जनता पार्टी जिले की चारों सीटों में से किसी पर खाता भी नहीं खोल पाई। इससे जजपा में मायूसी छा गई। पानीपत ग्रामीण से देवेंद्र कादियान पर जजपा को भारी उम्मीदें थी पर वे भी जीत नहीं पाए। चारों ही मतगणना केन्द्रों पर जैसे-जैसे मतगणना आगे बढ़ती गई वैसे-वैसे वहां से जजपा के कार्यकर्ता गायब होते चले गए। यही नहीं एसडी कालेज व आर्य कालेज के बाहर से भाजपा के कार्यकर्ता तथा एसडी स्कूल व स्कूल के बाहर से कांग्रेस कार्यकर्ता भी हार के डर से गायब होते चले गए। जिले में चार में से 2 सीटों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा भाजपा के स्टार प्रचारक फिल्म स्टार सन्नी देओल व हेमा मालिनी भी समालखा व इसराना में भाजपा प्रत्याशियों को जीत नहीं दिला पाई।

पानीपत ग्रामीण से विधायक चुने जाने पर अपनी गाड़ी पर खड़े होकर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते महीपाल ढांडा। -एस

कैथल कलायत में पहली बार खिला कमल, पूंडरी में निर्दलीय ने मारी बाजी

लीलाराम की लीला से हारे रणदीप, गुहला में जीती जजपा

ललित शर्मा/हप्र
कैथल, 24 अक्तूबर

हरियाणा विधानसभा चुनाव के अंतर्गत कैथल जिले के सभी 4 विधानसभा क्षेत्रों में 2 में भाजपा विजयी रही, जबकि एक में जजपा और एक में निर्दलीय उम्मीदवार ने बाजी मारी। कैथल से भाजपा के प्रत्याशी लीला राम ने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के रणदीप सिंह सुरजेवाला पर 1246 मतों से जीत दर्ज की। कलायत से भाजपा प्रत्याशी कमलेश ढांडा ने कांग्रेस के जय प्रकाश पर 8974 वोटों से जीत दर्ज की। यहां पहली बार कमल खिला है।

गुहला जेजेपी के ईश्वर सिंह ने कांग्रेस के दिल्लुराम को 4574 मतों से हराया। पूंडरी से आजाद उम्मीदवार रणधीर गोलन ने कांग्रेस के सतबीर भाणा पर 12824 मतों से जीत दर्ज की। लीला राम को 72 हजार 664 मत प्राप्त हुए, जबकि रणदीप सुरजेवाला को 71 हजार 418 मत प्राप्त हुए। कलायत से भाजपा की प्रत्याशी कमलेश ढांडा को 53 हजार 805 मत मिले, जबकि कांग्रेस के जय प्रकाश को 44 हजार 831 मत प्राप्त हुए। गुहला से ईश्वर सिंह को 36 हजार 518 मत प्राप्त हुए, जबकि कांग्रेस के दिल्लुराम को 31 हजार 944 मत प्राप्त मिले। पूंडरी से आजाद प्रत्याशी रणधीर गोलन को 41 हजार 8, जबकि कांग्रेस के सतबीर भाणा को 28 हजार 184 मत प्राप्त हुए।

कैथल में बृहस्पतिवार को जीत के बाद विजय जुलूस निकालते भाजपा के लीलाराम। -हप्र

ईश्वर को अब पोते ने पहुंचाया विधानसभा

गुहला से दूसरी बार विधायक चुने गए ईश्वर सिंह साल 1977 में ताऊ देवीलाल की जनता पार्टी से पहले विधायक बने थे। विधायक बनने के बाद ईश्वर सिंह कांग्रेस में शामिल हो गए थे और उन्हें हाउसिंग बोर्ड का चेयरमैन बनाया गया था, लेकिन इसके बाद कांग्रेस ने ईश्वर सिंह को कभी भी टिकट नहीं दिया। कांग्रेस से टिकट न मिलते देख ईश्वर सिंह ने 1987 में आजाद प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ा, लेकिन जीत नहीं पाए। इसके बाद ईश्वर सिंह ने बंसीलाल की हविपा से 1996 में चुनाव लड़ा, लेकिन वे यहां भी जीत नहीं पाए। ईश्वर सिंह को साल 2009 में राज्यसभा के लिए चुना गया। इस चुनाव में ईश्वर कांग्रेस की टिकट के दावेदार थे, लेकिन आखिरी समय में उन्होंने दुष्यंत की चाबी थाम ली और 40 साल बाद फिर से विधायक बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

दिल्ली के दरबार कै, होग्ये इसे समीप!
सुण कैथल या जींद तै, दूर हुए रणदीप!! -स.ना.

एक नजर

कांबोज के समर्थकों ने किया हंगामा

करनाल (हप्र) : इन्द्री विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी राम कुमार कश्यप की जीत के बाद निर्दलीय राकेश कांबोज के समर्थकों ने जमकर हंगामा किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मतगणना में गड़बड़ी के आरोप लगाये। देर शाम तक डीएवी स्कूल स्थित मतगणना केन्द्र के बाहर जुटे काम्बोज समर्थकों ने कहा कि 10वें राऊंड के बाद लिस्टें ही नही दी गईं और जानबूझकर इस केंद्र पर मतगणना में देरी की जाती रही।

जीत का प्रमाण-पत्र मिलते ही जश्न

कुरुक्षेत्र (हप्र) : कुरुक्षेत्र जिले के विजयी उम्मीदवारों ने परिणाम आने के बाद प्रमाणपत्र प्राप्त करने के बाद ढोल ढमाकों की थाप पर विजय जुलुस भी निकाले। उम्मीदवारों के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने आपस में एक दूसरे को गुलाल लगाकर खुशियां मनाई तथा मिठाइयां भी बांटी।

पुलिस ने की चुनाव एजेंट की पिटाई

पिहोवा (निस) : पिहोवा से भाजपा प्रत्याशी संदीप सिंह ने जीत दर्ज की। उन्होनें अपने प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के मनदीप को 5331 वोटो से हराया। भाजपा प्रत्याशी को 42533 वोट मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी को 37202 वोट मिले । तीसरे स्थान पर रहे आजाद प्रत्याशी संदीप ओंकार को 21751 वोट मिले। चौथे स्थान पर जजपा प्रत्याशी रणधीर सिंह को 14829 मत मिले। सुबह मतगणना शुरू हुई तो दूसरे दौर की गिनती के बाद पत्रकार मतगणना केन्द्र में जाने लगे तो उन्हे बाहर ही रोक दिया गया। एक बूथ पर एक मात्र वोट मिलने व मशीनों की सील टूटी होने पर आजाद प्रत्याशी के एजेंट ने विरोध किया। चुनाव एजेंट द्वारा भारी विरोध करने पर पुलिस ने उसकी पिटाई कर दी।

अंतिम समय तक अटकी रही सांसें

असंध (निस) : असंध विधानसभा चुनाव के लिए मतों की गिनती शुरू हुई तो उसके साथ ही शुरू हो गया जबरदस्त रोमांच का सिलसिला। कभी बसपा तीसरे नंबर पर तो कभी पहले नंबर पर । कांग्रेस कभी तीसरे, कभी दूसरे तो कभी पहले नंबर पर रही। आखिरकार शाम 5 बजे सारी वोट गिनने के बाद शमशेर सिंह गोगी को 1703 मतों से विजयी घोषित कर दिया गया। मामले में ट्विस्ट अभी बाकी था और दूसरे स्थान पर रहे बसपा प्रत्याशी नरेंद्र राणा ने आरोप लगाया कि कुल एक लाख 52 हजार 991 मत पोल हुए, लेकिन गिनती में 2 मत कम हैं। उन्होंने रिटर्निंग अधिकारी से दोबारा गिनती करने की मांग की। प्रसाशन उसे किसी भी तरह की गड़बड़ी न होने का आश्वासन दिलाया, परंतु राणा दोबारा गिनती पर अड़े रहे। इस विवाद के चलते 2 घंटे खराब हुए और आखिरकार प्रसाशन ने राणा से लिखित शिकायत लेकर गोगी को शाम 7 बजे विजयी होने का प्रमाण-पत्र दे दिया।

दिग्विजय बोले-काला को बनाएंगे मंत्री

शाहाबाद मारकंडा (निस) : शाहाबाद के आर्य कन्या के महाविद्यालय में गणना चल रही थी और जननायक जनता पार्टी के रामकरण काला भारी मतों से बढ़त बनाए हुए थे। इसी बीच दिग्विजय चौटाला मतगणना केंद्र पहुंच गए और रामकरण काला को बधाई दी। जब रिटर्निंग अधिकारी राजीव प्रसाद ने काला के विजयी होने की घोषणा की तो उन्होंने कहा कि पूरे हरियाणा में शाहाबाद पहली सीट है, जिसका परिणाम घोषित हुआ है, जिस पर दिग्विजय ने कहा कि कबड्डी में जो पहले रेड मारता है, वही जीता है । उन्होंने कहा कि जजपा के गठन के बाद उनकी पार्टी की यह पहली जीत है और वह इसके लिए रामकरण काला को बधाई देते हैं । उन्होंने कहा कि आगामी दो-तीन दिनों में दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व में सरकार बनेगी और जिसमें रामकरण काला बड़े महकमे के मंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा के अनिल जैन ने उन्हें जो बच्चा पार्टी बताया था आज उन्हें इसका परिणाम मिल गया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता ने भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ जनादेश दिया है ।

epaper.dainiktribuneonline.com

कौन बना विधायक

रोहतक
बीबी बतरा

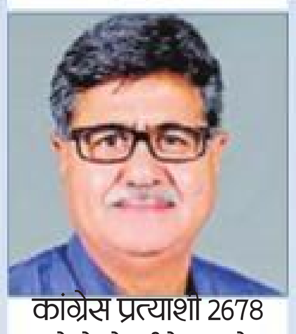

कांग्रेस प्रत्याशी 2678 वोटों से जीते। उन्हें 50277 मत मिले।

गढ़ी सांपला
भूपेंद्र सिंह हुड्डा

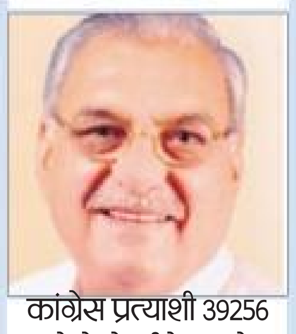

कांग्रेस प्रत्याशी 39256 वोटों से जीते। उन्हें 97330 मत मिले।

महम
बलराज कुंडू

निर्दलीय प्रत्याशी 12223 मतों से जीते। उन्हें 49234 वोट मिले।

कलानौर
शकुंतला खटक

कांग्रेस प्रत्याशी 3900 वोटों से जीतीं। उन्हें 57085 मत मिले।

झज्जर
गीता भुक्कल

कांग्रेस प्रत्याशी 15024 वोटों से जीतीं। उन्हें 46123 मत मिले।

बहादुरगढ़
राजेंद्र जून

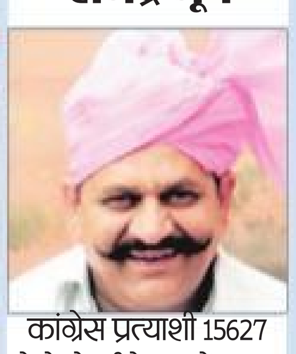

कांग्रेस प्रत्याशी 15627 वोटों से जीते। उन्हें 55769 मत मिले।

बादली
कुलदीप वत्स

कांग्रेस प्रत्याशी 11404 वोटों से जीते। उन्हें 45293 मत मिले।

बेरी
रघुबीर कादयान

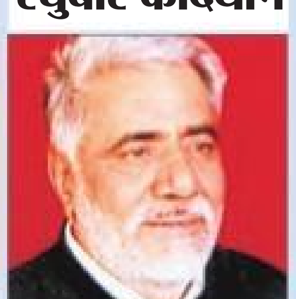

कांग्रेस प्रत्याशी 12952 वोट से जीते। उन्हें 46022 मत मिले।

सोनीपत
सुरेंद्र पंवार

कांग्रेस प्रत्याशी 32878 वोटों से जीते। उन्हें 79239 वोट मिले।

गन्नौर
निर्मल चौधरी

भाजपा प्रत्याशी निर्मल चौधरी 10280 वोटों से जीतीं। उन्हें 57830 वोट मिले।

राई
मोहन लाल बडौली

भाजपा प्रत्याशी 2662 वोटों से जीते। उन्हें 45377 वोट मिले

खरखौदा
जयबीर मलिक

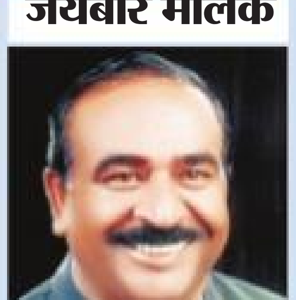

कांग्रेस प्रत्याशी 1544 वोटों से जीते। उन्हें 38577 वोट मिले।

गोहाना
जगबीर मलिक

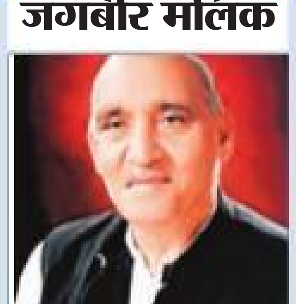

कांग्रेस प्रत्याशी 4152 वोटों से जीते। उन्हें 39531 वोट मिले।

बरोदा
श्रीकृष्ण हुड्डा

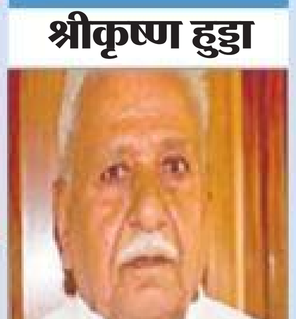

कांग्रेस प्रत्याशी 4840 वोटों से जीते। उन्हें 42566 वोट मिले।

चरखी दादरी
सोमबीर सांगवान

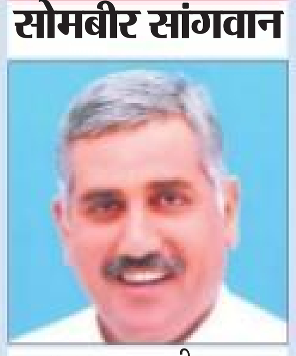

आजाद उम्मीदवार 14272 वोटों से जीते। उन्हें 43849 वोट मिले।

बाढड़ा
नैना चौटाला

जजपा प्रत्याशी 13704 मतों से जीतीं। उन्हें 52938 वोट मिलें।

एक ही राउंड में लीड ले सके योगेश्वर दत्त

गोहाना (निस): बरोदा हलके से भाजपा की टिकट पर मैदान में उतरे पहलवान योगेश्वर दत्त 16 में से एक ही राउंड में बढ़त बना पाए। कांग्रेस प्रत्याशी श्रीकृष्ण हुड्डा 16 में से 15 राउंड में आगे रहे। बरोदा हलके की मतगणना 16 राउंड तक चली। दूसरे राउंड में योगेश्वर दत्त ने इस मामूली लीड को समेटते हुए अपनी लीड 184 वोटों की कर ली। लेकिन तीसरे ही राउंड में श्रीकृष्ण फिर आगे निकल गए और उनकी कुल लीड 989 हो गई। चौथे से 11वें राउंड तक यह लीड बढ़ती चली गई।

रोहतक/झज्जर जाटलैंड में नहीं चला मोदी-शाह का जादू **स्टार प्रचारकों की रैलियां भी नहीं छोड़ पाई छाप**

हुड्डा के गढ़ में भाजपा का सफाया

अनिल शर्मा/हरीश भारद्वाज
रोहतक, 24 अक्तूबर

रोहतक और झज्जर जिलों में कांग्रेस का दबदबा रहा। यहां भाजपा के हाथ एक भी सीट नहीं लगी। भाजपा की पुरजोर कोशिशों के बावजूद जाटलैंड में हुड्डा एक बार फिर अपना वर्चस्व कायम रखने में सफल रहे हैं। हुड्डा ने न केवल रोहतक की सीट दोबारा जीती, बल्कि अपने प्रभाव वाले क्षेत्र से भाजपा का सफाया कर दिया है। हालांकि कांग्रेस को महम की सीट गंवानी पड़ी है, लेकिन उस पर भाजपा का नहीं निर्दलीय प्रत्याशी का खाता खुला है। रोहतक क्षेत्र की जनता पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह व कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का जादू भी नहीं चल पाया।

रोहतक विधानसभा की चारों सीटों में सबसे अधिक मार्जन से गढ़ी सांपला किलोई से कांग्रेस प्रत्याशी एवं पूर्व सीएम भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने जीत दर्ज की है। रोहतक सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी बीबी बतरा सबसे कम मार्जन से जीते है। यहां पर मामला बेहद कड़ा था। भाजपा जिले में चारों सीटें हारने के बाद अब मंथन में जुटी है, जबकि कलानौर में शकुंतला खटक ने भाजपा प्रत्याशी राम अवतार वाल्मीकि को 10 हजार से अधिक वोटों से पराजित किया है। इसी तरह महम में निर्दलीय प्रत्याशी बलराज कुंडू ने कांग्रेस प्रत्याशी को 12 हजार से अधिक वोटों से पटकनी दी है। भाजपा प्रत्याशी शमशेर खरकडा तीसरे नंबर पर रहे है। गढ़ी सांपला किलोई से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को 97 755 मत मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी सतीश नांदल को 39453 मतों से संतुष्ट होना पड़ा। यानी जीत का अंतर 58312 का रहा है, जो पूरे विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक है। रोहतक शहरी सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी भारत भूषण बतरा को 50437 मत मिले है और भाजपा प्रत्याशी मनीष ग्रोवर को 47702 मत प्राप्त हुए। इस सीट पर जीत का अंतर 2735 रहा है, जो बेहद कम है। महम विधानसभा क्षेत्र में निर्दलीय प्रत्याशी बलराज कुंडू को 49418 मत प्राप्त हुए, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी आंनद सिंह दांगी 37371 मत लेने में कामयाब हुए। कुंडू ने दांगी को 12047 मतों से पराजित किया है। कलानौर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी शंकुतला खटक को 62151 मत मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी राम अवतार वाल्मीकि को 51527 मत मिले है और हार का अंतर 10624 का रहा है।

रोहतक में पूर्व सीएम एवं कांग्रेस प्रत्याशी भूपेंद्र सिंह हुड्डा की जीत के बाद उनके घर के बाहर जश्न मनाते समर्थक। -मनोज ढाका

मोदी की 7, खट्टर की 77 जनसभाएं, फिर भी नहीं चला जादू

भाजपा ने फिर से सता पाने के लिए प्रदेश में प्रधानमंत्री मोदी की 7, जबकि मनोहर लाल खट्टर की 77 रैलियां की, लेकिन उसके बावजूद भी भाजपा बहुमत के नजदीक ही पहुंच पाई। सरकार बनाने के लिए अब उन्हें अन्यों का सहारा लेना पड़ रहा है। राजनीति पंडितों का मानना है कि चुनाव के वक्त कांग्रेस हरियाणा के मूड को अच्छी तरह नहीं समझ पाई और कांग्रेस प्रत्याशियों ने हलके में लिया। यहीं नही यह भी कहा जा रहा है कि अगर पूर्व सीएम हुड्डा को लोकसभा चुनाव के बाद कमान दे दी जाती तो आप परिणाम कुछ और होते। कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने भी इसको स्वीकारा है कि संगठन बदलाव में निर्णय देरी से हुआ है। यहां तक कि अब कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पूर्व सीएम हुड्डा पर विश्वास जताते हुए उन्हें सरकार बनाने के लिए सभी अधिकार सौंप दिए है। भाजपा ने तो कांग्रेस को रोकने के लिए ऐसा चक्रव्यू रचा था कि प्रधानमंत्री के अलावा भाजपा के तमाम दिग्गज मैदान में उतारे। गृहमंत्री से लेकर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व यूपी के मुख्यमंत्री के अलावा 41 नेताओं और भाजपा के स्टार प्रचारकों ने मैदान में पसीना बहाया, लेकिन कामयाबी नहीं मिल पाई, जबकि कांग्रेस की तरफ से सिर्फ दो दिन ही राहुल गांधी मैदान में रहे और पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा कांग्रेस की तरफ से स्टार प्रचारक रहे। प्रदेश में चुनाव का बिगुल बजते ही भाजपा ने रणनीति तय की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, यूपी के मुख्यमंत्री आदित्य योगीनाथ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, जनरल वीके सिंह, स्मृति ईरानी सहित करीब 50 से करीब मैदान में उतरे थे।

गढ़ी-किलोई सांपला, देग्या साच्चा साथ!
चंदीगढ़ कै वासतै, अधर बीच पर हाथ!! *-स.ना*

राउंड बढ़ते रहे, भाजपाई खिसकते रहे

झज्जर (हप्र) : कहते है कि हमेशा चेहरा बोलता है। इस बार भी मतगणना के दौरान ऐसा ही हुआ। मतगणना शुरू होने से पहले जिले के सभी मतगणना केन्द्रों पर जो भाजपाई जीत के प्रति आशान्वित दिखाई दे रहे थे और जीत का दावा ठोक रहे थे। उनके चेहरों पर मतगणना के दौरान राउंड दर राउंड खुशी भी काफूर होती देखी गई। मतगणना के दौरान करीब 6 राउंड होने के बाद तक भाजपाइयों को थोड़ी बहुत उम्मीद भी बंधी थी, लेकिन जैसे ही राउंड बढ़े तो उनके चेहरों की खुशी निराशा में बदलते हुए देर नहीं लगी। मतगणना के दौरान जहां झज्जर, बेरी, बहादुरगढ़ और बादली में कांग्रेसी चुनाव परिणाम से खुश थे, जबकि भाजपाइयों को मतगणना केंद्रों से खिसकते हुए भी देर नहीं लगी। जैसे ही भाजपाइयों को चुनाव परिणाम का पता चला तो वह खिसकने लगे। हालांकि कृषि मंत्री ओपी धनखड़ मीडिया के रूबरू हुए और जनमत को स्वीकार करने की बात कहते हुए यही कहा कि सरकार की जो भी विकास की योजनाएं थी या फिर सरकार ने जो भी विकास कराए उन्हें जनता तक पहुंचाने में वह विफल रहे। जैसे-जैसे चुनाव परिणाम कांग्रेस के पक्ष में आते रहे तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। दिवाली में अभी तीन दिन शेष बचे है, लेकिन चारों विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव जीतने वाले कांग्रेसियों ने जीत के जश्न में डूबते हुए दिवाली पर्व को तीन दिन पहले ही मनाया। जमकर गुलाल उड़ाए गए और आतिशबाजी के साथ जीत के जश्न में सभी डूब गए। इतिहास बनाने की बात की जाए तो झज्जर सीट पर लगातार जीत की हैट्रिक लगाने वाली पूर्व शिक्षा मंत्री गीता भुक्कल पहली महिला है। हालांकि वह झज्जर की तीन जीत से पहले कलायत विस से भी एक विस चुनाव जीत चुकी है।

सबसे ज्यादा मतों से जीते जून, भुक्कल की हैट्रिक

झज्जर में बृहस्पतिवार को जीत के बाद समर्थकों के साथ मतगणना केंद्र के बाहर विजय चिन्ह बनातीं पूर्व शिक्षा मंत्री गीता भुक्कल। -हप्र

प्रथम शर्मा/हप्र
झज्जर, 24 अक्तूबर

झज्जर जिले की चारों विधानसभा सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की। कांग्रेस ने सभी सीटें 10 हजार से ज्यादा मतों से जीतीं। बहादुरगढ़ में कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र जून ने भाजपा के नरेश कौशिक को 15627 मतों से हराकर जिले की सभी विस सीटें जीतने वालों में बड़ा अन्तर हासिल किया है। यहां राजेन्द्र जून को 55769 व निवर्तमान विधायक नरेश कौशिक को 40122 मत प्राप्त हुए। सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वालों में दूसरे नंबर पर झज्जर से कांग्रेस प्रत्याशी गीता भुक्कल ने भाजपा प्रत्याशी डा. राकेश को 15024 मतों से हराकर जीत की हैट्रिक लगाई। भुक्कल ने जीत की हैट्रिक लगाकर एक इतिहास भी रचा है। हरियाणा बनने के बाद से गीता भुक्कल ऐसी अकेली विधायक है, जिन्होंने झज्जर से लगातार तीन बार जीत दर्ज की है। भुक्कल को 46123 मत मिले,जबकि भाजपा प्रत्याशी डा.राकेश कुमार को 31099 मत हासिल हुए है। जिले में तीसरी बार जीत का रिकार्ड बनाने वालों में हरियाणा के पूर्व स्पीकर व पूर्व मंत्री डा. रघुबीर सिंह कादयान शामिल है। वैसे तो डा. कादयान 6 बार बेरी हलके से विधायक बन चुके है, लेकिन उन्होंने बेरी सीट से लगातार 5 बार विधायक रहने का गौरव हासिल किया है। डा. कादयान ने इस सीट पर 12952 वोट से जीत हासिल की। डा.कादयान को 46022 व भाजपा प्रत्याशी विक्रम कादयान को 33070 मत हासिल किए। बादली विधानसभा सीट से जीत दर्ज करने वाले कांग्रेस प्रत्याशी डा. कुलदीप वत्स ने जीत दर्ज कर विस में पहली बार पहुंचने का गौरव हासिल किया है। डा.वत्स ने इस सीट पर 11404 मतों से जीत दर्ज की। इस सीट पर डा. वत्स को 45293 मत मिले, जबकि दूसरे नंबर पर रहने वाले 33,889 भाजपा प्रत्याशी व हरियाणा सरकार के निवर्तमान कृषि मंत्री ओपी धनखड़ को मिले है। जीत के बाद सभी स्थानों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गुलाल और पटाखे फोड़कर जीत का इजहार किया। झज्जर, बेरी, बहादुरगढ़ व बादली हलके के उम्मीदवारों ने जीत के जश्न में जहां जमकर मनाया।

बरसी कोन्यी बादली, खड़ी फसल थी त्यार!
झंखड़ म्हं धनखड़ उड़े, सूखे की या मार!! *-स.ना*

सोनीपत कैबिनेट मंत्री कविता जैन बड़े अंतर से हारीं

चार सीटों पर कांग्रेस जीती राई, गन्नौर में खिला कमल

पुरुषोत्तम शर्मा/हप्र
सोनीपत, 24 अक्तूबर

सोनीपत जिले की 6 विधानसभा सीटों में से चार पर एक बार फिर से कांग्रेस का कब्जा रहा। वहीं, जिले की गन्नौर व राई सीट पर पहली बार कमल खिला है। इस बार जिले में सबसे अधिक अंतर से कांग्रेस ने शहरी सीट को जीता है। सोनीपत से सुरेंद्र पंवार ने मौजूदा मंत्री कविता जैन को 32878 मतों से पराजित किया है। वहीं, कई सीटों पर जजपा ने भी बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन वह जीत दर्ज नहीं करा सकी।

जिले की गन्नौर विधानसभा सीट से भाजपा की निर्मल चौधरी ने 57830 वोट लेकर जीत हासिल की। उन्होंने कांग्रेस के कुलदीप शर्मा को 10280 वोटों से पराजित किया। कुलदीप शर्मा को 47550 वोट प्राप्त हुए। जबकि जजपा के रणधीर सिंह मलिक को 6490 वोट मिले और इनेलो के बिजेंद्र शेखपुरा को 1480 वोट पर सब्र करना पड़ा। बसपा के जितेंद्र कुमार को इनेलो से करीब तीन गुणा ज्यादा 4377 मत मिले। यहां से कांग्रेस प्रत्याशी को छोड़कर बाकी सभी की जमानत जब्त हो गई। यहां नोटा को 439 वोट मिले हैं।

इसी तरह राई सीट से भाजपा के मोहन लाल बडौली 45377 वोट लेकर विजयी रहे। उन्होंने कांग्रेस के जयतीर्थ दहिया को 2662 वोटो के अंतर से हराया। जयतीर्थ दहिया को 43715 वोट प्राप्त हुए। जजपा के अजीत आंतिल 17137 वोट लेकर तीसरे स्थान पर रहे। कांग्रेस का समर्थन करने वाले इनेलो के इंद्रजीत को 631, लोसुपा के राजकुमार शर्मा को 8422 वोट मिले। यहां कांग्रेस और जजपा, लोसुपा को छोड़कर सभी उम्मीदवारों जमानत भी नहीं बचा सके।

खरखौदा विधानसभा सीट से कांग्रेस के जयवीर सिंह 38577 वोट लेकर विजयी रहे। उन्होंने जजपा के पवन कुमार को 1544 वोटों के अंतर से हराया। पवन कुमार को 37033 वोट प्राप्त हुए। भाजपा की मीना रानी 20542 वोट लेकर तीसरे स्थान पर रही। इसके अलावा सभी उम्मीदवारों की यहां से जमानत जब्त हो गई। सोनीपत विधानसभा सीट से कांग्रेस के सुरेंद्र पंवार 79239 वोट लेकर विजयी रहे। उन्होंने भाजपा की कविता जैन को 32878 वोटों के अंतर से हराया। कविता जैन को 46367 वोट प्राप्त हुए। इसके अलावा यहां से तमाम दलों व निर्दलीय उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। यहां से नोटा को 651 वोट मिले।

गोहाना विधानसभा सीट से कांग्रेस के जगबीर सिंह मलिक 39531 वोट लेकर विजयी रहे। उन्होंने लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी प्रमुख राजकुमार सैनी को 4152 वोटों से हराया। राजकुमार सैनी को 35379 वोट प्राप्त हुए। भाजपा के तीर्थ राणा 26972 वोट प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहे। यहां से जजपा के कुलदीप मलिक को 11185 वोट मिले। यहां से बाकी उम्मीदवारों अपनी जमानत भी नहीं बचा सके। जबकि नोटा को 291 वोट मिले। बरोदा सीट से सीट से कांग्रेस के श्रीकृष्ण हुड्डा 42566 वोट लेकर विजयी रहे। उन्होंने भाजपा के योगेश्वर दत्त को 4840 वोटो से पराजित किया। योगेश्वर दत्त को 37726 वोट प्राप्त हुए। यहां से जजपा के भूपेंद्र मलिक 32480 वोट लेकर तीसरे स्थान पर रहे। इसके अलावा यहां से सारे उम्मीदवार जमानत भी नहीं बचा सके।

सोनीपत शहर सीट से जीत दर्ज करने वाले कांग्रेस उम्मीदवार सुरेंद्र पंवार का विजय जुलूस के दौरान स्वागत करते कार्यकर्ता। -हप्र

सोनीपत के खरखौदा से कांग्रेस विधायक जयबीर बाल्मीकि विजय जुलूस निकालते हुए। -हप्र

खासी खास जलेबियाँ, गोहाणा इस बार!
लिया मोल घर आण कै, पड़ी नहीं पर पार!! *-स.ना*

छोड़ बगायी नौकरी, चढ़ा कसुत्ता चाव!
चित्त हुए मैदान म्हं, खास सियासी दाव!! *-स.ना*

चरखी दादरी जजपा के सतपाल सांगवान भी पिछड़े

दादरी से निर्दलीय सोमबीर सांगवान का दबदबा, बाढड़ा से नैना ने मारी बाजी

प्रदीप साहू/निस
चरखी दादरी, 24 अक्तूबर

पिछली विधानसभा चुनाव में भाजपा की टिकट से हारने वाले निर्दलीय प्रत्याशी सांगवान खाप के प्रधान सोमबीर सांगवान ने कड़े मुकाबले में जजपा के पूर्व मंत्री सतपाल सांगवान को 14, 252 वोटों से हराकर जीत दर्ज की है। वहीं भाजपा प्रत्याशी रेसलर बबीता फौगाट तीसरे व कांग्रेस के नृपेंद्र सांगवान चौथे पायदान पर पहुंच गए। बाढड़ा से नैना चौटाला ने कांग्रेस के रणबीर महेंद्रा को 13704 वोटों से हराकर जीत दर्ज की। तीसरे नंबर पर भाजपा के निवर्तमान विधायक सुखविंद्र मांढी रहे। दादरी से सोमबीर तो बाढड़ा से नैना ने पहली बार इन हलकों में जीत दर्ज की है। बाढड़ा विधानसभा की मतगणना के दौरान जजपा, कांग्रेस व भाजपा का कोई प्रत्याशी उपस्थित नहीं हुआ था। उनके चुनाव एजेंट ही मतगणना के दौरान उपस्थित रहे। बाढड़ा से नैना चौटाला अपनी जीत होने के बाद की सर्टिफिकेट लेने पहुंची थी।

दादरी में कांग्रेस की जमानत जब्त

2014 पिछली बार भाजपा की टिकट से इनेलो के राजदीप फौगाट से 1610 वोटों से हारने वाले सोमबीर सांगवान ने टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर मैदान में थे। सोमबीर सांगवान ने 43 हजार 849 वोट लेकर जजपा प्रत्याशी सतपाल सांगवान को 14,272 वोटों से हराया। जजपा प्रत्याशी सतपाल सांगवान को 29,577, भाजपा की बबीता फौगाट को 24,786 वोट व कांग्रेस के नृपेंद्र सांगवान को 8022 वोटों से संतोष करना पड़ा। कांग्रेस के प्रत्यशी नृपेंद्र सांगवान अपनी जमानत भी नहीं बचा पाए।

जजपा ने बाढड़ा विधानसभा क्षेत्र से अंतिम समय नैना चौटाला को टिकट दी थी। बाढड़ा में नैना चौटाला सब पर भारी पड़ी और 13704 वोटों से कांग्रेस के रणबीर महेंद्रा को हराया। नैना को कुल 52938 वोट मिले। जबकि कांग्रेस के रणबीर महेंद्रा को 39234 व भाजपा के सुखविंद्र मांढी को 33169 वोट मिले।

बाढड़ा में बृहस्पतिवार को जजपा प्रत्याशी नैना चौटाला जीत के बाद राजा महताब और महाश्य मंशाराम को माल्यार्पण करते हुए। -निस

चरखी दादरी में बृहस्पतिवार को निर्दलीय प्रत्याशी सोमबीर सांगवान की जीत पर नाचकर खुशी मनाती महिलाएं। -निस

न्यारी चरखी दादरी, जोट्टा मार्या खास!
सोमबीर जी निरदली, जन-मन का बिसवास!! *-स.ना*

हरियल चुनरी थी कदे, इब रै पीली छीट!
चमकी माँ अर लाडला, जीत्ती चोक्खी सीट!! *-स.ना*

नोटा से हारे 10 प्रत्याशी

दादरी विधानसभा क्षेत्र में मतगणना के बाद आए रुझान के अनुसार 17 में से 10 प्रत्याशी नोटा से भी हार गए। इनमें तीन पार्टियों के प्रत्याशी भी शामिल हैं। दादरी में 1 लाख 25 हजार 502 वोट पोल हुई थी। जिसमें से 593 नोटा को वोट मिले। नोटा से कम वोटा पाने वालों में भारतीय शक्ति चेतना पार्टी की अनिता को 466, विकास इंडिया पार्टी के लखन सिंह को 170, स्वराज इंडिया के संजीव गोदारा को 406 वोट मिले। वहीं निर्दलीय प्रत्याशी कुमारी अनिता को 140, कुलवीर को 401, नरेश कुमार 126, प्यारेलाल को 102, भास्कर वशिष्ठ को 120, राजेश कुमार को 195 व ललित कुमार को 246 वोट मिले।

कौन बना विधायक

जींद — **कृष्ण मिड्ढा**

भाजपा प्रत्याशी 12476 वोट से जीते। उन्हें 58180 वोट मिले।

जुलाना — **अमरजीत ढांडा**

जजपा प्रत्याशी 24193 वोट से जीते। उन्हें 61942 वोट मिले।

सफीदों — **सुभाष गांगोली**

कांग्रेस प्रत्याशी 3658 वोट से जीते। उन्हें 57468 वोट मिले।

उचाना कलां — **दुष्यंत चौटाला**

जजपा प्रत्याशी 47452 वोट से जीते। उन्हें 92504 वोट मिले।

नरवाना — **रामनिवास**

जजपा प्रत्याशी 30692 वोट से जीते। उन्हें 79578 वोट मिले।

सिरसा — **गोपाल कांडा**

हलोपा प्रत्याशी 602 वोट से जीते। उन्हें 44,915 वोट मिले।

डबवाली — **अमित सिहाग**

कांग्रेस प्रत्याशी 15647 वोट से जीते। उन्हें 66,885 वोट मिले।

रानिया — **रणजीत सिंह**

आजाद प्रत्याशी 19431 वोट से जीते। उन्हें 53,825 वोट मिले।

कालांवाली — **शीशपाल केहरवाला**

कांग्रेस प्रत्याशी 19,243 वोट से जीते। उन्हें 53,059 वोट मिले।

ऐलनाबाद — **अभय चौटाला**

इनेलो प्रत्याशी 11,922 वोट से जीते। उन्हें 57,055 वोट पड़े।

फतेहाबाद — **दुड़ा राम**

भाजपा प्रत्याशी 3300 वोट से जीते। उन्हें 77369 वोट मिले।

टोहाना — **देवेन्द्र बबली**

जजपा प्रत्याशी 52302 वोट से जीते। उन्हें 1,00,752 वोट मिले।

रतिया — **लक्ष्मण नापा**

भाजपा प्रत्याशी 1216 वोट से जीते। उन्हें 55160 वोट मिले।

हिसार — **डॉ. कमल गुप्ता**

भाजपा प्रत्याशी 15832 वोट से जीते। उन्हें 49675 वोट मिले।

हांसी — **विनोद भ्याणा**

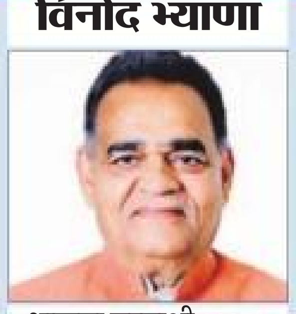

भाजपा प्रत्याशी 22260 वोट से जीते। उन्हें 53191 वोट मिले।

आदमपुर — **कुलदीप बिश्नोई**

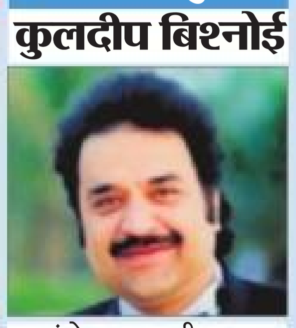

कांग्रेस प्रत्याशी 29271 वोट से जीते। उन्हें 63693 वोट मिले।

उकलाना — **अनूप धानक**

जजपा प्रत्याशी 23693 वोट से जीते। उन्हें 65369 वोट मिले।

नारनौंद — **रामकुमार गौतम**

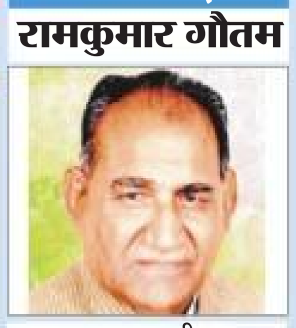

जजपा प्रत्याशी 12029 वोट से जीते उन्हें 73435 वोट मिले।

बरवाला — **जोगीराम सिहाग**

जजपा प्रत्याशी 3908 वोट से जीते। उन्हें 45868 वोट मिले।

नलवा — **रणबीर गंगवा**

भाजपा प्रत्याशी 9669 वोट से जीते। उन्हें 47523 वोट मिले

3 सीटों पर चली जजपा की चाबी, 1-1 पर भाजपा-कांग्रेस, दुष्यंत की भी नैया पार

सरकार किसी की भी बने जींद की रहेगी हिस्सेदारी

दलेर सिंह/हमारे प्रतिनिधि

जींद, 24 अक्तूबर

धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र की 48 कोस की पावन परिधि में आने वाले जींद जिला की जनता ने इस विधानसभा चुनाव में सत्तासीन भाजपा समेत दोनो प्रमुख विपक्षी दलों कांग्रेस व जजपा को खाली हाथ नहीं रखा। जुलाना, उचाना और नरवाना में जजपा को बड़ी जीत मिली, जबकि जिला मुख्यालय जींद की सीट बचाने में भाजपा कामयाब रही, वहीं सफीदों की सीट कांग्रेस की झोली में गई। इस बार जुलाना सीट पर बड़ा उलटफेर देखने को मिला।

जाट बाहुल्य इस सीट से इनेलो की टिकट पर लगातार 2 बार विधायक बने परमेंद्र सिंह ढुल इस बार भाजपा के युवा उम्मीदवार अमरजीत के मुकाबले 24193 वोटों के बड़े अंतर से चुनाव हारने के साथ अपनी जीत की हैट्रिक से भी चूक गये। जुलाना के इतिहास में अभी तक जीत की हैट्रिक कोई भी विधायक नहीं बना पाया है।

जुलाना में इस बार सरकार विरोधी लहर के साथ साथ विधायक परमेंद्र सिंह ढुल व कांग्रेस उम्मीदवार धर्मेंद्र सिंह ढुल के खिलाफ इलाका विशेष और एक ही परिवार में 2 टिकटें होने का जो प्रचार विरोधियों द्वारा किया गया, वह प्रचार भी चुनावी समीकरणों को प्रभावित करने में काफी हद तक असरदार रहा। इसके अतिरिक्त ब्राह्मण समाज का फरसा प्रकरण और दिल्ली में गुरु रविदास मंदिर का तोड़े जाना भी कहीं न कहीं भाजपा उम्मीदवार के लिए हानिकारक साबित हुआ। वहीं, लगातर दूसरी बार कांग्रेस की टिकट लिए चुनाव मैदान में उतरे प्रो. धर्मेंद्र ढुल इस चुनाव में जजपा और भाजपा की चुनावी रणनीति में उलझकर अपनी जमानत जब्त करवा बैठे। प्रदेश की सबसे हॉट सीटों में शुमार उचाना कलां सीट से इस बार जजपा के दुष्यंत चौटाला ने पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह की पत्नी एवं निवर्तमान विधायक प्रेमलता को बड़े अंतर से हराकर लगातार 2 हार का बदला ले लिया। इधर, जिला मुख्यालय की जींद सीट पर डा. कृष्ण मिड्ढा 10 माह के अंतराल में दूसरी बार भाजपा विधायक बन गये।

जींद में बृहस्पतिवार को परिणाम घोषित होने के बाद विजय जुलूस निकालते जुलाना से जजपा के नवनिर्वाचित विधायक अमरजीत ढांडा। -हप्र

> **हरियल पगड़ी म्हं उगा, जब तै पीला रंग!**
> **सत्ता की 'चाबी' मिली, रह ग्या काका दंग!!**
> **-स.न.**

सुभाष गांगोली की गुगली में फंसे आर्य

जींद : कांग्रेस पार्टी वर्ष 2009 के बाद जींद जिला में एक अदद जीत के लिए तरस रही थी। लेकिर इस बार सफीदों से सुभाष गांगोली कांग्रेस की टिकट पर भाजपा के बचन सिंह आर्य को हराकर विधायक बन गये। सुभाष गांगोली इनेलो की पृष्ठभूमि से होते हुए हलके में समाजसेवा करते रहे और चुनाव के समय कांग्रेस की टिकट ले आये, वहीं बचन सिंह आर्य लोकसभा चुनाव के समय कांग्रेस को छोड़कर भाजपा में शामिल हो गये और टिकट लेने में भी कामयाब हो गये। लेकिन सुभाष गांगोली की गुगली से चकमा खाकर चुनाव हार गये। वहीं, नरवाना क्षेत्र से पहले से चौधरी देवीलाल का गढ़ रहा है। जजपा के गठन के बाद स्वयं दुष्यंत चौटाला और दिग्विजय चौटाला नरवाना में काफी सक्रिय रहे। ऊपर से इस चुनाव में दुष्यंत चौटाला ने समाजसेवी रामनिवास सुरजाखेड़ा को टिकट दे दिया, जो सोने पर सुहागा साबित हुआ और रामनिवास ने बड़ी जीत हासिल की।

गांगोली ने सफीदों में बनाया रिकार्ड

सफीदों, 24 अक्तूबर (निस)

लम्बे समय से स्व. देवीलाल एवं ओमप्रकाश चौटाला की नीतियों के प्रति समर्पित रहे सफीदों हलके के गांगोली गांव के बस वाले के नाम से विख्यात कुक्कुट उद्योगपति सुभाष देशवाल ने कांग्रेस में मात्र 24 दिन की राजनीति में रिकार्ड बनाया है और वह भी तब जब इस पार्टी के संगठन के नाम पर यहां कुछ भी नहीं। इस चुनाव में गांगोली गांव में मतदान 86.66 प्रतिशत हुआ और इसमे 90.75 प्रतिशत मतदाताओं ने ईवीएम पर सुभाष के निशान का बटन दबाकर इतिहास बनाया है। इस गांव के पोल हुए कुल 3504 मतों में सुभाष के लिए 3180 पड़े और इस ध्रुवीकरण में खास बात यह है कि इनेलो प्रत्याशी को मात्र 5 मत ही मिले, भाजपा को मात्र 191 व जजपा को केवल 74 मत मिले। पास के गांव कालवा के दो उम्मीदवार जजपा के दयानंद कुण्डू व इनेलो के जोगिंद्र कालवा चुनाव मैदान में थे। जाट बाहुल्य इस गांव में मतदाताओ ने भी सुभाष को 27.78 प्रतिशत मत दिए।

सिरसा पांचों सीटों पर नहीं खुला भाजपा का खाता

कांग्रेस को 2, हलोपा और इनेलो को 1-1 सीट पर मिली जीत

नरेश जैन/निस

सिरसा, 24 अक्तूबर

सिरसा जिला की पांचों सीटों पर भाजपा का खाता नहीं खुला। 2 सीटें कालांवाली व डबवाली कांग्रेस के खाते में गई हैं, एक सीट पर इनेलो और एक सीट पर हलोपा ने जीत हासिल की है। रानिया में आजाद उम्मीदवार को जीत मिली है। भाजपा एक बार फिर सिरसा की सियासी जमीन पर कमल नहीं खिला सकी। हालांकि भाजपा इस बार 2014 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले रानियां को छोड़कर शेष 4 सीटों पर जमानत जरूर बचाने में कामयाब रही। सिरसा जिला की पांचों सीटों पर भाजपा का खाता भी नहीं खुला।

सिरसा विधानसभा व कालांवाली विधानसभा क्षेत्रों में तो भाजपा उम्मीदवार तीसरे स्थान पर खिसक गए। सिरसा जिला की 5 सीटों में से 2 पर कांग्रेस, एक पर आजाद, एक इनेलो एवं एक हलोपा जीतने में कामयाब रही। पांचों सीटों में से सिरसा सीट पर सबसे रोमांचक मुकाबला रहा और राउंड-दर-राउंड जीत-हार का मार्जन तीन अंकों तक ही सिमटा रहा।

सिरसा विधानसभा सीट से गोपाल कांडा ने कुल 44,915 वोट हासिल करते हुए 602 वोटों के मामूली अंतर से जीत हासिल की है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी आजाद उम्मीदवार गोकुल सेतिया को हराया है। तीसरे नम्बर पर प्रदीप रातूसरिया रहे हैं। आजाद उम्मीवार गोकुल सेतिया को 44,313 वोट व भाजपा के प्रदीप रातूसरिया को 30,142 मत हासिल हुए

डबवाली सिरसा जिला की हॉट सीटों में शुमार रही। यहां कांग्रेस के अमित सिहाग ने 15,447 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। अमित सिहाग के सामने थे भाजपा के उम्मीदवार एवं देवीलाल के पौत्र आदित्य देवीलाल। अमित सिहाग को कुल 66,885 वोट मिले जबकि आदित्य को 51,238 मत ही मिले। जजपा प्रत्याशी सर्वजीत मसीतां को 23 हजार 2 जबकि इनेलो के डा. सीताराम को 8825 वोट मिले।

वहीं ऐलनाबाद विधानसभा से अभय सिंह चौटाला ने यहां से जीत दर्ज की है। वे लगातार यहां से तीसरी बार विधायक बने हैं। अभय सिंह चौटाला को 56,976 वोट मिले जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा उम्मीदवार पवन बैनीवाल को 45 हजार 99 वोट मिले। कांग्रेस के भरत सिंह बैनीवाल को 35,348 वोट मिले। अभय सिंह चौटाला ने 11,877 वोटों से जीत हासिल की। इससे पहले अभय चौटाला 2010 में ऐलनाबाद से उपचुनाव जीते थे और उसके बाद 2014 में विधायक निर्वाचित हुए थे। कालांवाली आरक्षित सीट पर पहली बार कांग्रेस को जीत मिली। कांग्रेस के शीशपाल केहरवाला ने 53 हजार 59 वोट हासिल करते हुए जीत हासिल की। शिअद-इनेलो के उम्मीदवार राजेंद्र देसूजोधा को 33,816 वोट मिले। शीशपाल केहरवाला 19,243 वोटों से विजयी रहे।

इसी प्रकार से भाजपा के बलकौर सिंह को 30,134 एवं जजपा के निर्मल मलड़ी को 12,420 मत मिले हैं।

रानिया में पहली बार बना आजाद विधायक

रानिया विधानसभा जो 2005 के परिसीमन के बाद अस्तित्व में आई। रानियां से पहली बार आजाद उम्मीदवार को जीत मिली है। रानिया से आजाद उम्मीदवार रणजीत सिंह ने 19,431 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। रणजीत सिंह को 53,825 जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी गोबिंद कांडा को 34,394 मत मिले। वहीं भाजपा के रामचंद्र कम्बोज को 20,709 एवं इनेलो के उम्मीदवार अशोक वर्मा को 9753 मत मिले। कांग्रेस के विनीत कम्बोज को 8979 वोट एवं जजपा को 7622 वोट मिले। इस तरह से भाजपा, इनेलो, कांग्रेस व जजपा के उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई।

गोपाल कांडा ने पहले नाना, अब नाती को हराया

सिरसा : विधानसभा सीट पर रोचक मुकाबले में हरियाणा लोकहित पार्टी (हलोपा) के उम्मीदवार गोपाल कांडा ने जीत हासिल की है। वे यहां से दूसरी बार विधायक बने हैं। 2009 में गोपाल ने आजाद उम्मीदवार के रूप में 5 बार सिरसा से विधायक रहे लछमन दास अरोड़ा को 6501 वोटों से पराजित किया था। इस बार उनके सामने आजाद उम्मीदवार के रूप में थे गोकुल सेतिया। गोकुल लछमन दास अरोड़ा के नाती हैं और उन्हें इस बार भाजपा की टिकट नहीं मिली। रोचक पहलू यह है कि गोपाल दूसरी बार सिरसा से विधायक बने हैं और एक बार फिर से हरियाणा में 2009 वाली स्थिति बन गई है। उस समय कांग्रेस 46 के जादुई अंक से 6 अंक दूर रह गई थी। तब गोपाल ने अपने सहित 7 आजाद विधायकों को मिलाकर कांग्रेस की सरकार बनाई थी। उस समय गोपाल हुड्डा सरकार में गृह मंत्री भी बने। इस बार गोपाल ने 44र 915 वोट हासिल करते हुए 602 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की।

> **नहीं फूल ना हाथ रै, ना ताली की ताल!**
> **सिरसा का सरदार तै, सै कांडा गोपाल!!** -स.ना.

फतेहाबाद में बृहस्पतिवार को चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद जुलूस निकालते भाजपा के दुड़ाराम। -निस

फतेहाबाद, रतिया से भाजपा, टोहाना से जजपा प्रत्याशी जीते

जगदीश रावी/निस

फतेहाबाद, 24 अक्तूबर

जिला की तीनों विधानसभा क्षेत्रों फतेहाबाद, रतिया व टोहाना की मतगणना के बाद फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी दुड़ाराम ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी जननायक जनता पार्टी (जजपा) प्रत्याशी डॉ विरेन्द्र सिवाच को 3300 वोटो से हराकर जीत दर्ज की। भाजपा प्रत्याशी दुड़ाराम को 77369 वोट मिले जबकि जजपा प्रत्याशी डॉ विरेन्द्र सिवाच को 74069 वोट मिले। रतिया विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी लक्ष्मण नापा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस प्रत्याशी जरनैल सिंह को 1216 वोटों से हराकर जीत दर्ज की। भाजपा प्रत्याशी लक्ष्मण नापा को 55160 वोट मिले जबकि कांग्रेस प्रत्याशी को 53944 वोट मिले।

टोहाना विधानसभा क्षेत्र से जजपा प्रत्याशी देवेन्द्र बबली ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा प्रत्याशी सुभाष बराला को 52302 वोटों से हराकर जीत दर्ज की। जजपा प्रत्याशी देवेन्द्र बबली को 100752 वोट मिले जबकि भाजपा प्रत्याशी सुभाष बराला को 48450 वोट मिले।

> **झेल ना पाये वे दिखे, बबली की फटकार!**
> **अधर बीच सै पारटी, गये मोरधी हार!!** -स.ना.

हिसार ने 7 में से 6 दलबदलुओं को बनाया विधायक

पिछली बार के 4 विधायक फिर चुने गए, कमल गुप्ता के अलावा सभी ने दूसरी पार्टी से लड़ा चुनाव

कुमार मुकेश/हप्र

हिसार, 24 अक्तूबर

इसे टिकट बंटवारे में कांग्रेस और भाजपा के नेताओं की अदूरदर्शिता कहें या कुछ लेकिन हिसार की जनता ने इस बार सात हलकों में से 6 हलकों में दलबलुओं को विधायक बनाया है। चुनाव परिणाम को देखकर तो यही कहा जा सकता है कि ना तो कांग्रेस और ना ही भाजपा जनता की नब्ज पकड़ पाई लेकिन जजपा ने इसको पकड़ लिया और अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की। वहीं इनेलो का एक भी प्रत्याशी हिसार से अपनी जमानत नहीं बचा पाया।

जिले में सबसे ज्यादा 29271 वोटों से आदमपुर से कांग्रेस प्रत्याशी कुलदीप बिश्नोई ने जीत हासिल की जबकि पिछली बार कुलदीप बिश्नोई अपनी हजकां पार्टी से 17249 वोटों से जीते थे। यहां से नोटा सहित कुल 16 प्रत्याशी मैदान में थे जिनमें से भाजपा की सोनाली फोगाट के अलावा बाकी सभी 13 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। जजपा के रमेश कुमार को 15457, इनेलो के राजेश गोदारा को 1994, बसपा के सतवीर को 1988, माकपा के सुरेश को 2088 वोट मिले वहीं 649 वोटों के साथ नोटा यहां पर आठवें नंबर पर रहा।

इसी प्रकार सबसे कम 3908 वोटों की जीत बरवाला से जजपा प्रत्याशी जोगीराम सिहाग की रही। जोगीराम सिहाग भाजपा टिकट के दावेदार थे और टिकट न मिलने के कारण जजपा में चले गए थे।

इसी प्रकार हिसार से भाजपा के डॉ. कमल गुप्ता ने कांग्रेस के कुलदीप बिश्नोई समर्थक रामनिवास राड़ा को 15832 वोटों से शिकस्त दी। यहां नोटा सहित कुल प्रत्याशी 17 मैदान में थे और कांग्रेस के रामनिवास राड़ा के अलावा सभी 14 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। 1523 वोटों के साथ नोटा यहां पर छठे नंबर पर रहा। जजपा के जीतेंद्र श्योराण मानव को 6143, बसपा की मंजू दहिया 1578, इनेलो के प्रमोद बागड़ी को 824, लोसुपा के सचिन ग्रोवर को 358 वोट मिले।

नलवा से भाजपा के रणबीर गंगवा ने कुलदीप बिश्नाई के खास कांग्रेस प्रत्याशी रणधीर पनिहार को 9669 वोटों से शिकस्त दी। यहां पर नोटा सहित कुल 16 प्रत्याशी मैदान में थे। यहां पर दूसरे नंबर पर रहे कांग्रेस के रणधीर पनिहार व तीसरे नंबर पर रहे जजपा के विरेंद्र चौधरी के अलावा बाकी सभी 12 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई।

उकलाना में जजपा प्रत्याशी अनूप धानक ने भाजपा की आशा रानी खेदड़ को 23693 वोटों से शिकस्त दी। पिछली बार अनूप धानक इनेलो की टिकट पर भाजपा की सीमाा गैबीपुर से 17927 वोटों से जीते थे। यहां पर नोटा सहित कुल 16 प्रत्याशी थे और भाजपा की आशा रानी खेदड़ के अलावा बाकी सभी 13 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई।

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले पूर्व सीपीएस विनोद भ्याणा ने हांसी में जेजेपी प्रत्याशी राहुल मक्कड़ को 22260 वोटों से शिकस्त दी। यहां पर नोटा सहित कुल 26 प्रत्याशी मैदान में थे और 450 वोटों के साथ नोटा 12वें नंबर पर रहा। दूसरे नंबर पर रहे जजपा के राहुल मक्कड़ ने 30931 व निर्दलीय प्रत्याशी प्रेम सिंह मलिक ने 21639 वोट लेकर अपनी जमानत बचा ली लेकिन बाकी सभी 22 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। कांग्रेस के ओमप्रकाश को 3468, इनेलो के कुलबीर सिंह को 1388, बसपा के सुरेंद्र शर्मा को 3390, आप के मनोज राठी को 1381, लोसुपा के हरिराम को 6726, वोट मिले। कांग्रेस छोड़ जजपा का दामन थामने वाले रामकुमार गौतम ने नारनौंद में वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु को 12029 वोटों से शिकस्त दी।

हिसार में बृहस्पतिवार को जीतने के बाद समर्थकों के साथ जुलूस निकालते भाजपा के विधायक डा. कमल गुप्ता। -हप्र

> **लुटा खजाना रै दिखे, नारनौंद मैदान!**
> **के बुज्झैगा टीम की, हार लिया कप्तान!!** -स.ना.

कै. अभिमन्यु को हराकर बोले जजपा प्रत्याशी

उम्र के आखरी दौर में हूं। भ्रष्टाचार से दूर रहकर हलके को विकास के मामले में बुलंदियों तक पहुंचाऊंगा : रामकुमार

नारनौंद , 24 अक्तूबर (निस)

जैसे ही नारनौंद हलके के लोगों को सूचना मिली कि जजपा प्रत्याशी रामकुमार गौतम ने कैप्टन अभिमन्यु को हरा दिया है तो जजपा कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल हो गया और कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़े व गुलाल लगाकर एक दूसरे को बधाई देकर खुशियां मनाई। जीत के बाद रामकुमार गौतम ने भी हलके के लोगों को जीत का असली हकदार बताया और कहा कि उम्र के आखरी दौर में हूं। भ्रष्टाचार से दूर रहकर हलके को विकास के मामले में बुलंदियों तक पहुंचाने का काम करूंगा। पहले ही रूझान से रामकुमार गौतम ने कैप्टन अभिमन्यु को पछाड़ दिया था। उसके बाद जीत का आंकड़ा बढ़ता गया और उन्होंने कैप्टन अभिमन्यु को 12 हजार 29 वोटों से हरा दिया।

660 ने अपनाया नोटा का विकल्प

नरवाना, 24 अक्तूबर (अस)

नरवाना विधानसभा हलके के चुनाव में 660 मतदाताओं ने नोटा का विकल्प अपना कर चुनाव में खड़े सभी प्रत्याशियों के खिलाफ अपनी नाराजगी का इजहार किया।

चुनाव में कुल 12 प्रत्याशियों ने किस्मत आजमाई। कुल 209515 मतदाताओं में से 153471 ने मताधिकार का प्रयोग किया।

इनमें से 159 पोस्टल बैलट रद्द घोषित किए गए। विधानसभा के लिए मतों की गणना रविवार को केएम राजकीय कॉलेज के सभागार में बनाए गए मतगणना केंद्र में संपन्न हुई। जजपा प्रत्याशी को 79578, भाजपा को 48886 व कांग्रेस को 14045 वोट मिले।

अन्य प्रत्याशियों में इंडियन नेशनल लोकदल को सबसे ज्यादा 3334, बसपा को 2473, सर्वहित पार्टी को 517, पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया डेमोक्रेटिक को 486, लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी को 1388, स्वराज इंडिया पार्टी को 526, तथा 3 निर्दलीयों को क्रमशः 160, 343 व 916 वोट मिले।

कौन बना विधायक

भिवानी — **घनश्याम सर्राफ**

भाजपा प्रत्याशी 27,692 वोटों से जीते। उन्हें 60,909 वोट मिले

तोशाम — **किरण चौधरी**

कांग्रेस प्रत्याशी 17, 969 वोटों से जीतीं। उन्हें 71, 978 वोट मिले

लोहारू — **जेपी दलाल**

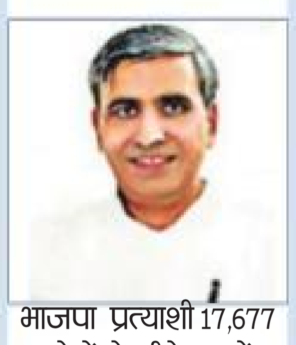

भाजपा प्रत्याशी 17,677 वोटों से जीते। उन्हें 61, 365 वोट मिले

बवानी खेड़ा — **विशंबर वाल्मिकी**

भाजपा प्रत्याशी 10,895 वोटों से जीते। उन्हें 52, 387 वोट मिले

महेंद्रगढ़ — **राव दानसिंह**

कांग्रेस प्रत्याशी 10311 वोटों से जीते। उन्हें 46478 वोट मिले

अटेली — **सीताराम**

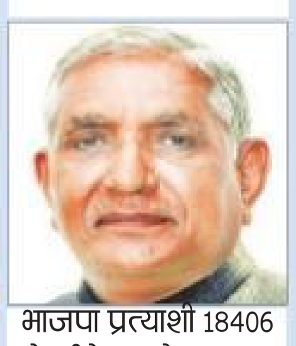

भाजपा प्रत्याशी 18406 से जीते। उन्हें लगभग 55793 वोट मिले

नारनौल — **ओमप्रकाश यादव**

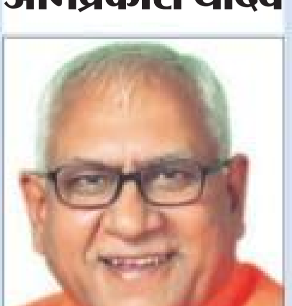

भाजपा के प्रत्याशी 14715 वोटों से जीते। उन्हें 42732 वोट मिले

नांगल चौधरी — **अभय सिंह**

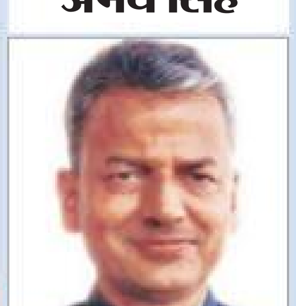

भाजपा प्रत्याशी 20551 मतों के अंतर से जीते। उन्हें 54951 वोट मिले

रेवाड़ी — **चिरंजीव राव**

कांग्रेस प्रत्याशी 1331 वोटों से जीते। उन्हें 43672 वोट मिले

बावल — **बनवारी लाल**

भाजपा प्रत्याशी 31840 के अंतर से जीत दर्ज की। उन्हें 68483 वोट मिले

कोसली — **लक्ष्मण यादव**

भाजपा के प्रत्याशी 37253 वोटों से जीते। उन्हें 00000 वोट मिले

नूंह — **आफताब अहमद**

कांग्रेस प्रत्याशी 4049 वोटों से जीते। उन्हें कुल 52245 वोट मिले

फिरोजपुर झिरका — **मामन खान**

कांग्रेस प्रत्याशी 37004 वोटों से जीते। उन्हें 84546 वोट मिले

पुन्हाना — **मोहम्मद इलियास**

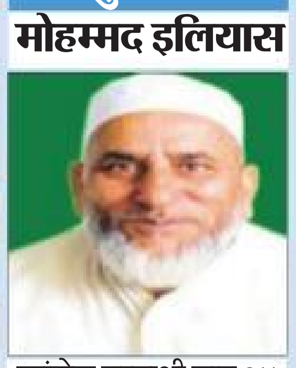

कांग्रेस प्रत्याशी मात्र 811 वोटों के अंतर से जीते। उन्हें 35081 वोट मिले

भिवानी में 3 सीटों पर भाजपा ने लहराया परचम

भिवानी में बृहस्पतिवार को जीत के बाद कार्यकर्ताओं के साथ जुलूस निकालते भाजपा प्रत्याशी घनश्याम सर्राफ । -हप्र

भिवानी में बृहस्पतिवार को जीत के बाद अपने निवास पर कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करतीं किरण चौधरी। -हप्र

अजय मल्होत्रा/हप्र
भिवानी, 24 अक्तूबर

भिवानी जिले के तहत आने वाले 4 विधानसभा क्षेत्रों में से 3 पर भाजपा व एक पर कांग्रेस ने अपना परचम लहराया।

भिवानी से भाजपा विधायक घनश्याम सर्राफ जजपा उम्मीदवार शिव शंकर भारद्वाज को 27 हजार 692 से हराकर तीसरी बार विजयी रहे। कांग्रेस के अमर सिंह 18 हजार 389 वोट लेकर तीसरे स्थान पर रहे। भाजपा उम्मीदवार को 60 हजार 909 वोट मिले, वहीं जजपा उम्मीदवार को 33 हजार 217 मत प्राप्त हुए। घनश्याम सर्राफ को विजय जुलूस के साथ निवास स्थान पर लाया गया।

बवानीखेड़ा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक विशंबर वाल्मिकी 10 हजार 895 मतों से कांग्रेस के रामकिशन फौजी को हराकर विजयी रहे। विशंबर वाल्मिकी को 52 हजार 387, कांग्रेस के रामकिशन फौजी को 41 हजार 492 तथा तीसरे नंबर पर रहे जजपा उम्मीदवार रामसिंह वैद को 22 हजार 934 मत प्राप्त हुए।

लोहारू विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार जेपी दलाल 17 हजार 677 मतों से कांग्रेस के सोमबीर सिंह को हराकर विजयी रहे। इसमें भाजपा उम्मीदवार जेपी दलाल को कुल 61 हजार 365 वोट मिले। कांग्रेस के सोमबीर सिंह को 43 हजार 688 मत प्राप्त हुए। तीसरे नंबर पर रही जजपा उम्मीदवार अल्का आर्य को 27 हजार 515 मत प्राप्त हुए।

तोशाम की चौधर किरण के हाथ

तोशाम विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार किरण चौधरी 17 हजार 969 मतों से भाजपा उम्मीदवार शशीरंजन परमार को हराकर विजयी रही। किरण चौधरी को कुल 71 हजार 978 मत प्राप्त हुए। भाजपा के शशी रंजन परमार को 54 हजार 9 वोट मिले। जजपा के उम्मीदवार को सीताराम सिंगला को 7 हजार 457 मत प्राप्त हुए।

पुलिस के लिए सिरदर्द बना कार्यकर्ताओं को संभालना

नूंह/मेवात, 24 अक्तूबर (निस)

जिला मुख्यालय नूंह के यासीन मेव डिग्री कॉलेज में बृहस्पतिवार को जिला की तीनों विधानसभा सीटों का मतगणना कार्य शुरू होने से जिला उपायुक्त कम निर्वाचन अधिकारी पंकज कुमार, पुलिस कप्तान संगीता कालिया, नगराधीश गजेन्द्र सिंह, एसडीएम तावडू सतीश यादव, डीएसपी मुख्यालय अनिल कुमार, डीएसपी तावडू व धर्मबीर सिंह आदि समेत अन्य अधिकारी मतगणना केन्द्र में पूरे समय तक डटे रहे।

वहीं, मतगणना केन्द्र के बाहर विधानसभा नूंह, पुन्हाना व फिरोजपुर झिरका से चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों के समर्थकों का अच्छा खास हजूम लगा हुआ था, लेकिन कड़ी सुरक्षा -व्यवस्था की वजह से वह मतगणना केन्द्र से दूर ही नजर आ रहे थे। पुलिस को कार्यकर्ताओं को संभालना सिरदर्द साबित हो रहा था।

एक नजर

मेवात में जश्न

मेवात में बृहस्पतिवार को कांग्रेस प्रत्याशियों की जीत के बाद जश्न मनाते कार्यकर्ता। -निस

कैप्टन अजय की कोठी पर बजे नगाड़े

रेवाड़ी (निस) : चिरंजीव राव की जीत की अविश्वसनीय खबर शहर में पहुंची तो कै. अजय के रेवाड़ी स्थित निवास पर हजारों समर्थकों का हुजूम उमड़ पड़ा और ढोल-नगाड़े बजने लगे। दिवाली आने से पूर्व समर्थकों ने पटाखे फोड़कर जश्न मनाया।

जारी रहेगा संघर्ष : रंगा

रेवाड़ी (निस) : हारने के बाद अपने समर्थकों के साथ कार्यालय में बैठे डा. एम.एल. रंगा ने कहा कि वे जनादेश का सम्मान करते हैं। वे इसे अपनी जीत मानते हैं। क्योंकि 36804 मतदाताओं ने उनका साथ दिया। वे अकेले चले थे और पूरे चुनाव में अकेले ही लगे रहे। वे अपने संघर्ष को जारी रखेंगे।

राजनाथ, हेमा मालिनी भी नहीं लगा पाये रामबिलास की नैया पार

नारनौल (हप्र) शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा के प्रचार में भाजपा के दिग्गज नेता राजनाथ सिंह और हेमामालिनी तक आए थे। इसके बावजूद भाजपा के यह स्टार प्रचारक रामबिलास की चुनावी नैया को पार लगाने में सफल नहीं हुए।

विज को सीएम बनाने की उठी मांग

अंबाला (निस) : केबिनेट मंत्री अनिल विज की जीत के बाद उनके द्वारा दिया गया नारा अंबाला छावनी में फिर गूंज गया। नारे को न नाम को, वोट पड़ेगी काम को। इस नारे के साथ करीब दो घंटे तक अनिल विज का विजय जलूस अंबाला छावनी के बाजारों से निकला। ढोल की थाप पर लोग विज जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे और अंबाला के विकास को गति देने की बात कर रहे थे। बीच-बीच में कुछ कार्यकर्ताओं ने उन्हें सीएम बनाने की आवाज भी बुलंद की, लेकिन वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में इस आवाज को ज्यादा मुखर नहीं होने दिया गया।

चुकाएंगे जनता का अहसान : लक्ष्मण यादव

रेवाड़ी (निस) : लक्ष्मण सिंह यादव ने अपनी जीत पर पहली प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस जीत में छोटे-छोटे कार्यकर्ता का भी बड़ा योगदान है। वे कोसली के विकास में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे और विकास कराकर ही जनता का अहसान चुकाएंगे। जिला रेवाड़ी के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में सबसे अधिक मतों के अंतर से लक्ष्मण यादव ने जीत दर्ज की है।

ओमप्रकाश और अभय ने खिलाया कमल, रामबिलास ने मुरझाया

नारनौल, 24 अक्तूबर (हप्र)

महेंद्रगढ़ जिले के चार में तीन विधानसभा क्षेत्रों में भले ही भाजपा प्रत्याशियों ने जीत हासिल कर ली हो, लेकिन हकीकत यह है कि महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र में रामबिलास शर्मा की हार वास्तव में भाजपा की हार है।

जिले में इसी क्षेत्र के तीन हलकों में भाजपा प्रत्याशियों ने जीत हासिल की है। नारनौल से भाजपा प्रत्याशी ओमप्रकाश और नांगल चौधरी से अभयसिंह को अपनी ही पार्टी के विरोधी गुट का सामना करना पड़ रहा था। जहां ओमप्रकाश के प्रचार के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल, कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा आये थे वहीं अभय सिंह के प्रचार में इन दोनों के अलावा बाबा बालकनाथ व कृष्णपाल गुर्जर भी पहुंचे।

महेंद्रगढ़ 3 सीटों पर भाजपा की वापसी

एक पर कांग्रेस ने खोला खाता

असीम राव/ हप्र
नारनौल, 24 अक्तूबर

महेंद्रगढ़ जिले की चार में से तीन विधानसभा सीटों पर भाजपा का कब्जा बरकरार रहा। एक सीट को कांग्रेस जीत हासिल करने में कामयाब हो गई। जो सीट कांग्रेस के खाते में गई है, उसे सबसे महत्वपूर्ण माना जा सकता है। इस सीट से भाजपा के कद्दावर नेता रामबिलास शर्मा को करारी हार का सामना करना पड़ा है।

नारनौल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी एडीओ ओमप्रकाश ने अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी जजपा की कमलेश सैनी को 14715 मतों से हराया। एडीओ को 42732 मत मिले, जबकि कमलेश सैनी को 28017 मतों पर संतोष करना पड़ा। कांग्रेस प्रत्याशी राव नरेंद्र सिंह 25009 मत लेकर तीसरे स्थान पर रहे। नांगल चौधरी से भाजपा प्रत्याशी अभय सिंह ने जजपा प्रत्याशी चौ. मूलाराम को 20551 मतों से पराजित किया जबकि कांग्रेस प्रत्याशी राजाराम अपनी जमानत तक नहीं बचा पाए। अभय सिंह को कुल 54951 मत मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी मूलाराम को 34806 मतों पर संतोष करना पड़ा। इस सीट पर इन दोनों प्रत्याशियों के बीच ही मुख्य मुकाबला था। कांग्रेस प्रत्याशी पहली बार चुनाव मैदान में उतरने के कारण हलके में पहचान तक के मोहताज बने हुए थे। जजपा प्रत्याशी को अंदरखाने कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं का साथ भी मिल रहा था लेकिन उनकी गाड़ी पटरी पर नहीं चढ़ पाई।

समाचार लिखे जाने तक अटेली से भाजपा प्रत्याशी सीताराम 12 राउंड की गिनती के बाद करीब 12 हजार मतों से आगे चल रहे थे। उनके समर्थकों ने अटूट बढ़त को देखते हुए जश्न मनाना शुरू कर दिया था। यह लीड टूटने के लायक नहीं थी। चुनाव परिणाम आने के साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने जहां तीन विधानसभा क्षेत्रों में जश्न मनाया, वहीं महेंद्रगढ़ में राव दानसिंह ने विजय जुलूस निकाला।

नारनौल में बृहस्पतिवार को समर्थकों को संबोधित करते विजयी भाजपा प्रत्याशी ओमप्रकाश यादव। -हप्र

रामबिलास नहीं बचा पाये ताज

महेंद्रगढ़ से राव दान ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के रामबिलास शर्मा को 10311 मतों से पराजित किया। दानसिंह को 46478 मत मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी रामबिलास शर्मा को 35258 मतों से संतोष करना पड़ा। आईएएस से इस्तीफा देकर मैदान में उतरे संदीप सिंह को 33077 वोट प्राप्त हुए।

“जनादेश सर माथे। हम चुनाव हारे हैं हिम्मत नहीं, हार के कारणों की समीक्षा होगी।”
-रामबिलास शर्मा, पूर्व शिक्षामंत्री

कानौड़ी या सीट रै, दान-मान इब खास!
गढ़ इब कै यो हार ग्ये, पंडित रामबिलास!! -स. ना.

कोसली, बावल सीट भाजपा की झोली में

रेवाड़ी, 24 अक्तूबर (निस)

रेवाड़ी में बृहस्पतिवार को मतगणना के बाद मतदान केन्द्र से बाहर आते बावल से भाजपा प्रत्याशी डा. बनवारी लाल । -निस

पिछले दो दशकों से भाजपा में सक्रिय कार्यकर्ता रहे लक्ष्मण सिंह यादव ने भाजपा प्रत्याशी के तौर पर कोसली विधानसभा क्षेत्र से 37253 मतों के अंतर से शानदार जीत दर्ज की है। उन्हें 78813 वोट मिले। उन्होंने कांग्रेस के राव यादुवेंद्र सिंह को पराजित किया। यादुवेंद्र क्षेत्र के सांसद राव इंद्रजीत सिंह के छोटे भाई हैं। कोसली में 15730 वोट लेकर तीसरे स्थान पर जजपा के रामफल कोसलिया रहे। इनेलो के किरणपाल यादव को मात्र 2297 व बीएसपी के डा. अजीत सिंह चहल को 3519 वोट मिले। यहां कुल 15 प्रत्याशी मैदान में थे।

वहीं बावल से भाजपा प्रत्याशी डा. बनवारी लाल ने एक बार फिर जीत का परचम लहराया है। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस प्रत्याशी व पूर्व मंत्री डा. एमएल रंगा को लगभग 31840 मतों से पराजित किया। जजपा के श्याम सुंदर सभरवाल को 30359 मत मिले और तीसरे स्थान पर रहे। भाजपा को 68483, कांग्रेस को 36643 मत मिले। इनेलो के संपतराम को 3576, बसपा के मछेन्द्र राय को 1629, स्वराज इंडिया के संजय कुमार को 469 मत प्राप्त हुए। यहां शुरू से ही भाजपा व कांग्रेस के बीच मुकाबला माना जा रहा था। भारी विरोध की चर्चाओं के बावजूद डा. बनवारी लाल हर राउंड में आगे रहे। उनकी जीत का श्रेय समर्थकों ने क्षेत्र के सांसद राव इंद्रजीत सिंह को भी दिया। डा. बनवारी को 2014 में राव ने ही टिकट दिलाया था और इस बार भी वे उनकी पहली पंसद रहे।

रेवाड़ी में ईवीएम से निकला चौंकाने वाला जनादेश

कांग्रेस के चिरंजीव राव पहली बार पहुंचे विधानसभा

तरुण जैन/निस
रेवाड़ी, 24 अक्तूबर

रेवाड़ी विधानसभा क्षेत्र के मतों की गिनती के बाद ईवीएम से जो जनादेश निकला, उसने सभी को चौंका दिया। कांग्रेस प्रत्याशी व पूर्व मंत्री कै. अजय सिंह यादव के पुत्र चिरंजीव राव तिकोने मुकाबले में अपनी सीट निकालने में कामयाब रहे। वे वैसे तो शुरू से ही बढ़त बनाए हुए थे, लेकिन मामूली बढ़त से यह अंदाजा लगाया जा रहा था कि आखिर में मुकाबला भाजपा के सुनील यादव मूसेपुर व निर्दलीय प्रत्याशी रणधीर सिंह कापड़ीवास के बीच सिमट जाएगा। जिस कापड़ीवास को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, वे आखिर में तीसरे नंबर पर चले गए और लड़ाई भाजपा व कांग्रेस के बीच बनती चली गई। कड़े मुकाबले के बाद चुनाव परिणाम मामूली 1331 वोटों के अंतर से चिरंजीव राव के पक्ष में आया। चुनाव परिणामानुसार चिरंजीव को 43672, सुनील यादव को 42341, रणधीर सिंह कापड़ीवास को 36689, निर्दलीय प्रशांत सन्नी यादव को 22032 मत मिले।

रेवाड़ी में बृहस्पतिवार को जीत के बाद लोगों का अभिवादन स्वीकार करते कांग्रेस प्रत्याशी चिरंजीव राव। -निस

कांग्रेस ने कब्जाई मेवात की तीनों सीटें

सुरेन्द्र दुआ/निस
नूंह/मेवात, 24 अक्तूबर

जिले की तीनों विधानसभा सीटों पर बृहस्पतिवार सायं नतीजों की घोषणा हो गई। यहां की तीनों सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशी ही विजयी घोषित हुए हैं। विधानसभा 79-नूंह से कांग्रेस प्रत्याशी आफताब अहमद को 52245, भाजपा के जाकिर हुसैन को 48196 मत प्राप्त हुए और वह 4049 वोटों से विजयी रहे। 80- फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस प्रत्याशी मामन खान को 84546 व भाजपा के नसीम अहमद को 47542 मत प्राप्त होने से वह 37004 मत से विजयी रहे। विधानसभा 81-पुन्हाना से कांग्रेस प्रत्याशी मोहम्मद इलियास को 35081 व निर्दलीय रहीश खान को 34270 मत मिलने पर वह मात्र 811 मतों से विजयी रहे

उल्लेखनीय है कि 2014 के चुनाव में जिला में 2 सीटों पर इनेलो व 1 सीट पर निर्दलीय का कब्जा था जबकि सोहना-तावडू सीट पर भाजपा का कब्जा था।

उधर, तीनों सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशियों जीत पर उनके समर्थकों ने जीत का जश्न अमीर गुलाल लगाकर, आतिशबाजी छोड़कर मनाया। सभी प्रत्याशियों ने कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि वह क्षेत्र के विकास के लिए सदैव काम करेंगे।

नूंह में बृहस्पतिवार को जीत के बाद उत्साह में कांग्रेस प्रत्याशी आफताब अहमद, मामन खान, मोहम्मद इलियास। -निस

‘हैवीवेट कैंडीडेट’ भी नहीं खिला पाये कमल

नूंह/मेवात, 24 अक्तूबर (निस)

सूबे के सर्वाधिक पिछड़े मेव (मुस्लिम) बाहुल्य जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सूखी भूमि पर कमल खिलाने की हसरत इस बार भी पूरी नहीं हो पाई और तीनों सीटों पर भले ही पार्टी ने हैवीवेट प्रत्याशियों को मैदान में उतारा था, लेकिन जिले के विशेष समुदाय के लोगों ने लोकसभा चुनाव की तर्ज पर विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में एकतरफा मतदान कर भाजपा के लोक लुभावनी नीतियों को सिरे से खारिज कर पहली बार जिला की तीनों सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशियों को विधानसभा में भेजा है। हैरानी की बात देखने को यह मिल रही थी कि फिरोजपुर झिरका से पार्टी प्रत्याशी नसीम अहमद मतगणना को बीच में छोड़कर घर के लिए चल दिये थे और वह काफी अंतर से हार गये। इसी तरह पुन्हाना विधानसभा से पहली बार भाजपा पार्टी द्वारा उतारी दलित महिला प्रत्याशी नौक्षम चौधरी की बुरी तरह से फजीहत होने से वह तीसरे नम्बर पर रही हैं जबकि नूंह सीट से भाजपा प्रत्याशी जाकिर हुसैन ने आखिरी राउंड तक कांग्रेस प्रत्याशी को टक्कर देने के बावजूद वह भी मेवात में की सूखी धरती पर कमल नहीं खिला सके।

42 वर्षों के इंतजार के बाद जीत

डॉ. ईश्वर सिंह को कांग्रेस छोड़ जजपा में जाना खूब फला

दिनेश भारद्वाज/ट्रिन्यू
चंडीगढ़, 24 अक्तूबर

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद रहे डॉ. ईश्वर सिंह को कांग्रेस छोड़कर जजपा में शामिल होना खूब फला है। वे हरियाणा की राजनीति के अकेले ऐसे नेता हैं, जो 42 वर्षों के बाद विधानसभा पहुंचे हैं। ईश्वर सिंह पहली बार 1977 में विधायक बने थे। इसके बाद वे कभी चुनाव नहीं जीत सके। हालांकि मौजूदा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष कुमारी सैलजा की वजह से उन्हें राज्यसभा की सीट जरूर मिल गई थी। वे राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य भी रहे। वे गुहला-चीका से जीते हैं।

राष्ट्रवाद नहीं आया रास : विस चुनाव में भाजपा द्वारा अनुच्छेद-370, 35ए, सर्जिकल स्ट्राइक सहित राष्ट्रवाद से जुड़े दूसरे मुद्दों को पसंद नहीं किया गया। पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के अलावा केंद्रीय नेतृत्व का भी अधिक जोर इन्हीं मुद्दों पर रहा। कहीं न कहीं भाजपा से लोगों को समझने में गलती हुई। स्थानीय व प्रदेश स्तर के मुद्दों की बजाय राष्ट्रीय मुद्दों को चुनाव प्रचार में हवा देना, भाजपा के लिए घाटे का सौदा साबित हुआ।

नहीं चला मुस्लिम कार्ड

हरियाणा में यह पहला मौका था जब भाजपा ने मुस्लिम बहुल नूंह (मेवात) जिले में मुस्लिम कार्ड खेला। पार्टी ने मुस्लिम बहुल तीनों सीटों – पुन्हाना, नूंह व फिरोजपुर-झिरका से मुस्लिम चेहरे उतारे लेकिन मतदाता ने इस प्रयोग को नकार दिया। 2014 में इनेलो टिकट पर नूंह से विधायक बने जाकिर हुसैन व फिरोजपुर-झिरका से विधायक बने नसीम अहमद ने इनेलो छोड़कर भाजपा ज्वाइन की थी। दोनों को भाजपा ने टिकट भी दिया लेकिन जीत नहीं सके। वहीं पुन्हाना से निर्दलीय रईसा खान ने भी भाजपा ज्वाइन कर ली थी लेकिन पार्टी ने उनकी टिकट काटकर नौक्षम चौधरी को प्रत्याशी बनाया। लेकिन नौक्षम को बुरी हार का सामना करना पड़ा। माना जा रहा था कि फरवरी-2016 के जाट आरक्षण आंदोलन के दौरान हुई हिंसा का इन चुनाव में असर पड़ेगा, लेकिन यह मुद्दा भी सिरे नहीं चढ़ा।

कौन बना विधायक

फरीदाबाद
नरेंद्र गुप्ता

भाजपा के प्रत्याशी 21713 वोटों से जीते। उन्हें 65,887 वोट मिले

एनआईटी
नीरज शर्मा

कांग्रेस के प्रत्याशी 3,267 वोटों से जीते। उन्हें 61 हजार 697 वोट मिले

बल्लभगढ़
मूलचंद शर्मा

भाजपा के प्रत्याशी 41,713 वोटों से जीते। उन्हें 66,708 वोट मिले

बड़खल
सीमा त्रिखा

भाजपा की प्रत्याशी 2,545 वोटों से जीतीं। उन्हें 58,537 वोट मिले

तिगांव
राजेश नागर

भाजपा के प्रत्याशी 33 हजार 841 वोटों से जीते। उन्हें 97,126 वोट मिले

पृथला
नयनपाल रावत

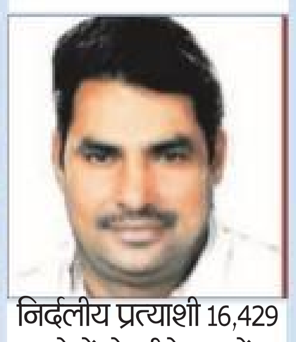

निर्दलीय प्रत्याशी 16,429 वोटों से जीते। उन्हें 64,625 वोट मिले

गुड़गांव
सुधीर सिंगला

भाजपा के प्रत्याशी 33316 वोटों से जीते। उन्हें 81,953 वोट मिले

पटौदी
सत्यप्रकाश जरावता

भाजपा के प्रत्याशी 36, 579 वोटों से जीते। उन्हें 60633 वोट मिले

बादशाहपुर
राकेश दौलताबाद

निर्दलीय प्रत्याशी 10157 वोटों से जीते। उन्हें 106798 वोट मिले

सोहना
संजय सिंह

भाजपा के प्रत्याशी 12453 वोटों से जीते। उन्हें 59117 वोट मिले

गुरुग्राम में नोटा

4294 ने दबाया नोटा का बटन। बादशाहपुर में 1654 ने, गुरुग्राम में 1315, पटौदी में 732 व सोहना में 593 लोगों ने नोटा का समर्थन किया।

हथीन
प्रवीण डागर

भाजपा के प्रत्याशी 2,887 वोटों से जीते। उन्हें 46,744 वोट मिले

होडल
जगदीश नायर

भाजपा के प्रत्याशी 3,329 वोटों से जीते। उन्हें 55,719 वोट मिले

पलवल
दीपक मंगला

भाजपा के प्रत्याशी 28,135 वोटों से जीते। उन्हें 89,265 वोट मिले

फरीदाबाद जिले की कहानी एक विधानसभा सीट कांग्रेस, एक निर्दलीय के खाते में गयी

6 में से 4 सीटें जीतकर कमल ने किया कमाल

राजेश शर्मा/हप्र
फरीदाबाद, 24 अक्तूबर

विधानसभा चुनावों के बृहस्पतिवार को घोषित नतीजों में फरीदाबाद की 6 में से 4 सीट भाजपा के खाते में गई, जबकि एक सीट कांग्रेस व एक निर्दलीय उम्मीदवार ने जीती। बल्लभगढ़ से भाजपा उम्मीदवार मूलचंद शर्मा ने बड़े अंतर से जीत हासिल की, जबकि बड़खल सीट पर भाजपा उम्मीदवार सीमा त्रिखा 2,545 वोटों से ही जीत पाई।

उधर, फरीदाबाद से भाजपा उम्मीदवार नरेंद्र गुप्ता और तिगांव से राजेश नागर जीते। भाजपा से बागी नयनपाल रावत ने 16,429 वोटों के अंतर से जीत हासिल कर कीर्तिमान बनाया। कांग्रेस 6 में से एकमात्र एनआईटी की सीट ही जीत पाई, जहां पूर्व मंत्री स्व. शिवचरण लाल शर्मा के पुत्र नीरज शर्मा विजयी रहे।

फरीदाबाद
फरीदाबाद से पहली बार भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ने वाले नरेंद्र गुप्ता ने कांग्रेस प्रत्याशी लखन कुमार सिंगला को 21713 वोटों के अंतर से हराया। नरेंद्र गुप्ता को 65,887 वोट मिले, जबकि लखन कुमार सिंगला को 44,174 मत हासिल हुए।

बल्लभगढ़
बल्लभगढ़ से भाजपा के मूलचंद शर्मा को 66,708 वोट मिले। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी आनंद कौशिक को 41,713 वोटों से हराया। तीसरे नंबर पर रहे निर्दलीय उम्मीदवार दीपक चौधरी को 18,540 वोट मिले।

बड़खल
वहीं बड़खल से भाजपा प्रत्याशी सीमा त्रिखा ने कांग्रेस प्रत्याशी विजय प्रताप को 2,545 वोटों से हराया। सीमा त्रिखा को 58,537 वोट मिले, जबकि विजय प्रताप को 55,996 वोट मिले।

तिगांव
तिगांव से भाजपा के राजेश नागर ने कांग्रेस के ललित नागर को 33 हजार 841 वोटों से हराया। जहां राजेश नागर को 97,126 वोट मिले, जबकि ललित नागर को 63,285 वोट प्राप्त हुये।

पृथला : पृथला से भाजपा से बागी नयनपाल रावत ने निर्दलीय चुनाव लड़ते हुए विजयश्री हासिल की। नयनपाल रावत ने कांग्रेस के रघुबीर सिंह तेवतिया को 16,429 वोटों से हराया। नयनपाल रावत को 64,625 वोट मिले, जबकि रघुबीर तेवतिया को 48,196 वोट मिले। यहां तीसरे नंबर पर भाजपा प्रत्याशी सोहनपाल को 21,322 वोट मिले।

पृथला में बृहस्पतिवार को विधानसभा चुनाव में विजेता रहे निर्दलीय नयनपाल रावत को मिठाई खिलाती उनकी पत्नी। -हप्र

भाजपा का सुधरा रिकार्ड

गौरतलब है कि वर्ष 2014 के विधानसभा चुनावों में फरीदाबाद की 6 विधानसभाओं में से तीन पर भाजपा, एक कांग्रेस, एक बसपा व एक इनेलो के खाते में गई थी, जबकि इस बार भाजपा को एक सीट पर बढ़त मिली है और चार सीटें जीतने में सफलता हासिल की है। बल्लभगढ़ से मूलचंद शर्मा और बड़खल से सीमा त्रिखा लगातार दूसरी बार जीत का परचम लहराने में कामयाब रहे, जबकि तिगांव के राजेश नागर, फरीदाबाद से नरेंद्र गुप्ता, एनआईटी व पृथला से नीरज शर्मा पहली बार विधायक चुने गए।

फरीदाबाद एनआईटी सीट

एनआईटी सीट से कांग्रेस प्रत्याशी नीरज शर्मा ने भाजपा प्रत्याशी नागेंद्र भड़ाना को 3,267 वोटों से हरा दिया। यहां से नीरज शर्मा ने 61 हजार 697 वोट हासिल किए, जबकि नागेंद्र भड़ाना को 58,455 वोट मिले।

गुरुग्राम जिले में गुरु निकली भाजपा

3 सीटों पर दोबारा मारी बाजी

बादशाहपुर में आजाद को ताज, कांग्रेस को जनता ने नकारा

नवीन पांचाल/हप्र
गुरुग्राम, 24 अक्तूबर

गुरुग्राम जिले में भाजपा गुरु निकली और 4 विधानसभा सीटों पर कड़े मुकाबले के बाद 3 सीटें दोबारा जीत ली। जबकि बादशाहपुर के मतदाताओं ने भाजपा की जीत का रथ रोककर यहां से आजाद राकेश दौलताबाद को विजयश्री का ताज पहनाया। कांग्रेस प्रत्याशियों को सिरे से नकारते हुए वोटरों ने निर्दलीयों व दूसरी पार्टी के उम्मीदवारों को दूसरे नंबर पर बैठाया।

पटौदी विधानसभा सीट
जीत का सबसे बड़ा अंतर पटौदी विधानसभा क्षेत्र में रहा। केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत व उनके समर्थकों के कड़े विरोध के बाद भाजपा के सत्यप्रकाश जरावता ने 36 हजार 579 मतों से जीत हासिल की। जरावता को 60 हजार 633 मत मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंदी भाजपा से बागी होकर निर्दलीय मैदान में उतरे नरेंद्र पहाड़ी को 24 हजार 54 मत मिले। गौरतलब है कि बिमला चौधरी की टिकट कटने से नाराज राव इंद्रजीत समर्थकों ने नरेंद्र पहाड़ी का साथ दिया था।

गुड़गांव विधानसभा सीट का हाल
गुड़गांव विधानसभा सीट पर एक बार फिर पूर्व मंत्री स्वर्गीय सीताराम सिंगला के बेटे और भाजपा उम्मीदवार सुधीर सिंगला ने 33 हजार 316 मतों से निर्दलीय प्रत्याशी मोहित ग्रोवर को मात दी। सुधीर सिंगला को 81 हजार 953 तथा मोहित ग्रोवर को 48 हजार 639 वोट मिले। पूर्व राज्यमंत्री व कांग्रेस प्रत्याशी सुखबीर कटारिया तीसरे नंबर रहे।

बादशाहपुर में कड़ा मुकाबला
आंकड़ों पर नजर दौड़ाई जाए तो सबसे कड़ा मुकाबला बादशाहपुर सीट पर रहा। यहां निर्दलीय प्रत्याशी राकेश दौलताबाद ने भाजपा के मनीष यादव को 10 हजार 157 मतों से मात दी। मनीष यादव एक लाख वोटों से इस सीट को जीतने का दम भर रहे थे। लेकिन राकेश दौलताबाद ने तीसरे प्रयास में आखिरकार मैदान मार लिया। इस सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी राव कमलबीर को 10 हजार 610 ही मत मिले।

गुरुग्राम में बृहस्पतिवार को जीत का जश्न मनाते उम्मीदवार के समर्थक। -हप्र

सोहना कितना सोणा है

सोहना में भाजपा प्रत्याशी व पूर्व मंत्री सूरजपाल के पुत्र संजय सिंह ने जजपा के रोहताश खटाणा को 12 हजार 453 मतों से हरा दिया। संजय सिंह को 59 हजार 117 मत मिले, जबकि जजपा के रोहताश खटाणा के पक्ष में 46 हजार 664 लोगों ने मतदान किया। यहां बसपा के जावेद अहमद 39 हजार 868 वोट लेकर तीसरे स्थान पर रहे।

नोटा के समर्थक बढ़े

विधानसभा चुनावों में नोटा का प्रयोग करने वालों की संख्या बढ़ी है। इस बार 4 हजार 294 लोगों को कोई उम्मीदवार अच्छा नहीं लगा, इसलिए उन्होंने किसी के पक्ष में मत नहीं दिया। सबसे अधिक बादशाहपुर के 1654 लोगों ने नोटा का प्रयोग किया। गुड़गांव विस के 1315, पटौदी के 732 व सोहना 593 लोगों ने नोटा का बटन दबाया।

पलवल जिले में लहराया परचम

'भगवा' पार्टी ने क्लीन स्वीप कर रच डाला इतिहास

देशपाल सौरोत/हप्र
पलवल, 24 अक्तूबर

पलवल जिले में भाजपा ने क्लीन स्वीप कर दिया और तीनों विधानसभा सीटें अपने नाम कर दी। प्रदेश के इतिहास में पहली बार पलवल जिले में भाजपा को इतनी बड़ी जीत हासिल हुई है। पलवल से दीपक मंगला, हथीन से प्रवीण डागर व होडल से जगदीश नायर विजयी हुये। पलवल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी दीपक मंगला ने कांग्रेस के दिग्गज एवं पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल को 28,135 मतों के अंतर से पराजित किया। दीपक मंगला ने 89,265 वोट प्राप्त किए, जबकि करण दलाल को 61,130 मत मिले। इसके अलावा जजपा के गयालाल को मात्र 6,494, इनेलो के सतपाल को 775 व आम आदमी पार्टी के कुलदीप कौशिक को 423 मत ही मिले। करण दलाल पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के समधी हैं तथा 5 बार विधायक रहे हैं। छठी बार वे भाजपा के दीपक मंगला से हार गये। दीपक मंगला मुख्यमंत्री मनोहरलाल के प्रधान राजनीतिक सचिव रहे तथा पूर्व में भाजपा के प्रदेश महासचिव, प्रदेश प्रवक्ता, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष व हरियाणा प्रभारी तथा जिलाध्यक्ष भी रह चुके हैं। इसके अलावा वे पलवल के पार्षद भी रह चुके हैं। 2014 के विधानसभा चुनाव में भी दलाल व मंगला आमने-सामने थे लेकिन करण दलाल ने साडे 5 हजार मतों से मंगला को हरा दिया। अब-2019 में दीपक मंगला ने अपनी हार का बदला लेते हुये करण दलाल को पटखनी दे दी है।

पलवल में बृहस्पतिवार को विजयी भाजपा उम्मीदवार दीपक मंगला को उनके समर्थकों ने अपने कंधों पर उठा लिया। -हप

हथीन में जीते प्रवीण

हथीन सीट से भाजपा के उम्मीदवार प्रवीण डागर ने कांग्रेस के मोहम्मद इसराईल को 2,887 मतों से हराया। प्रवीण डागर को 46,744 मत मिले जबकि कांग्रेस के इसराईल को 43,857 मत प्रप्त हुए। वहीं बसपा के तैययब हुसैन भीमसीका 35,233 मत लेकर तीसरे स्थान पर रहे। जबकि जजपा प्रत्याशी एवं पूर्व मंत्री हर्ष कुमार 30,334 मत लेकर चौथे स्थान रहे। प्रवीण डागर के पिता रामजीलाल डागर भी पूर्व में हथीन से विधायक रहे हैं। वे 1977 में निर्दलीय चुनाव जीते थे। जबकि इसराईल पूर्व विधायक एवं मुख्य संसदीय सचिव रहे जलेब खां के पुत्र हैं।

होडल के नायक रहे जगदीश नायर

होडल में भाजपा प्रत्याशी जगदीश नायर ने 3,329 मतों से जीत दर्ज की। उन्होंने होडल से 4 बार के विधायक उदयभान को पराजित किया। जगदीश नायर को 55,719 मत मिले जबकि कांग्रेस के उदयभान को 52,390 मत मिल सके। यहां से इनेलो प्रत्याशी रामपाल को कुल 1,722 व आम आदमी पार्टी के करण डागर को केवल 302 मत ही मिले। जगदीश नायर इससे पहले 2 बार होडल से विधायक रह चुके हैं। वे तीसरी बार विधायक निर्वाचित हुए हैं। नायर बंसीलाल व चौटाला सरकार में राज्य मंत्री भी रह चुके हैं।

जीत की खुशी समर्थकों ने अपने नेताओं को कंधों पर बैठाया, जीप के साथ जगह-जगह निकाले विजय जुलूस

पटाखों तथा पुष्प वर्षा से विजेता उम्मीदवारों का अभिनंदन

फरीदाबाद, 24 अक्तूबर (हप्र)

जीतने वाले उम्मीदवारों के समर्थकों ने विजय जुलूस निकालकर अपनी खुशी का इजहार किया। कई स्थानों पर विजेता उम्मीदवारों का लोगों ने फूल-मालाओं से स्वागत किया तथा जमकर आतिशबाजी भी की गई। बृहस्पतिवार सुबह से ही फरीदाबाद जिले की 6 मतगणना स्थल पर उम्मीदवारों के समर्थक जुटे हुए थे। धीरे-धीरे जब प्रत्येक राउंड का रिजल्ट आने लगा तो ज्यादा मत हासिल करने वाले उम्मीदवारों के समर्थक खुशी से झूम जाते, वहीं कम मत अपने वालों के समर्थकों में मायूसी छा जाती। दोपहर तक पहले व दूसरे नम्बर पर रहने वाले उम्मीदवारों के समर्थकों को छोड़कर बाकी सभी मतगणना स्थल से चले गए। जैसे ही उम्मीदवार विजयी घोषित हुए उनके समर्थकों ने उन्हें गाड़ी में बैठकर विजयी जुलूस निकाला और मतगणना केन्द्र से लेकर उनके निवास व कार्यालयों तक आतिशबाजी की और मिठाइयां बांटी।

फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र से पहली बार विधायक चुने गए नरेन्द्र गुप्ता के समर्थकों ने मतगणना स्थल से लेकर उनके कार्यालय तक विजयी जुलूस निकाला। तिगांव से विधायक चुने गए राजेश नागर विजयी होने के पश्चात सबसे पहले बाबा सूरदास स्थल गांव तिलपत पहुंचे तथा वहां मंदिर में दर्शन किए। जिसके बाद कार्यकर्ताओं ने उनके कार्यालय गांव भतौला तक राजेश नागर का विजय जुलूस निकाला। बल्लभगढ़ से दूसरी बार विधायक चुने गए मूलचंद शर्मा व बड़खल से विधायक सीमा त्रिखा के भी समर्थकों ने मतगणना केन्द्र से दोनों के बाहर आते ही जमकर आतिशबाजी की। जिसके बाद अग्रवाल धर्मशाला बल्लभगढ़ से लेकर विधायक मूलचंद शर्मा के सेक्टर-2 स्थित कार्यालय तक विजयी जुलूस निकाला। मूलचंद शर्मा का विजयी जुलूस जहां-जहां निकलता वहां-वहां लोग उन पर पुष्प वर्षा करते।

इसके अलावा दौलतराम खान धर्मशाला से बड़खल की विधायक सीमा त्रिखा के समर्थक उन्हें उनके निवास सेक्टर-21बी तक जीप में लेकर गए। जहां समर्थकों ने जमकर आतिशबाजी की। इस अवसर पर विधायक सीमा त्रिखा ने कहा कि यह जीत उनकी नहीं बल्कि जनता की है। पहले योजना के बचे हुए कार्यों के अलावा बड़खल क्षेत्र की समस्याओं को जड़मूल से समाप्त किया जाएगा।

कांग्रेस विधायक नीरज शर्मा के समर्थकों ने लखानी धर्मशाला से उन्हें, उनके बड़े भाई मुकेश शर्मा व मुनेश शर्मा के साथ जवाहर कालोनी स्थित निवास तक विजय जुलूस निकाला। इस मौके पर डीजे के अलावा जमकर आतिशबाजी की तथा कार्यालय पर पहुंचते ही सभी कार्यकर्ताओं को मिठाई वितरित की गई। नीरज शर्मा का कहना है कि यह उनकी जीत नहीं बल्कि एनआईटी-86 वासियों की जीत है। उनका भी सदैव प्रयास रहेगा कि वह जनता के अधिक से अधिक कार्य करें और अपने पिता स्व. पंड़ित शिवचरणलाल शर्मा व बड़े भाई मुकेश तथा मुनेश शर्मा के दिखाएं मार्ग पर चलें।

पृथला विधानसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित निर्दलीय विधायक नयनपाल रावत ने अपनी जीत को जनता से जोड़ते हुए कहा कि यह उनकी जीत नहीं बल्कि यह जीत पृथला क्षेत्र की छत्तीस बिरादरी की जनता की जीत है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता ने जो प्यार और सम्मान उन्हें दिया है, उसके लिए वह ताउम्र उनके आभारी रहेंगे। चुनाव जीतने के बाद नयनपाल रावत सर्वप्रथम अपने पैतृक गांव असावटी पहुंचे, जहां उन्होंने अपनी मां का आर्शीवाद लेते हुए उन्हें विजयी प्रमाण पत्र उनके हाथों में रख दिया। इसके उपरांत वह चंदावली स्थित कार्यालय पहुंचे, जहां हजारों-हजारों की तादाद में लोगों ने उनका ढोल नगाड़ों एवं फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया।

फरीदाबाद में बृहस्पतिवार को विधानसभा चुनाव में जीत के बाद विजय जुलूस निकालते भाजपा के नरेन्द्र गुप्ता। -हप्र

फरीदाबाद में बृहस्पतिवार को बड़खल से विजयी घोषित होने के बाद भाजपा नेता सीमा त्रिखा अपने समर्थकों के साथ विजय चिन्ह बनाती हुईं। -हप्र

देवीलाल पार्क में जजपा नेताओं ने मनाया जश्न

पलवल, 24 अक्तूबर (हप्र)

विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद पलवल में जननायक जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को ताऊ देवीलाल पार्क में जश्न मनाया और इस दौरान जजपा के अच्छे प्रदर्शन व दुष्यंत चौटाला सहित सभी प्रत्याशियों की खुशी में लड्डू बांटे।

इस अवसर पर जजपा किसान सैल के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सुखराम डागर व जनरल बॉडी की प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य जीतू दीघोट ने कहा कि दस महीने की पार्टी ने जो प्रदर्शन विधानसभा चुनावों में करके दिखाया है वह काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं का मजाक उड़ाने वाले लोग औंधे मुंह गिर पड़े हैं। इस अवसर पर जीतू दीघोट ने कहा कि प्रदेश के युवा सहित 36 बिरादरी दुष्यंत चौटाला को अपना नेता मान चुकी है। इस अवसर पर युवा जिला अध्यक्ष बृजेश अटोंहा, पूर्व युवा अध्यक्ष भगत सिंह घुघेरा, किसान प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष गजराज सहरावत, गिर्राज चौहान, सुनील रजोलका, कुमर कुंडू, दुष्यंत धतीर, सतबीर सहरावत आदि मौजूद थे।

दैनिक ट्रिब्यून

स्थापना 15 अगस्त 1978

खुशियों की सौगात

घोषणाओं के दूरगामी परिणाम भी सोचें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की समिति की बैठक में दलहन-तिलहन के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि से जहां दीवाली से पहले किसानों के चेहरों में खुशी लाने का प्रयास हुआ, वहीं बीएसएनएल के पुनरुत्थान की सार्थक पहल भी हुई। सही मायनो में यह फैसला लाखों बीएसएनएल कर्मचारियों के परिवार को त्योहार-सा सुख देने वाला है। दरअसल, निरंतर घाटे में चल रहे सार्वजनिक क्षेत्र की इस दूरसंचार कंपनी के भविष्य को लेकर तरह-तरह के कयास लगाये जा रहे थे। वहीं दिल्ली में हजारों अवैध बस्तियों को मालिकाना हक देने का भी फैसला हुआ जो सही मायने में इन लोगों के लिये दीवाली मनाने जैसा ही है। हालांकि, सरकार के इस फैसले को आगामी विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। आर्थिक मामलों की समिति ने बुधवार को हुई बैठक में जहां गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 85 रुपये की वृद्धि की, वहीं दलहनों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 325 रुपये की वृद्धि की गई है, जिसका मकसद किसानों को उपज का बेहतर मूल्य देना बताया जा रहा है। इसके साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र की संचार कंपनियों एमटीएनएल और बीएसएनएल के उद्धार के लिये दोनों कंपनियों का विलय करने का फैसला लिया गया। सरकार ने भारतीय संचार निगम लिमिटेड को पटरी पर लाने लिये 29 हजार 937 करोड़ के निवेश की घोषणा की है। कैबिनेट की बैठक में दोनों कंपनियों के विलय संबंधी फैसले को अंतिम रूप दिया गया। साथ ही सरकार ने तमाम कयासों पर विराम लगाते हुए कहा कि न तो बीएसएनएल का विनिवेश किया जायेगा और न ही किसी कंपनी को बेचा जायेगा। वित्तीय घाटे से उबरने के लिये स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना लायी जायेगी। साथ ही इन कंपनियों को फोर जी सेवा शुरू करने में मदद की जायेगी। इसके साथ ही सरकार कंपनी को मजबूती देने के लिये पंद्रह हजार करोड़ के बॉन्ड भी जारी करेगी।

केंद्र सरकार ने दीवाली से ठीक पहले दिल्ली की 1797 अवैध कॉलोनियों को नियमित करने की घोषणा की। इस फैसले को दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक तौर पर मास्टर स्ट्रोक की संज्ञा दी जा रही है। दरअसल, आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल इस क्षेत्र के लाखों वोटरों को लुभाने के लिये ऐसी मांग पर जोर देते रहे हैं। अब दोनों दल इस फैसले का श्रेय लेने की कोशिश में हैं। विडंबना यही है कि ये अवैध कॉलोनियां सरकारी जमीन, खेतिहर भूमि व ग्राम सभाओं की जमीन पर बनी हुई हैं। बताया जा रहा है कि इस फैसले का लाभ करीब चालीस लाख लोगों को होने वाला है। केंद्रीय आवास व शहरी मामलों के मंत्री के अनुसार सरकार इस बाबत संसद के शीतकालीन सत्र में एक विधेयक लायेगी। सरकार की दलील है कि इन क्षेत्रों में नागरिक सुविधाएं पहुंचाने के मकसद से यह फैसला लिया गया है। अब इन बस्तियों के लोगों को निर्माण और ऋण लेने की अनुमति का अधिकार मिल सकेगा। दरअसल, इन इलाकों में गरीब तबके के लोग ही रहते हैं। वहीं इस कदम का नकारात्मक पक्ष यह भी है कि इससे नई अवैध बस्तियां बसाने का सिलसिला बढ़ता ही जायेगा जो दिल्ली में अनियोजित विकास को बढ़ावा देगा। साथ ही नागरिक सुविधाओं पर अतिरिक्त दबाव बढ़ेगा। निःसंदेह सरकार को उन कारणों की पड़ताल करके समाधान निकालना चाहिए, जिनकी वजह से इन अवैध बस्तियों का निर्माण बदस्तूर जारी है। दरअसल, इस राहत के साथ कई तरह विसंगतियां भी जुड़ी हैं जो शहरों के नियोजित स्वरूप निर्धारण में बाधक साबित होती हैं। फिर नौकरशाहों व राजनेताओं की मिलीभगत से बनने वाली ऐसी अवैध बस्तियों को राजनीतिक लाभ के मकसद से बढ़ावा देने का सिलसिला अन्य शहरों में भी शुरू हो जाता है। इसके दूरगामी परिणामों पर सरकारों को विचार करना चाहिए।

आज का विचार

कर्म की दृढ़ता वस्तुतः व्यक्ति की मानसिक दृढ़ता ही है। शेष सब पृथक ही ठहरते हैं।

– तिरुवल्लुवर

एकदा

बुराइयों के त्याग से संन्यास

एक बार भगवान बुद्ध दोपहर के समय एक स्थान पर भिक्षाटन से प्राप्त भिक्षा ग्रहण कर रहे थे। तभी पोतलिय नामक एक गृहपति वहां आया। बुद्धदेव ने उससे कहा, 'आओ गृहपति आसन पर विराजमान हो।' पोतलिय ने कहा, 'भगवन्! आप मुझे 'गृहपति' कहकर सम्बोधित न करें क्योंकि मैंने अपने घर को त्याग दिया है।' तथागत ने कहा, 'नहीं गृहपति! तुम्हारा व्यक्तित्व एवं चर्या तुम्हें गृहपति ही सिद्ध करती है।' पोतलिय फिर अपनी बात रखते हुए बोला, 'भगवन्! मैंने अपनी खेतीबाड़ी का काम छोड़ दिया है। खरीद-बिक्री के व्यवहार त्याग दिये हैं। मेरे पास जो भी धन-धान्य था, सभी अपने पुत्रों को बांट दिया है। मैं तो सिर्फ खाने-पहनने से ही वास्ता रखता हूं।' 'मगर गृहपति! तू यह समझता है कि तूने घर के सारे व्यवहार-उच्छेद कर दिये हैं, यह तेरी सबसे बड़ी भूल है। वास्तविक व्यवहार-उच्छेद इस तरह नहीं होता।' तब वास्तविक व्यवहार-उच्छेद कैसे होता है भगवन्? पोतलिय के सवाल के जवाब में बुद्धदेव बोले, 'गृहपति सुनो! हिंसा, लोभ, क्रोध, अभिमान व चुगली करने का त्याग है व्यवहार-उच्छेद। गृह त्याग का अर्थ घर से दूर रहने से नहीं बल्कि बुराइयों के त्याग से है। सारे अनर्थ की जड़ ये बुराइयां ही हैं और इन्हीं का त्याग करने से ही धार्मिक जीवन की प्रतिष्ठापना संभव है।' प्रस्तुति : शशि सिंघल

40 साल पहले

दैनिक ट्रिब्यून

वामपंथी संयुक्त मोर्चा को बादल फार्मूला अमान्य

जालंधर, 24 अक्तूबर (निस)। लोकतांत्रिक तथा वामपंथी मोर्चा ने अकाली दल के बादल धड़े का यह फार्मूला पूरी तरह रद्द कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि अकाली दल जनता पार्टी के साथ भी लोकसभा चुनावों में सीटों के बारे में तालमेल करे और मोर्चा के साथ भी। मार्क्सवादी नेता हरकिशन सिंह सुरजीत ने राज्यस्तर पर आयोजित सभा में उक्त घोषणा की और कहा कि अकाली दल पुराने अनुभव से पाठ ग्रहण करे। उसे साम्प्रदायिक तत्त्वों, जनसंघ तथा आरएसएस से छुटकारा पाकर वामपंथी मोर्चा में शामिल होना चाहिए।

हरियाणा में बिजली संकट गहराया

चंडीगढ़ (प्रेट्र)। हरियाणा के सिंचाई एवं विद्युत मंत्री रिजकराम के अनुसार प्रदेश में भीषण बिजली संकट पैदा हो गया है। भाखड़ा-व्यास परियोजना से हरियाणा को उसका हिस्सा पूरा नहीं मिल रहा है तथा बदरपुर और इंद्रप्रस्थ बिजलीघरों से सप्लाई बिल्कुल ही बंद हो गयी है। उन्होंने आज यहां पत्रकारों को बताया कि हरियाणा में 150 लाख यूनिट बिजली की रोजाना खपत है जबकि उसे कुल मिलाकर 77 लाख यूनिट बिजली मिल रही है। नदियों में जल-प्रवाह कम हो जाने से बिजली उत्पादन घट गया है।

खाद्यान्न से भरे गोदाम और भुखमरी का दाग

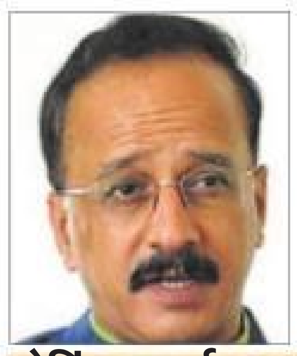

देविंदर शर्मा

एक ओर देश को बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के दावे किये जा रहे हैं और दूसरी ओर भुखमरी के वैश्विक आंकड़े हमें शर्मसार कर रहे हैं। बावजूद इसके कि गोदामों में अनाज रखने की जगह नहीं है। यह विसंगतियों का विकास थमना चाहिए। पहली प्राथमिकता भूख-कुपोषण का खात्मा हो।

कई बार किसी वस्तु के बहुतायत में होने के बावजूद बना अजीब सा विरोधाभास व्याख्या से परे होता है। ऐसे समय में जब देश के खाद्यान्न भंडार फटने की हद तक अनाज से अटे पड़े हैं, ऐसे में वर्ष 2019 के लिए जारी किए गए 'वैश्विक भुखमरी सूचकांक सूची' में भारत को 117 देशों में 102वें स्थान पर रखे जाने पर हैरानी होती है, क्योंकि इस रैंकिंग के मुताबिक यह पायदान गंभीर भुखमरी की श्रेणी में आने वालों का बनता है। यही काफी नहीं था कि यूनीसेफ की 'स्टेट ऑफ वर्ल्ड चिल्ड्रेंस' (दुनियाभर में बच्चों की स्थिति) नामक रिपोर्ट में 5 साल से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में भारत का स्थान सबसे ऊपर बताया गया है। यानी हर साल 8.82 लाख नन्हे बच्चे असामयिक मृत्यु को प्राप्त होते हैं।

एक तरफ ये रिपोर्टें हैं तो दूसरी ओर राष्ट्रीय उपभोक्ता मामले और खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने विदेश मंत्रालय को पत्र लिखकर सुझाव दिया है कि भारतीय खाद्य निगम के भंडारों में और ज्यादा अनाज रखने की गुंजाइश नहीं है, अतएव फालतू खाद्यान्नों को बतौर मानवीय सहायता एवं दान जरूरतमंद और पात्र देशों तक पहुंचाया जा सकता है। अब विडंबना देखिए कि ठीक इसी वक्त अपने ही देश में 6 से 8 माह के शिशुओं में लगभग 90 फीसदी कुपोषण के शिकार हैं ! जहां अत्यंत भूख गरीबों पर मार करती है वहीं मौन त्रासदी की भेंट सबसे कीमती मानव स्रोत यानी नौनिहाल चढ़ते हैं और यह तमाम वाकया बेआवाज हो गुजरता है। प्रत्येक एक सेकेंड कोई न कोई एक बच्चा अविकसित या कुपोषित बन जाता है।

रिपोर्टें बताती हैं कि 1 अक्तूबर, 2019 के दिन कुल जनसंख्या के हिसाब से देश को 307.70 लाख टन खाद्यान्न की जरूरत बनती है लेकिन राष्ट्रीय खाद्य निगम के गोदाम उक्त तारीख से एक महीने पहले ही यानी 1 सितंबर के दिन दोगुणे से अधिक यानी 669.15 लाख टन गेहूं-चावल से अटे पड़े थे। तिस पर मौजूदा खरीफ फसल में धान की आमद पूरे शबाब पर है, लिहाजा आने वाले कुछ हफ्तों में केंद्रीय पूल की खाद्य भंडारण समर्था पर और ज्यादा बोझ पड़ने की पूरी उम्मीद है। इस स्थिति में और अधिक इजाफा 2018-19 में हुई फलों और सब्जियों की रिकॉर्ड फसल ने कर दिया है, ऊपर से इस अवधि में दूध का उत्पादन अलग से 176 मिलियन टन को छू गया है। खाने-पीने की इतनी बहुतायत के चलते कोई वजह नहीं बनती कि भारत में विश्वभर में सबसे ज्यादा भुखमरी के शिकार मौजूद हों। जैसा किसी ने पहले कहा है : 'यदि भंडारों में पड़े अनाज के बोरों को एक-दूसरे के ऊपर रख दिया जाए तो चांद तक जाकर वापिस आया जा सकता है।' इस टिप्पणी के बाद भी अतिरिक्त खाद्यान्न के भंडार बढ़ते ही जा रहे हैं।

फालतू अनाज का इतना विशाल भंडार होने के बावजूद अंतरराष्ट्रीय भुखमरी सूचकांक में भारत को अपने पड़ोसी मुल्कों से भी नीचे रखा गया है। जबकि चीन इस सूची में गौरवान्वित 25वें स्थान पर है। भारत 'ब्रिक्स' देशों से भी कहीं नीचे पायदान पर है, जबकि श्रीलंका (66वें), नेपाल (73वें), बांग्लादेश (88वें) उत्तर कोरिया (92वें), इथियोपिया (93वें) और पाकिस्तान (94वें) ने हमसे बेहतर कारगुजारी दिखाई है। वर्ष 2006 से शुरू होकर, जब से अंतरराष्ट्रीय भुखमरी सूचकांक जारी होने शुरू होने हुए हैं, तब से आई 14 रिपोर्टों में भारत की स्थिति कमोबेश वहीं की वहीं बनी हुई है।

यहां तमाम प्रश्न प्राथमिकताओं का बनता है क्योंकि जहां तमाम जोर आर्थिक विकास की ऊंची दर पाने पर लगा हो, वहां भूख और कुपोषण पर दिए जाने वाले ध्यान को आर्थिक उन्नति की स्वप्निल आभा में बुहारकर एक किनारे कर ही दिया जाता है। लेकिन भूख का कुरूप चेहरा है कि वह आर्थिक सुधारों के लिए बनाई जाने वाली इन तमाम नीतियों को धता बताते हुए इनकी 'उपलब्धि' को ढांप लेता है, जबकि इनके नियंता इस धारणा पर यकीन करते हैं कि आर्थिक उन्नति होने से भूख की शिकार जनसंख्या खुद-ब-खुद घट जाएगी। यह तब भी होता रहा था जब पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कुपोषण को एक 'राष्ट्रीय शर्म' ठहराया था। उनसे पहले रहे प्रधानमंत्रियों ने भी समय-समय पर भुखमरी से लड़ने का संकल्प दोहराया था, लेकिन भूख और कुपोषण हैं कि सदाबहार कंटीली झाड़ी की तरह कायम हैं।

भुखमरी हटाना वाकई एक जटिल कार्य है। यदि यह दावा ठीक है कि बाल-कुपोषण हटाने में काफी कुछ हासिल किया गया है तो फिर भुखमरी को इतिहास की वस्तु बनाना भी कोई असंभव कार्य नहीं है। वर्ष 2013 में राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा योजना-2013 लागू की गई थी, इसके लाभार्थियों में लगभग दो-तिहाई लोग बनते थे, जिन्हें सस्ती दरों पर अनाज दिया जाना तय किया गया था, परंतु यहां इस तर्ज पर भूख और कुपोषण को मिटाना स्थूल-आर्थिकी नीतियों (मैक्रो इकॉनोमी पॉलिसीज़) का मूल ध्येय नहीं लगता है। यहां तक कि जब उपरोक्त वर्णित खाद्य सुरक्षा नीति का खाका तैयार किया जा रहा था तो मुख्यधारा के कई आर्थिक विशेषज्ञों ने इसको लेकर अपनी आशंका जताई थी कि खाद्यान्नों पर सब्सिडी बढ़ाने से देश का सकल वित्तीय घाटा बढ़ेगा।

परंतु यह धारणा ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा द्वारा वर्ष 2003 में लागू किए गए 'अत्यंत गरीबी उन्मूलन' के तहत 'ज़ीरो हंगर कार्यक्रम' की सफलता के एकदम विपरीत है। उक्त विधि में आपातकालीन सहायता के साथ-साथ कृषि में आधारभूत सुधारों का सम्मिश्रण था। समाचार पत्र 'द गार्जियन' की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2011 आते-आते देश के लगभग 3.2 करोड़ लोग (कुल आबादी का 16 फीसदी) उक्त कार्यक्रम की वजह से गरीबी रेखा से ऊपर आ चुके थे। इसके तहत 'बोसला फैमिलिया' नामक आय हस्तांतरण कार्यक्रम का समावेश था, जिसके चलते देश की एक-चौथाई से ज्यादा आबादी की पहुंच संयुक्त खाद्य सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक हो गई थी और स्थानीय क्षेत्र, खासकर ग्रामीण-विकास करने, के उपाय लागू करने से काफी लाभ हुआ था। इसकी बदौलत आज भुखमरी सूचकांक में ब्राजील का स्थान 18वां है, वह सूची में चीन से भी बेहतर पायदान पर है।

ब्राज़ील के 'ज़ीरो हंगर कार्यक्रम' ने सफलतापूर्वक खाद्य उत्पादन को भूख मिटाओ ध्येय से जोड़ दिखाया है। हां, बीच में कुछ रिक्त स्थान हो सकता है तथापि समयबद्ध चरणों में इसको प्राप्त किया गया है, इसका अनुसरण किया जा सकता है। भारत में नीतियां ज्यादातर खाद्य उत्पादन बढ़ाने पर केंद्रित होती हैं, परंतु फालतू अनाज को कमी वाले क्षेत्र में बांटना एवं किसानों की भलाई पर तरजीह कहीं दिखाई नहीं देती है। कृषि क्षेत्र में परोक्ष-अपरोक्ष रूप से लगभग 60 करोड़ श्रमिक जुड़े हैं, कृषि का पुनरुत्थान करना मूल सिद्धांत होना चाहिए। इस ध्येय को सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा किए जाने वाले निवेश को बढ़ाकर किया जा सकता है, जो अन्यथा वर्ष 2011-12 लेकर 2016-17 के बीच कुल सकल उत्पादन का महज 0.4 प्रतिशत रहा है।

पिछले कुछ दशकों से भूख से लड़ने के ज्यादातर नारे-इरादे आधे-अधूरे दिल से किए जाते रहे हैं, परंतु चौंका देने वाले इस आंकड़े के मद्देनजर कि हर दिन 2,400 से ज्यादा शिशु कुपोषण का शिकार होकर दम तोड़ देते हैं, इसे 'मौत का बोझ' श्रेणी में रखा जा सकता है। साल-दर-साल खाद्यान्न उत्पादन के स्तर में कोई कमी न आने और आर्थिक नीतियों को नए सिरे से बनाने की हमारी समर्था के चलते जरूरत है तो केवल दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति की जो भुखमरी को मिटा सके। भारत तब तक एक आर्थिक महाशक्ति बनने का सपना नहीं देख सकता जब तक इसकी आबादी का एक बड़ा हिस्सा भूखा और कुपोषण का शिकार है।

लेखक खाद्य एवं कृषि विशेषज्ञ हैं।

चर्चित चेहरा

बे-दाग बनाने को अब 'दादागिरी'

अरुण नैथानी

सफल बल्लेबाज-कप्तान की यादगार पारी खेलने के बाद सौरभ गांगुली के कंधों पर दुनिया के सबसे बड़े-मालदार क्रिकेट बोर्ड के प्रबंधन का दायित्व आया है। साख खोते इस संगठन के पारदर्शी संचालन से जुड़ी तमाम चुनौतियां उनके सामने हैं। मगर उनके पास समय कम है।

यह पैंसठ साल बाद हुआ है कि किसी क्रिकेट कप्तान को दुनिया के सबसे धनी क्रिकेट बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया है। पिछले दशकों में विशुद्ध राजनीति, भाई-भतीजावाद और कदाचार इस जेंटलमैन खेल में व्याप्त हो गए थे। तमाम विसंगतियों को दूर करने के लिए सुप्रीमकोर्ट ने दखल दिया था। अब सुप्रीमकोर्ट द्वारा नियुक्त प्रशासकों की समिति का तैंतीस माह से चला आ रहा शासन खत्म हो गया है। गांगुली के लिये करने के लिये बहुत कुछ है, वे करना भी चाहते हैं, मगर विडंबना यही है कि उन्हें सिर्फ दस महीने मिलेंगे। अब वे लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई टीम के साथ काम करेंगे। कहना मुश्किल है कि उनकी टीम राजनीति की छाया से मुक्त होकर काम कर पायेगी।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 18000 रन बना चुके और सफल पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली की छवि विवादों से मुक्त ही रही है। यही वजह है जब उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता प्रथम श्रेणी के क्रिकेटरों की देखभाल है तो उम्मीद जगी कि भारतीय क्रिकेट के अच्छे दिन आयेंगे। सौरभ गांगुली ने जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का अध्यक्ष पद संभाला तो वे 39वें अध्यक्ष बने। वे जुलाई 2020 तक अपने पद पर बने रहेंगे। वे इस पद पर निर्विरोध चुने गये। यह कार्यवाही तब शुरू हुई जब जस्टिस एस.ए. बोबड़े और जस्टिस नागेश्वर राव ने बीते मंगलवार को प्रशासकों की समिति यानी सीओए को भंग करने का आदेश दिया। दरअसल, तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश जस्टिस आर.एम. लोढ़ा की सिफारिशों पर 2017 में सीओए का गठन किया गया था। यह वह दौर था जब बीसीसीआई गंभीर आरोपों से घिरी थी।

गांगुली जैसे दिग्गज खिलाड़ी को ज्यादा समय अध्यक्ष की भूमिका के रूप में मिलता तो शायद वे बड़े बदलाव ला सकते थे। दरअसल, लोढ़ा कमेटी की

सिफारिशों के अनुसार कोई भी व्यक्ति राज्य क्रिकेट बोर्ड या बीसीसीआई में छह साल से अधिक समय तक नहीं रह सकता। गांगुली वर्ष 2014 से ही बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन के विभिन्न पदों पर रहे हैं। इसके बाद उन्हें तीन साल के कूलिंग पीरियड पर जाना होगा। सौरभ गांगुली इंडियन प्रीमियर लीग की संचालन परिषद के चार सदस्यों में से एक रहे हैं। उन्हें यह जिम्मेदारी सुप्रीमकोर्ट ने वर्ष 2016 में दी थी।

गांगुली ने जहां एक ओर धमाकेदार बल्लेबाज के रूप में अपनी पारी खेली, वहीं उनकी गिनती भारत के सफल कप्तानों के रूप में होती है। सचिन तेंदुलकर के कप्तानी से हटने के बाद गांगुली को भारतीय टीम का नेतृत्व करने का मौका मिला था। उन्होंने वर्ष 2003 में संपन्न विश्वकप में भारतीय टीम का नेतृत्व किया था। कालांतर बल्ले की लय खोने के बाद उन्हें जाना पड़ा था। उल्लेखनीय है कि क्रिकेट में विशेष योगदान के लिये सौरभ गांगुली को वर्ष 2004 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

निःसंदेह गांगुली के सामने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की छवि सुधारने तथा बेहतर ढंग से संचालन की चुनौती है। संस्था के प्रशासन में पारदर्शिता लाने का दबाव होगा। प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों की सुविधाओं व मेहनताने में वृद्धि को उन्होंने प्राथमिकता देने की बात कही है। दिग्गज क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भविष्य, दिन-रात के टेस्ट मैच कराने, आईसीसी से देश का राजस्व का हिस्सा बढ़ाने जैसी चुनौतियां भी गांगुली के सामने हैं। फिर विश्व क्रिकेट के सबसे बड़े संगठन को सुचारु रूप से चलाने का दायित्व भी उनके कंधों पर रहेगा। बकौल गांगुली उनके लिये कुछ अच्छा करने का सुनहरा मौका है।

कामयाब कप्तान के बाद अब दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड का अध्यक्ष बनना गांगुली की उपलब्धि ही है। मगर उनके सामने चुनौती यह भी है कि प्रभावशाली लोगों के भाई-भतीजों से प्रभावित बीसीसीआई का स्वतंत्र संचालन वे कैसे कर पाते हैं। इसके साथ ही राज्य क्रिकेट संघों की गतिविधियों पर भी नजर रखनी होगी। हालांकि बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन और एक कप्तान व क्रिकेटर के रूप में हासिल अनुभव उनकी नई पारी खेलने में मददगार होंगे। संभव है फिर वे बीसीसीआई को साफ-सुथरा बना पायें।

गांगुली के सामने चुनौती यह भी है कि जिन लोगों की वजह से क्रिकेट के दामन में दाग लगे, पर्दे के पीछे से उनकी भूमिकाएं खत्म नहीं हुई हैं। राजनीति ने क्रिकेट प्रबंधन को गहरे तक जकड़ रखा है। उनकी नियुक्ति के भी पश्चिम बंगाल की भावी राजनीति से तार जोड़े जा रहे हैं। ऐसे में उनकी टीम के लिये बेहतर प्रशासन दे पाना एक चुनौती होगी। सबसे अच्छी बात यह है कि लोढ़ा समिति की सिफारिशों के अनुरूप बीसीसीआई की कमान एक क्रिकेटर को मिली है। चुनाव लोकतांत्रिक ढंग से हुए हैं। ऐसे में देखना होगा कि क्रिकेटरों में दादा के नाम से चर्चित सौरभ गांगुली इस नई पिच पर कैसे 'दादागिरी' दिखाकर चौके-छक्के लगाते हैं।

ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि भारतीय क्रिकेट मैच फिक्सिंग जैसे दागों की जद में दुबारा नहीं आएगा। आक्रमक बल्लेबाजी और कप्तानी के बाद उनसे एक और आक्रमक पारी की उम्मीद है।

तिरछी नज़र

हवा के इशारे, समझो प्यारे !

देवेन्द्रराज सुथार

हवा ही है जो हमारे जीवन के दीये की लौ को बुझने नहीं देती। हवा ही है जो हमारे वर्तमान और भविष्य को तय करती है। यदि आपके आसपास बीमार हवा चली रही है तो आप भी बीमार पड़ जाएंगे।

हवा बदल रही है और बदलती हवा इशारे कर रही है। सर्दी की आहट स्पष्ट सुनाई देने लगी है और सुबह-सुबह इस आहट का बखूबी अहसास भी होने लगा है। हवा इन दिनों दिल्ली में भी नया रुख ले रही है। हवा के कारण दिल्लीवासियों को परेशानी होनी शुरू हो चुकी है। पराली से हवा को एलर्जी भी हो रही है। हवा देश में राम मंदिर और अयोध्या विवाद के सुखद अंत को लेकर भी पूरे वेग के साथ चल रही है।

वैश्विक भूख सूचकांक में भारत की 102वीं पोजीशन साफ कर रही है कि हवा में अभी भी भुखमरी के अंश सकुशल विद्यमान हैं। आजादी दिलाने वालों ने कामना की थी देश की आजादी के बाद हवा बदलेगी। हर घर में खुशहाली आएगी, बच्चों के मुख पर लाली आएगी और खेतों में हरियाली आएगी। लेकिन हवा बदलने से ज्यादा बिगड़ती चली गई। परिणामस्वरूप हवा ने ऐसे हालात खड़े कर दिए कि अब न निगलते बन रहा है, न उगलते।

देशभर में दीपोत्सव की हवा चल रही है। पटाखों ने पूरी तैयारी कर ली है कि अब की बार तो हवा की हवा ही निकाल देंगे। खूब छूटेंगे सुतलीबम। कानों के पर्दे फट न जाएं, तब तक हम दम नहीं लेंगे। अतः हवा को बिगाड़ने में हमारी भूमिका को भी कम नहीं आंका जा सकता। हवा से दुश्मनी करने वालों को हवा ही सबक सिखाएगी। जब सांस भी नहीं ली जाएगी तभी हमारी अक्ल ठिकाने आएगी क्योंकि हम तो लातों के भूत हैं, बातों से मान भी कैसे जाएं?

देश की हवा को बिगाड़ने में जितना योगदान दीवाली के पटाखों का है, उतना ही योगदान हमारी राजनीति और राजनेताओं का भी है। दिल्ली की हवा इसलिए बार-बार बिगड़ती है क्योंकि वहां बहुतायत में राजनीति के धुरंधर अपनी शरणस्थली जमाए बैठे हैं। उनके बेतुके बयानों और टीका-टिप्पणियों से आए दिन भारतीय राजनीति की हवा दूषित होकर दम घोटने लग जाती है।

हर नेता अपने आप में किसी सुतलीबम से कम थोड़े ही न है! हवा को स्वच्छ करने के लिए भी हमारे प्रधानमंत्री जी को एक अभियान चलाने के बारे में सोचना चाहिए क्योंकि हवा ही है जो हमारे जीवन के दीये की लौ को बुझने नहीं देती। हवा ही है जो हमारे वर्तमान और भविष्य को तय करती है। यदि आपके आसपास बीमार हवा चली रही है तो आप भी बीमार पड़ जाएंगे। यदि आपके आसपास प्रेम और रोमांस की हवा चल रही है तो आप भी उसमें बहकर यह तराना गुनगुनाने लगेंगे—मैं से मीना से ना साकी से, ना पैमाने से... दिल बहलता है मेरा आपके आ जाने से...।

यदि आपके आसपास ज्ञान और अध्यात्म की हवा चल रही है तो आपकी कामोत्तेजक प्रवृत्तियों पर लगाम लग जाएगी और आप परमात्मा की चरण वंदना करने लग जाएंगे। यानी कि सारा का सारा खेल हवा का है। जैसी हवा वैसा हमारा मन बनता जाता है। इसलिए अच्छी हवा के संपर्क में रहिए। वरना देश में चल रही पाश्चात्य संस्कृति की हवा खाते-पीते आदमी की पेंट को फड़वाकर फैशन का टैग लगवाकर भिखारी बनाकर रख देगी। अश्लीलता की हवा हमें अंत के कगार पर नहीं ले जाए, इस बाबत संभलना होगा।

आपकी राय

शुभ संकेत नहीं

23 अक्तूबर के दैनिक ट्रिब्यून का संपादकीय 'कम मतदान के मायने' साबित करता है कि शहरी मतदाता कहीं न कहीं अपनी जिम्मेदारी सही नहीं निभा रहा है। हालांकि, साक्षर एवं श्रमिक वर्ग तथा ग्रामीण नागरिकों ने भी शतप्रतिशत मतदान नहीं किया। उनके पास तो खेत-खलिहान में कार्य, पशुओं के लिए चारा, घरेलू आवश्यक दैनिक कार्य आदि तार्किक कारण हैं। वहीं शिक्षित एवं साधन-संपन्न, मासिक वेतनभोगी वर्ग का मतदान के प्रति अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाना वाकई लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। यह जानते हुए भी कि शासन-प्रशासन के नियमों के अच्छे या बुरे पहलू से शहरी नागरिकों का वास्ता ग्रामीण नागरिकों से पहले एवं उनसे ज्यादा पड़ता है।

राजकुमार, राजौंद

अशिक्षा से धर्मांधता

स्वयंभू कल्कि भगवान नामक व्यक्ति, जो 1980 में इस बाबागीरी के व्यवसाय में उतरा था, के यहां इनकम टैक्स के सैकड़ों कर्मचारियों -अधिकारियों को उसकी अपार सम्पत्ति की गणना करने में ही 5 दिन लग गये। इसका सीधा-सा उत्तर है कि समाज में व्याप्त फैला अशिक्षा और धर्मांधता के कारण लोग इन कपटी सन्तों के छद्म बातों में फंस जाते हैं। सत्ताधीशों की भी यही नीतियां है कि जहां तक संभव हो, लोगों को अशिक्षित, अंध-धर्मवादी और अंधभक्त बनाए रखो। यही इन कथित संतों और राजनीति के आधुनिक कर्णधारों की सफलता का राज भी है।

निर्मल कुमार शर्मा, गाजियाबाद

राजनीतिक सर्कस

प्रियंका गांधी ने मोदी सरकार पर तंज कसते हुए कहा है कि अर्थव्यवस्था ढही जा रही है। आपका काम है उसको सुधारना न कि कॉमेडी सर्कस चलाना। वैसे कांग्रेस पार्टी का भी यही हाल है। वह भी लगातार ढही जा रही है, उसे भी सुधारने की जरूरत है। इसलिए पार्टी के नेताओं, खासकर राहुल को समझाना चाहिए कि वे भी कॉमेडी सर्कस न चलाएं।

राम मूरत, सूर्यदेव नगर, इंदौर

संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशनार्थ लेख इस ईमेल पर भेजें :-
dtmagzine@tribunemail.com

कौन बना विधायक

यमुनानगर
घनश्याम दास अरोड़ा

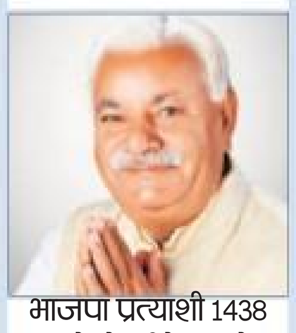

भाजपा प्रत्याशी 1438 मतों से जीते। उन्हें 64795 वोट मिले।

जगाधरी
कंवरपाल

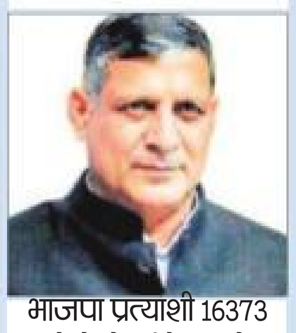

भाजपा प्रत्याशी 16373 वोटों से जीते। उन्हें 66376 मत मिले।

रादौर
बिशन लाल सैनी

कांग्रेस प्रत्याशी 2541 मतों से जीते। उन्हें 54087 वोट मिले।

साढ़ौरा
रेणू बाला

कांग्रेस प्रत्याशी 1720 मतों से जीतीं। उन्हें 65730 वोट मिले।

अंबाला शहर
असीम गोयल

भाजपा प्रत्याशी 8923 मतों से जीते। उन्हें 64799 मत मिले

अंबाला छावनी
अनिल विज

भाजपा प्रत्याशी 20165 मतों से जीते। उन्हें 64571 वोट मिले।

मुलाना
वरुण चौधरी

कांग्रेस प्रत्याशी 1631 मतों से जीते। उन्हें 64170 मत मिले

नारायणगढ़
शैली चौधरी

कांग्रेस प्रत्याशी 20406 वोटों से जीतीं। उन्हें 53323 मत मिले।

पंचकूला
ज्ञान चंद गुप्ता

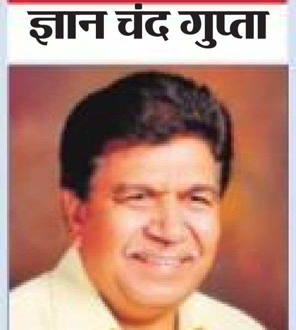

भाजपा प्रत्याशी 5633 वोट से जीते। उन्हें 61537 मत मिले

कालका
प्रदीप चौधरी

कांग्रेस प्रत्याशी 5931 मतों से जीते। उन्हें 57948 वोट मिले।

यमुनानगर विधानसभा सीट

यमुनानगर, जगाधरी में भाजपा सीट बचाने में रही कामयाब

पूर्व मंत्री कर्णदेव कांबोज, साढौरा से विधायक बलवंत को देखना पड़ा हार का मुंह

सुरेंद्र मेहता/हमारे प्रतिनिधि

यमुनानगर, 24 अक्तूबर

यमुनानगर जगाधरी विधानसभा सीटों पर भाजपा ने जहां लगातार दो बार जीत दर्ज कर इतिहास रचा है। वहीं, पिछली सरकार में पूर्व राज्य मंत्री कर्णदेव कांबोज व साढौरा से विधायक रहे बलवंत सिंह को हार का मुंह देखना पड़ा। जिले की चारों विधानसभा सीटों में से दो भाजपा व दो कांग्रेस के पाले में गयीं। जबकि वर्ष 2014 में जिले की चारों सीटों पर भाजपा ने परचम फहराया था।

कड़े मुकाबले में विजयी रहे घनश्याम दास अरोड़ा

यमुनानगर विधानसभा सीट पर दस प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। जिनमें भाजपा के प्रत्याशी घनश्याम दास अरोड़ा ने 64795 मत हासिल कर दूसरी बार जीत हासिल की। उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी इनेलो प्रत्याशी दिलबाग सिंह को 1438 मतों से हराया। दिलबाग सिंह ने 63357 मत प्राप्त किए। जबकि कांग्रेस प्रत्याशी निर्मला चौहान तीसरे स्थान पर रही। उन्हें मात्र 9766 मत मिले। बसपा के योगेश कुमार को 7729, जजपा के शैलेश त्यागी को 2037, आप प्रत्याशी अरविंद्र सिंह खालसा को 615, लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी के सतीश सिंह को 216 मत पड़े। घनश्याम दास ने दूसरी बार जीत हासिल कर नया इतिहास रचा।

जगाधरी में जीत के बाद बृहस्पतिवार को समर्थकों के साथ मतगणना सेंटर से बाहर आते हुए चौ. कंवरपाल गुर्जर। -निस

51 साल बाद रादौर की सत्ता में लौटी कांग्रेस

रादौर विधानसभा पर इनेलो छोड़कर कांग्रेस में आए बिशन लाल सैनी ने रादौर में 51 साल बाद कांग्रेस की वापसी की है। इससे पहले 1967 में कांग्रेस पार्टी से चांदराम रादौर से विधायक बने थे। इस सीट पर कांग्रेस और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर रही। इस सीट पर कांग्रेस के डॉ. बिशनलाल सैनी 2541 मतों से विजयी हुए। उन्हें कुल 54087 मत मिले। जबकि उनके प्रतिद्वंद्धि रहे भाजपा प्रत्याशी कर्णदेव कांबोज को कुल 51546 मत मिले। जबकि तीसरे स्थान पर रहे बसपा के महीपाल सिंह को 18567 मत मिले। वहीं, जजपा के प्रत्याशी मांगा राम को 7161, इनेलो प्रत्याशी राजबीर 3687, एलएसपी प्रत्याशी हरबंश कुमार 2589, आप प्रत्याशी नरेश लाल 1419, एसएचपी प्रत्याशी रवि कुमार 779, बीएससीपी प्रत्याशी राजिंद्र कुमार 677 व आजाद मनप्रीत कुमार को 509 व नोटा को 1126 मत मिले।

त्रिकोणीय मुकाबले में जीते विधानसभा स्पीकर

जगाधरी विधानसभा सीट पर हुए त्रिकोणी मुकाबले में भाजपा के प्रत्याशी एवं विधानसभा स्पीकर कंवरपाल ने 66376 मत हासिल कर जीत दर्ज की है। उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी कांग्रेस के अकरम खान को 16373 मतों से हराया है। अकरम खान को 50003 मत मिले। जबकि तीसरे स्थान पर रहे बसपा के प्रत्याशी आदर्श पाल को 47788 मत मिले। इनके अलावा जजपा के प्रत्याशी अर्जुन सिंह को 2342, इनेलो के बलजीत शर्मा को 861, लोसुपा के नरेश कुमार को 460, जिंदाबाद क्रांति पार्टी के रणजीत सिंह को 307, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के प्रवीण को 270 मत प्राप्त हुए। वहीं नोटा पर 1091 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। कंवर पाल ने लगातार दूसरी बार जीत हासिल कर रिकॉर्ड बनाया है।

साढ़ौरा सीट

कांग्रेस की प्रत्याशी रेणू बाला ने भाजपा प्रत्याशी बलवंत सिंह को 1720 मतों के अंतर से हरा दिया। रेणू बाला को 65730 मत मिले। जबकि उनके प्रतिद्वंद्धी रहे भाजपा प्रत्याशी बलवंत सिंह को कुल 48 710 मत मिले। जबकि तीसरे स्थान पर बसपा के प्रत्याशी सही राम को 25 हजार 842 मत मिले। वहीं, जजपा प्रत्याशी कुशुम शेरवाल, 14948, एलएसपी प्रत्याशी नाथीराम खेड़ा 2878, इनेलो प्रत्याशी सुषमा देवी 1274, सीपीआई प्रत्याशी अरूण कुमार 946, जेकेपी प्रत्याशी रणजीत सिंह 553, बीएएसएपीए प्रत्याशी मंगतराम 486, जबकि नोटा पर 449 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। रेनू बाला ने पहली बार विधायक का चुनाव लड़ा।

अंबाला विधानसभा सीट

2 सीटों पर भाजपा बरकरार, 2 सीटें कांग्रेस ने छीनीं

भाजपा के अनिल विज छठी बार, असीम गोयल दूसरी बार निर्वाचित। कांग्रेस के वरुण, शैली चौधरी पहली बार विधायक

जितेंद्र अग्रवाल/सुभाष चौहान

अंबाला शहर, 24 अक्तूबर

अंबाला जिला की 4 विधानसभा सीटों में से जहां 2 पर भाजपा ने अपनी जीत बरकरार रखी है, वहीं 2 सीटें कांग्रेस ने भाजपा से छीनकर जीत दर्ज की। अंबाला शहर में भाजपा के असीम गोयल और अंबाला छावनी में स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने जीत हासिल की तो वहीं नारायणगढ़ में कांग्रेस की शैली चौधरी और मुलाना में वरुण चौधरी ने जीत हासिल करके कांग्रेस की जोरदार वापसी की। पिछले विधानसभा चुनाव और 2019 के लोकसभा चुनाव में चारों हलकों में भाजपा की काफी बढ़त थी।

भाजपा ने जिन दो हलकों नारायणगढ़ और मुलाना में नये चेहरों को उतारा था वो प्रयोग कामयाब नहीं हो पाया। नारायणगढ़ से विधायक रहे नायब सिंह सैनी के कुरुक्षेत्र से सांसद चुने जाने के बाद पार्टी ने जिला परिषद अध्यक्ष सुरेंद्र राणा को टिकट दिया था जबकि मुलाना से संतोष सारवान चौहान का टिकट काटकर इनेलो से भाजपा में आए राजबीर बराड़ा को टिकट देना भाजपा को महंगा पड़ा। आज चुनाव परिणामों को लेकर सुबह से ही गहमा-गहमी प्रारंभ हो गई थी। चुनाव परिणाम घोषित होते ही विजयी उम्मीदवारों ने जश्न मनाना प्रारंभ कर दिया और ढोल की थाप पर आतिशबाजी छोड़ते हुए एक दूसरे का मुंह मीठा करवाया।

अंबाला छावनी में बृहस्पतिवार को भाजपा प्रत्याशी अनिल विज का स्वागत करते समर्थक व विक्ट्री का निशान बनाते अनिल विज। -प्रदीप मैनी

अंबाला सिटी में बृहस्पतिवार को विजयी भाजपा प्रत्याशी असीम गोयल अपनी माता को भावविह्वल हो गले लगाते हुए। -प्रदीप मैनी

अंबाला शहर में कांटे की टक्कर में जहां पहले दो राउंड में आजाद प्रत्याशी निर्मल सिंह मोहड़ा मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा के असीम गोयल पर भारी पड़े तो वहीं शेष राउंडों में असीम गोयल ने बढ़त बनाए रखी। गांवों से जहां भाजपा को हार का डर था अथवा शहरी क्षेत्र में जहां क्रास वोटिंग का डर सता रहा था, दोनों ही जगह भाजपा ने 8923 मतों से शानदार विजय प्राप्त की। इस सीट से निर्मल मोहड़ा को छोड़ कांग्रेस प्रत्याशी जसबीर मलौर सहित अन्य कोई प्रत्याशी अपनी जमानत नहीं बचा पाए। यहां पर असीम गोयल को 64799 मत मिले। निर्मल सिंह मोहड़ा को 55876 मत लेकिन कांग्रेस के प्रत्याशी जसबीर मलौर को मात्र 18995 मत ही मिल पाए।

इसी प्रकार भाजपा के दिग्गज नेता अनिल विज ने लगातार तीसरी जीत दर्ज करते हुए अंबाला छावनी हलके से छठी बार जीत दर्ज की। उन्होंने निर्दलीय चित्रा सरवारा को हराया। इस सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी वेणू सिंगला अपनी जमानत तक नहीं बचा पाई। अंबाला छावनी से भाजपा के अनिल विज ने अपने निकटतम आजाद प्रत्याशी चित्रा सरवारा को 20165 मतों से हराया। अनिल विज को 64571 व चित्रा को 44406 मत मले। कांग्रेस प्रत्याशी वेणू सिंगला को मात्र 8534 मत मिले और उन सहित सभी अन्य प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। छावनी हलके के बोह व बब्याल गांव से विज को बहुत कम की लीड मिली, लेकिन जैसे ही महेशनगर के शहरी इलाके की गिनती शुरू हुई तो विज की जीत का मार्जिन बढ़ने लगा।

मुलाना सुरक्षित सीट पर भारी उलटफेर करते हुए कड़े मुकाबले में कांग्रेस के युवा प्रत्याशी वरुण चौधरी ने भाजपा के राजबीर बराड़ा को कड़े मुकाबले में 1631 मतों के अंतर से हरा दिया। वरुण कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष फूल चंद मुलाना के सुपुत्र हैं जबकि राजबीर बराड़ा चुनाव से कुछ पहले ही इनेलो छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। मुलाना सुरक्षित से कांग्रेस के वरुण चौधरी को 64170 मत मिले जबकि निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के राजबीर बराड़ा को 62565 मत मिले।

नारायणगढ़ में कांग्रेस की शैली चौधरी ने भाजपा के सुरेंद्र राणा को 20406 वोटों से हराया। नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस की शैली चौधरी को 53323 मत मिले और निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के सुरेंद्र राणा को 32739 मत मिले। शैली चौधरी नारायणगढ़ की पहली महिला विधायक हैं। उन्होंने अपने पति व पूर्व सीपीएस राम किशन गुज्जर के एक मामले में सजायाफ्ता होने के कारण चुनाव लड़ा था।

चलती चक्की

बाब्बा सै यो खास रै, अंबाला का मान!
छक्का तगड़ा सै जड़ा, राजनीति की आन!!

-स.ना.

भाजपा के धुरंधर भी लतिका की नैया नहीं करा सके पार

पंचकूला, 24 अक्तूबर (ट्रिन्यू)

धुरंधर नेताओं के दौरे के बावजूद कालका से भाजपा सीट नहीं बचा सकी। लतिका को इस बार न माता काली का आशीर्वाद प्राप्त हुआ और न ही हलके में विकास कार्यों पर खर्च किये गये 800 करोड़ रुपये का कोई फायदा हुआ। हार का प्रमुख कारण हलके में बेरोजगारी, नशे का अवैध करोबार, अवैध माइनिंग, खराब कानून व्यवस्था माना जा रहा है।

गुप्ता को मिला विकास कार्य का फायदा, पर जीत का अंतर घटा

भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लतिका शर्मा इस बार एड़ी चोटी का जोर लगाने के बावजूद कालका सीट नहीं बचा सकी। हालांकि चुनावी माहौल को उनके पक्ष में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने भी हलके में जनसभाओं को संबोधित किया। लेकिन उनकी मेहनत रंग नहीं लाई।

दरअसल हलके में बेरोजगारी एक अहम समस्या है। बेरोजगारी दूर करने के लिये न तो क्षेत्र में कोई बड़ा उद्योग पिछले पांच साल में लगाया गया और न ही क्षेत्र की जीवन रेखा माने जाने वाली एचएमटी को विधायक बचा पाई। इतना ही नहीं अवैध माइनिंग का धंधा भी बेरोकटोक जारी रहा। हालांकि हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुये प्रदीप चौधरी इन मुद्दों को लेकर जनता में यह संदेश पहुंचाने के कामयाब रहे कि भाजपा उनका भला नहीं कर सकती।

जहां तक पंचकूला हलके की बात है भाजपा के ज्ञानचंद गुप्ता विजयी जरूर हुए हैं लेकिन उन्हें बड़े अंतर से जिस जीत का उम्मीद थी, वह पूरी नहीं हुई। श्री गुप्ता को हलके में खासकर पंचकूला शहर में कराये गये विकास कार्यों का फायदा हुआ है। पंचकूला हलके में दो हजार करोड़ के विकास कार्य कराये गये हैं। हालांकि कांग्रेस के चंद्रमोहन ने उन्हें कड़ी टक्कर दी है। यह अलग बात है कि चंद्रमोहन को चुनाव प्रचार के लिये पर्याप्त समय नहीं मिला। फिर भी उन्हें बाहरी कालोनियों और देहात में काफी वोट प्राप्त हुये हैं। श्री गुप्ता पिछली बार 44 हजार 602 वोटों से विजयी हुये थे और इस बार मात्र 5633 वोटों से।

कालका विधानसभा सीट

कालका में कमल मुरझाया, पंचकूला में खिला

गुप्ता दूसरी बार बने विधायक, प्रदीप ने लतिका को दी पटखनी

सुरेंद्र सिंह सांगवान/ट्रिन्यू

पंचकूला, 24 अक्तूबर

इस जिला की कालका विधानसभा सीट से जहां कमल मुरझा गया है वहीं पंचकूला सीट पर खिला है। पंचकूला सीट से ज्ञान चंद गुप्ता ने कड़े मुकाबले के बीच कांग्रेस के चंद्रमोहन बिश्नोई को 5633 मतों से हराया। वहां कालका सीट पर कांग्रेस के प्रदीप चौधरी विजयी घोषित किये गये। उन्होंने भाजपा की लतिका शर्मा को 5931 मतों से शिकस्त दी।

कालका विधानसभा सीट आखिर एक बार फिर कांग्रेस ने हथिया ली। इस सीट से भाजपा केवल एक बार 2014 में विजयी रही है। यहां से कुल दस उम्मीदवार मैदान में थे। हाल ही में इनेलो छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुये प्रदीप चौधरी ने भाजपा की लतिका शर्मा को 5931 मतों से हरा दिया। प्रदीप चौधरी को 57948(45 26 प्रतिशत) और लतिका शर्मा को 52017(40. 63 प्रतिशत) वोट मिले। इस सीट से बसपा के अश्वनी नागरा को 2573, इनेलो के सतिंद्र सिंह को 4963, जेजेपी की किरण चौधरी को 7739.

कालका विधायक प्रदीप चौधरी बृहस्पतिवार को अपने पुत्र के साथ विजय चिन्ह बनाते हुए। -निस

सर्व हित पार्टी के चरण सिंह को 394, आप के प्रवीण कुमार को 446, जनरल समाज पार्टी की मीनाक्षी शर्मा को 174, निर्दलीय उमेश कुमार को 684 और विद्या रानी को 356 वोट मिले। नोटा का प्रयोग करने वाले मतदाताओं की संख्या 737 रही। प्रदीप चौधरी इससे पहले 2009 में इनेलो की टिकट पर विधायक रह चुके हैं।

पंचकूला हलके से कुल 14 उम्मीदवार मैदान में थे। भाजपा ने ज्ञानचंद गुप्ता लगातार दूसरी बार विधायक बने हैं। हालांकि इस बार उनकी जीत का अंतर 5633 मतों का रहा जबकि 2014 में वे 44602 मतों से जीते थे। इस बार ज्ञान चंद गुप्ता को 61537(48. 84) और कांग्रेस के चंद्रमोहन को 55904(44.37 प्रतिशत) मत मिले। इनेलो के करूणदीप चौधरी को 2342, बसपा के रोशन लाल कोचर को 1055, जेजेपी के अजय गौतम को 677, स्वराज पार्टी की मधु आनंद को 470, राष्ट्रीय जनता पार्टी के मनोज कुमार को 765, आप के योगेश्वर शर्मा को 959, जनरल समाज पार्टी के राहुल कुमार शर्मा के 78, सर्वहित पार्टी के सुरेश कुमार को 96, निर्दलीय गुरतेज सिंह को 87, प्रेम लता जिंदल को 175, मुख्तयार सिंह को 309 और सुनीता को 350 वोट मिले। नोटा का प्रयोग 1195 मतदाताओं ने किया।

प्रदीप ने जताया कांग्रेस हाईकमान का आभार

कालका से कांग्रेस की टिकट पर विजयी रहे प्रदीप चौधरी ने मतदाताओं के साथ-साथ कांग्रेस हाईकमान, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कुमारी शैलजा का आभार जताया। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी की हार का प्रमख कारण हलके में नशे का अवैध कारोबार, कानून व्यवस्था की खराब स्थित, बेरोजगारी आदि बताया। बोले-हलके के अनेक युवा नशा मुक्ति केंद्रों की शरण में हैं।

कार्यकर्ताओं की जीत-गुप्ता

भाजपा के ज्ञान चंद गुप्ता ने अपनी जीत को कार्यकर्ताओं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की जीत बताया। उन्होंने कड़ी मेहनत के लिये कार्यकर्ताओं का आभार जताया। साथ ही कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी। पिछली बार से कम मत प्राप्त करने संबंधी सवाल पर कहा कि परिणाम आशा के अनुकूल नहीं रहा। फिर भी जीत को जीत है।

एक नजर

जनता की सेवा करती रहूंगी : लतिका

पिंजौर (निस) : अपनी हार स्वीकार करते हुए निर्वतमान विधायक लतिका शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह जनता के फैसले का सम्मान करते हुए कालका विधानसभा के नये विधायक प्रदीप चौधरी को जीत की बहुत बधाई देती हैं और यह आशा करती हैं कि कालका को पिछले 5 साल में विकास में उन्होंनं, जहां पहुंचाया है, अब आप उसे उसी गति से विकास पर चलाएं। उन्होंने भाजपा को समर्थन देने वाले वोटरों का धन्यवाद करते हुए वचन दिया कि वे जनता के बीच मे रहकर कालका की वैसे ही सेवा करेंगी जैसे पहले करती आई हैं।

नतीजों पर पार्टी नेतृत्व की नजर : कटारिया

पंचकूला (ट्रिन्यू): केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री रतन लाल कटारिया ने कहा है कि प्रदेश के चुनावी नतीजों पर पार्टी नेतृत्व की नजर है। पार्टी नेताओं व पदाधिकारियों से विचार-विमर्श के बाद ही वे कुछ कहने की स्थिति में होंगे। कटारिया ने यहां सेक्टर एक स्थित सरकारी कालेज में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रदेश में सरकार तो भाजपा की बनेगी। उन्हें अंबाला संसदीय क्षेत्र में चार सीटें भाजपा के हाथ से निकलने का अफसोस जरूर है। उल्लेखनीय है कि संसदीय क्षेत्र के तहत आने वाली 9 में से 5 सीटों पर ही भाजपा विजयी रही है जबकि दावा 9 की 9 सीटें जीतने का किया जा रहा था। उचाना से प्रेमलता की हार संबंधी सवाल पर बोले भाजपा कभी परिवारवाद की पक्षधर नहीं रही।

पिंजौर-कालका में निकाला विजयी जुलूस

पिंजौर (निस) : कालका से दूसरी बार विधायक निर्वाचित हुए प्रदीप चौधरी और समर्थकों ने बृहस्पतिवार को पिंजौर-कालका में विजयी जलूस निकाला और काली माता मंदिर कालका में शीश नवाया। कालका विधानसभा से पंचकूला अलग होने के बाद हुए चुनावों में प्रदीप चौधरी वर्ष 2009 में इनेलो से पहली बार विधायक चुने गए थे, लेकिन गत माह इनेलो छोड़ कांग्रेस में शामिल होने के बाद उन्होने कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़कर दूसरी बार जीत दर्ज की। आज उनके साथ दर्जनों गाड़ियों के काफिले के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने पिंजौर मेन बाजार से होते हुए कालका तक रैली निकाली। कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह था, वे प्रदीप चौधरी और कांग्रेस के पक्ष में नारे लगा रहे थे। जगह-जगह कार्यकर्ताओं ने प्रदीप चैधरी का स्वागत किया। प्रदीप चौधरी ने कालका की जनता का धन्यवाद करते हुए कहा कि वे कालका की जनता की आशाओं पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे।

मुझ में ही कोई कमी रही होगी-चंद्रमोहन

पंचकूला (ट्रिन्यू) : ज्ञान चंद गुप्ता से हारने वाले कांग्रेस के चंद्रमोहन ने जहां कार्यकर्ताओं का आभार जताया वहीं कहा कि हार के पीछे जरूरत उनमें(खुद में) कोई कमी रही होगी। उन्होंने कहा कि शायद वे कांग्रेस के घोषणा पत्र को जन-जन तक पहुंचाने में पूरी तरह से सफल नहीं हो पाये। बोले-मैं तो हार कर भी जीता हूं। पहले भी जनता के बीच था और आगे भी रहूंगा।

रादौर में खुशी में झूमे समर्थक

रादौर (निस): हरियाणा गठन के बाद रादौर से दूसरी बार कांग्रेस का विधायक चुना गया। कांग्रेस प्रत्याशी बिशन लाल सैनी को जीत मिलते ही समर्थक जश्न में डूब गए। कांग्रेस प्रत्याशी बिशन लाल सैनी के चुनावी कार्यालय पर समर्थको तांता लग गया और लड्डू बांटे गए। रादौर से 1968 के बाद 51 साल बाद कांग्रेस का विधायक चुना गया।

यूं ही जारी रहेगी जनसेवा की मुहिम : आदर्शपाल

जगाधरी, 24 अक्तूबर (निस)

बृहस्पतिवार को हिंदू गर्ल्स कालेज में बनाए गए मतगणना केंद्र के बाहर मीडिया से बात करते हुए बसपा उम्मीदवार चौ. आदर्शपाल गुर्जर ने कहा कि चुनाव में हार-जीत तो चलती रहती है। जनता द्वारा दिए गए फैसले को वह सम्मान करते हैं। चुनाव में कार्यकर्ताओं ने पूरी लगन के साथ मेहनत की। आदर्शपाल ने कहा कि जनसेवा की मुहिम यूं ही जारी रहेगी। चुनाव में बाजी हाथ से निकलने के सवाल पर आदर्शपाल ने कहा कि कहा कि कुछ कमी रह गई।

जगाधरी में बृहस्पतिवार को मतगणना केंद्र के बाहर मीडिया से बात करते बसपा उम्मीदवार आदर्शपाल गुर्जर। -निस

जल्दी ही बैठक कर कार्यकर्ताओं से इसकी वजह जानी जाएगी। उन्होंने कहा कि जल्दी ही हर क्षेत्र का दौरा कर लोगों का दिए गए सहयोग के लिए आभार प्रकट किया जाएगा।

कांटे की टक्कर में किला बचाने में कामयाब रहे कांग्रेसी

सोनीपत जिले में फिर चला हुड्डा का जादू

कांग्रेस की जिले की 6 में से 4 सीटों पर जीत, भाजपा ने सोनीपत गंवाया, राई, गन्नौर जीती

पुरुषोत्तम शर्मा/हप्र
सोनीपत, 24 अक्तूबर

भाजपा की तमाम कोशिशों के बावजूद कांग्रेस सोनीपत में अपना किला बचाने में कामयाब रही। कांग्रेस को पिछली बार के मुकाबले एक सीट गंवानी पड़ी, पर इसका हर्जाना शहर की सीट पर भारी अंतर से जीत के साथ लगभग पूरा हो गया। राई में कांग्रेस की हार की वजह जजपा की बढ़त बनी तो खरखौदा में अंतर कम रहने का कारण भी जजपा ही रही। वहीं, भाजपा को सोनीपत शहरी सीट पर भारी विरोध का सामना करना पड़ा, जबकि राई और गन्नौर में पहली बार कमल खिल गया है। गौरतलब है कि रोहतक के बाद सोनीपत पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा का गढ़ रहा है।

यहां पिछले दो विधानसभा चुनाव से कांग्रेस को 5 सीटें मिल रही थीं। इस बार उम्मीद थी कि भाजपा यहां बेहतर प्रदर्शन करेगी और कांग्रेस को काफी हद तक नुकसान होगा, लेकिन इस बार केवल राई और गन्नौर सीटें कांग्रेस के हाथों से खिसका पाई। लेकिन इसका घाटा सोनीपत से निवर्तमान केबिनेट मंत्री कविता जैन को भारी अंतर से हराकर कांग्रेस ने पूरा कर लिया।

जिले की जिन 4 सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की है, इनमें अगर शहरी सीट को छोड़ दें तो बाकी सीटों पर कड़ी टक्कर कांग्रेस को मिली। गोहाना में जहां लोसुपा प्रमुख राजकुमार सैनी ने जीत का गणित बिगाड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी, वहीं ओलंपियन योगेश्वर दत्त भी आखिर तक मैदान में डटे रहे। इसके अलावा खरखौदा से भाजपा के बागी और जजपा उम्मीदवार पवन खरखौदा ने उम्मीद से कहीं अधिक टक्कर कांग्रेस को दी। सोनीपत सीट पर कांग्रेस ने उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। आंकड़े बताते हैं कि इक्का-दुक्का बूथ को छोड़ दें तो शहर में किसी बूथ पर भी भाजपा को बढ़त नहीं मिली, जबकि पंजाबी बिरादरी में भाजपा का अच्छा वोट बैंक माना जा रहा था।

राई और गन्नौर में पहली बार खिला कमल

सोनीपत जिले में दो सीटों राई और गन्नौर पर भाजपा ने हरियाणा बनने के बाद पहली बार जीत दर्ज की है। राई से भाजपा नेता एवं संघ कार्यकर्ता मोहन लाल बडौली ने कांग्रेस के जयतीर्थ दहिया को हराकर जीत दर्ज की है। जयतीर्थ की हार का बड़ा कारण जजपा के अजीत आंतिल यहां से 17 हजार से अधिक वोट ले जाना है। उम्मीद यह थी कि वे पांच से आठ हजार के बीच रहेंगे। इसी तरह गन्नौर में चार बार चुनाव हार चुकीं निर्मल चौधरी भाजपा का कमल खिलाने में कामयाब रही हैं। इनको सांसद रमेश कौशिक का पूरा समर्थन मिला, जिसकी वजह से इनकी जीत का अंतर काफी बढ़ गया। एक वजह यह भी कि रही कि लोकसभा चुनाव में भूपेंद्र सिंह हुड्डा की गन्नौर हलके से हार के बाद से ही यह चर्चा थी कि कुलदीप शर्मा से यहां का जाट मतदाता नाराज है। यह नाराजगी इस चुनाव में खुलकर दिखी।

कविता जैन ने स्वीकारी हार, जनता का जताया आभार

सोनीपत (हप्र) : सोनीपत सीट से भाजपा उम्मीदवार एवं पूर्व मंत्री कविता जैन ने कहा कि वह जनादेश का सम्मान करती हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने खुले दिल से सोनीपत की जनता की सेवा करते हुए विकास कार्यों को रफ्तार दी थी। दो दशक से जनता के मध्य रहने के अपने दायित्व को भविष्य में भी जिम्मेदारी से निवर्हन करूंगी। सभी मतदाताओं का पुनः आभार।

15 में से 13 राउंड जीत कर भी हार गए राजकुमार सैनी

गोहाना, 24 अक्तूबर (निस)

कुल 15 राउंड और इनमें से 13 राउंड में एक प्रत्याशी की लीड हो, लेकिन आखिरी के 2 राउंड उसके मुंह से जीत का निवाला छीन लें? क्या यह सम्भव है? जी हां, गोहाना हलके की मतगणना में ठीक ऐसा ही हुआ। आखिरी 2 राउंड लोसुपा प्रत्याशी राजकुमार सैनी के लिए भारी पड़ गए तथा कांग्रेस प्रत्याशी जगबीर सिंह मलिक को 5वीं बार विधानसभा में पहुंचा दिया। गोहाना हलके में कुल बूथ 205 थे। एक बार में 14 बूथ खुले। लोसुपा प्रत्याशी राजकुमार सैनी और कांग्रेस प्रत्याशी जगबीर सिंह मलिक में वोटों का गणित बेहद रोमांचक रहा।

पहले राउंड से 7वें राउंड तक राजकुमार सैनी की लीड बढ़ते-बढ़ते 11,768 पर पहुंच गई। उसके बाद लीड की उलटी गिनती शुरू हो गई। यह लीड 13वें राउंड तक बनी रही। लेकिन उसके बाद यह लीड निरंतर कम होती चली गई। 8वें राउंड में लीड 9737, 9वें राउंड में 7972, 10वें राउंड में 6067, 11वें राउंड में 3318, 12वें राउंड में 723 और 13वें राउंड में 245 रह गई। 14वें राउंड में सैनी पर मलिक की लीड 2209 और 15वें और आखिरी राउंड में लीड 4048 हो गई। इस तरह राज कुमार सैनी 15 में से 13 राउंड में जीत कर भी हार गए।

भाखड़ा ब्यास प्रबन्ध बोर्ड
(विद्युत खंड)
(ई-निविदा आमंत्रण सूचना)

निविदा नं : 551/पीएण्डडी(टीएस)/एसएस एवं पी-359 दिनांक : 16.10.2019
कार्यालय का नाम : मुख्य अभियन्ता/पारेषण प्रणाली, यो.एवं.रूपां. (टीएस) निदेशालय, बीबीएमबी, एस.एल.डी.सी परिसर, इंडस्ट्रीयल ऐरिया, फेज–1 चण्डीगढ़ –160002.
कार्य का क्षेत्र : चार (4) नं. डुप्लेक्स टाईप नियंत्रण और रिले पैनल 132 केवी गंगूवाल–कोटला टाई सर्किट । एवं ।। में संख्यात्मक सुरक्षा रिले (स्काडा कंप्लेट) के साथ गंगूवाल एवं कोटला पावर हाउस प्रत्येक में 2 नं. की प्राप्ति हेतु।
ऊपर दी निविदा की देय तिथियां निम्नानुसार अनुसूची के अनुसार हैं :

निविदा दस्तावेज शुल्क प्राप्त करने की अंतिम तिथि और समय	07.11.2019 17:00 बजे तक
निविदा की ऑनलाईन बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय	25.11.2019 11:00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की देय तिथि एवं समय	25.11.2019 15:00 बजे से

विस्तृत निविदा दस्तावेज, धरोहर राशि और पूर्व अर्हक दस्तावेज के लिए कृपया बीबीएमबी की वैबसाईट bbmbeproc.abcprocure.com या www.bbmb.gov.in देखें जी।
1118-PR-TS-4 उज्ज्वल रहे कल ऊर्जा बचाओ हरपल

Shanti Niketan College of Education
12th K.M. Stone Tosham Road Ladwa, Hisar
(Approved by NCTE & Affiliated to CRSU, Jind)
Faculty Required for M.Ed. & B.Ed. Courses
Professor-02, Reader-02, Lecturers-06 for M.Ed. Course. Principal-01, Lecturer in Pedagogy Subjects :- Hindi-2, English-2, Maths-2, Phy. Sci.-2, Life Sci-2, Social Science-02, Commerce-02, Perspective in Education/ Foundation Course-06, Lect. in Music/Dance/Theater -01, Fine Art-01, Health & Phy. Edu.-01, Librarian-01 for B.Ed. Course.
Non Teaching Staff : Office Manager-01, Office cum Accountant Assistant-02, Office Assistant cum Computer-02, Store Keeper-02, Technical Assistant-02, Lab Assistant-02, Lab Attendant-02, Lab Assistant-02, Lab Attendant-02, Helper/Support Staff-02.
Qualification & Salary as per NCTE./CRSU/State Govt. Norms.
Interested Candidate may apply within 10 days from the date of publication, along with testimonials+02 Photos in the office of Shanti Niketan Shiksha Samiti, M.C. Colony, Hisar or Email : shantiniketanss@gmail.com alongwith one copy send to DOC, CRSU, Jind.
Chairman

भाखड़ा ब्यास प्रबन्ध बोर्ड
(विद्युत खण्ड)
शुद्धिपत्र–1 ई–निविदा आमंत्रण सूचना
निविदा सं.: 2883/बीबीएमबी दिनांक 26.09.2019
कार्यालय का नाम: अधीक्षण अभियंता देहर विद्युत गृह परिमंडल, बीबीएमबी (विख), सलापड़ (हिप्र)
कार्य का नाम: (i) देहर विद्युत गृह सलापड़ में 165 मैगावाट मशीन संख्या 3 के पूंजीगत अनुरक्षण एवं पानी के अंदर के पार्ट्स की मरम्मत करने हेतु (ii) देहर विद्युत गृह सलापड़ में 165 मेगावाट मशीन संख्या 2 के पूंजीगत अनुरक्षण एवं पानी के अंदर के पार्ट्स की मरम्मत करने हेतु।

दस्तावेज डाउनलोड आरंभ करने की तिथि व समय	26.09.2019 को 17:00 बजे
प्रारम्भिक योग्यता दस्तावेजों को अपलोड करने की तिथि व समय	06.11.2019 को 12:00 बजे
दस्तावेजों को डाउनलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय	20.11.2019 को 12:00 बजे
निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय	20.11.2019 को 14:30 बजे
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	20.11.2019 को 15:00 बजे से
अनुमानित लागत	₹ 260 लाख

विस्तृत निआसू/नियमें एवं शर्तों के लिए बीबीएमबी की वेबसाइट http://bbmbeproc.abcprocure.com एवं http://www.bbmb.gov.in पर देखें/डाउनलोड करें।
525-पीआर-उत्पादन.-4 ऊर्जा बचाओ, उज्ज्वल भविष्य पाओ

क्लासीफाइड

सार्वजनिक सूचना

मैं, सुरिन्द्र सिंह सग्गू पुत्र स्व. स. रौनक सिंह सग्गू निवासी 693, एसएसटी नगर, राजपुरा रोड, पटियाला, ऐलान करता हूं कि मैंने अपने बेटे गुरप्रीत सिंह सग्गू को अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, क्योंकि वह मेरे कहने से बाहर है। भविष्य में इसके साथ किसी तरह का लेन -देन करने वाला व्यक्ति स्वयं जिम्मेवार होगा। (CL19102646)

मैं, किरण देवी पत्नी सुनील गर्ग निवासी मकान नं.113-ए, गली नं. 2, राजीव पुरम, करनाल, ने अपना नाम बदलकर किरण गर्ग रख लिया है। (CL19102943)

मैं, गिरीश पुत्र श्याम लाल मनोचा निवासी 369/34, जनता कालोनी, रोहतक, ने अपना नाम बदलकर गिरीश मनोचा रख लिया है। (CL19102963)

मैं, Bimla पत्नी राजेश कुमार निवासी # 532, फेज़-2, राम दरबार, चंडीगढ़, ने अपना नाम बदलकर Vimla रख लिया है। (CL19103031)

मैं, आशिमा पत्नी संजीव कुमार निवासी 91, कृष्णा कालोनी, नजदीक परशुराम मंदिर, यमुनानगर, अपना नाम बदलकर आशिमा धीमान रखती हूं। (CL19103064)

मैं, आदेश पुत्र विजय कुमार निवासी 2352, वार्ड नं. 30, श्री नगर कालोनी, रोहतक, ने अपना नाम बदलकर आदेश आनंद रख लिया है। (CL19103083)

मैं, जितेन्द्र कुमार पुत्र चंद्र प्रकाश निवासी समालखा सर्वसाधारण को सूचित करता हूं कि मेरे दोनों पुत्र निखिल व अनुराग मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। जिन्हें मैं अपनी चल -अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में कोई इनसे लेन -देन करेगा तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा। (CL19103157)

आवश्यक सूचना
दि ट्रिब्यून ट्रस्ट का इस समाचार पत्र में मुद्रित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाइड) के तथ्यों संबंधी कोई दायित्व नहीं है। हमारा समाचारपत्र इनको सत्यापित नहीं करता है। पाठकों से विनती है कि वे इन विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पूर्व तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें।

न्यायालय सूचना

न्यायालय श्री सुरेश कुमार, सिविल न्यायाधीश (जूनियर मण्डल) फरीदकोट
नरेन्द्र कुमार जैन
बनाम
सतीश कुमार जैन
CNR No. PBFD020007122017
अगली पेशी : 18.11.2019

सूचना बनाम
1. अनिता जैन पत्नी स्व. राजेन्द्र कुमार जैन मकान नं.-2516 प्रथम मंजिल सेक्टर-70 नजदीक अमर अस्पताल मोहाली, पंजाब।
2. अभिनव जैन पुत्र स्व. श्री राजेन्द्र कुमार जैन मकान नं. 2516 प्रथम मंजिल सेक्टर-70, नजदीक अमर अस्पताल मोहाली, पंजाब।
3. गीता जैन पत्नी श्री राजेश जैन तथा पुत्री स्व. श्री राजेन्द्र कुमार जैन मार्फत मै. जैन सन्ज़ क्लाथ मर्चेन्ट्स मेन बाजार, नालागढ़ (हि.प्र.)
4. चेतना जैन पत्नी श्री लवनीश जैन तथा पुत्री श्री राजेन्द्र कुमार जैन मकान नं.-261 राम गली मलकां चौक, जालन्धर शहर, पंजाब।

जबकि उक्त पटीशन में प्रतिवादी की तामील नहीं हो सकती। यह आदेश दिया जाता है कि प्रतिवादी असालतन या वकालतन 18.11.2019 को प्रातः 10 बजे हाजिर हो। विवरण हेतु लॉगऑन करें : https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Faridkot दिनांक 21.10.2019 को जारी।

हस्ता./-
सिविल न्यायाधीश (जूनियर मंडल), फरीदकोट।
CL19052406

नीलामी सूचना

केंद्रीय विद्यालय वायुसेना स्थल, हाई ग्राउंड्स, चंडीगढ़ के परिसर में अनुपयोगी (Condemned) Computer, Peripheral & Other IT equipment, Furniture, Library Books, Science Lab Equipment, Gardening Equipment, Sports Material, Music Equipment and other material on as is where is basis is to be auctioned through the Registered Vendors & E-Waste resgistered vendors (For Computer Periphral & other IT equipment) only on 01.11.2019 समय 12:00 बजे नीलाम किये जायेगा।

इच्छुक E-Waste Vendors & other Vendors विद्यालय के कार्यालय में 10 बजे पहुंच कर नीलामी के लिए अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। पंजीकरण फीस Rs. 1000/- (एक हजार रुपये मात्र) रहेगी और बोलीकर्ता के पास वेंडर्स लाइसेंस होना अनिवार्य है (लाइसेंस की एक छायाप्रति साथ लायें)। If only above mentioned vendors are interested to inspect the articles, they can inspect the same during school hours before the day of auction.

ध्यान रहे, विद्यालय वायुसेना हाई ग्राउंड्स परिसर में स्थित है, इसलिए प्रवेश के लिए पहचानपत्र साथ में लाना अनिवार्य है।

प्राचार्य,
केंद्रीय विद्यालय हाई ग्राउंड्स,
चंडीगढ़-160004.
DI-103182

INDIANA BITS INSTITUTE OF EDUCATION
Bhojawas, Mohindergarh | M: 9050745727
Required the following Staff for D.El.Ed. Classes
Principal-M.A, M.Ed, Five Years Teaching Experience in Secondary Level Teaching Education Institute.
Lecturer- (07) Maths, English, Hindi, S.St., Education, M.A., B.Ed., M.A., M.Ed., Two Years Experience
P.T.I-1, Accountant-1, Librarian-1, Peon-2, Chowkidar-1
Pay Scale & Qualification as per HBSE, SCERT & NCTE Norms. Apply Within 10 Days.
CHAIRMAN

सार्वजनिक सूचना

विषय : श्री बृष भान दुल की वसीयत रहित मृत्यु के आधार पर निर्मित प्रॉपर्टी नं. 2844, पुराना प्लॉट नं. 2844, सेक्टर-10, जीन्द के 100% हिस्से के स्वामित्व का स्थानांतरण।
रिकार्ड के अनुसार उक्त दर्शायी प्रॉपर्टी के 100% हिस्से के मालिक श्री बृष भान दुल पुत्र दुनी चंद की 13.01.2017 को मृत्यु हो चुकी है तथा उसकी कोई भी पंजीकृत या अपंजीकृत वसीयत नहीं है। श्री संदीप दुल एवं विकास दुल पुत्र स्वर्गीय श्री बृष भान दुल, निवासी मकान नं. 2844, सेक्टर-10, जीन्द, कानूनी वारिस होने के नाते अपने पक्ष में उक्त दर्शायी प्रॉपर्टी के हस्तांतरण हेतु आवेदन करने के इच्छुक हैं।
यदि किसी व्यक्ति को आवेदक के पक्ष में उक्त प्लाट/मकान के हस्तांतरण संबंधी कोई एतराज है तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के भीतर संपदा अधिकारी, एचएसवीपी, जीन्द के कार्यालय में उचित प्रमाण सहित लिखित रूप में अपने एतराज बताये अन्यथा उक्त संपत्ति हूडा नीति अनुसार संपदा अधिकारी द्वारा हस्तांतरित/पुनः अलॉटमेंट कर दी जाएगी और बाद में किसी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
कानूनी वारिस संदीप दुल एवं विकास दुल
DI-103184 संपदा अधिकारी, जीन्द की ओर से।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त 1. अरविन्द सिंह गोरवारा, 2. सुश्री दलजीत कौर गोरवारा, और 3. अमरिन्दर सिंह गोरवारा, सभी निवासी 1460, फेज–10, मोहाली, पंजाब ने एक केस प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 691/15, u/s 420/406/468/471/120B IPC, दिनांक 10.08.2015 थाना कालकाजी, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त 1. अरविन्द सिंह गोरवारा, 2. सुश्री दलजीत कौर गोरवारा, और 3. अमरिन्दर सिंह गोरवारा मिल नहीं रहे है और मुझे समाधानप्रद रुप मे दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त 1. अरविन्द सिंह गोरवारा, 2. सुश्री दलजीत कौर गोरवारा, और 3. अमरिन्दर सिंह गोरवारा, फरार हो गये है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एक केस प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 691/15, u/s 420/406/468/471/120B IPC, दिनांक 10.08.2015 थाना कालकाजी, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त 1. अरविन्द सिंह गोरवारा, 2. सुश्री दलजीत कौर गोरवारा, और 3. अमरिन्दर सिंह गोरवारा से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए 26.11.2019 को सुबह 10:00 बजे या उससे पूर्व हाजिर हों।

आदेशानुसार
श्री दीपक शेरावत
मुख्य मेट्रोपोलिटिन मजिस्ट्रेट
DP/213/EOW/19-(Court Matter). कमरा न0 516, साकेत कोर्ट, दिल्ली

सार्वजनिक सूचना

विषय:निर्माण संपति के संबंध में मकान न0 402, सैक्टर 21ए एरिया 500 वर्ग गज, अर्बन एस्टेट, फरीदाबाद श्री जे.आर. सरीन, एचयूएफ के माध्यम से अपने कर्ता श्री जगदेव राम सरीन निवासी मकान न0 402, सैक्टर 21ए अर्बन एस्टेट, फरीदाबाद की मौत पर उनके संपति के संबंध मे।
श्री जगदेव राम सरीन (जे.आर. सरीन) जो इस विषय का हवाला दिये गए संपति का मालिक था और जिनका रिकार्ड के अनुसार दिनांक 19.04.2018 को निधन हो गया है तथा उन्होंने अपने जीवनकाल में कोई भी वसीयतनामा पंजीकृत या अपंजीकृत नही करवाई थी। श्रीमति स्वराज सरीन (पत्नी), विमल कृष्ण सरीन (पुत्र), राकेश कृष्ण सरीन (पुत्र) ये कानूनी वारिसान है।
जे.आर. सरीन एचयूएफ के माध्यम से अपने कर्ता राकेश कृष्ण सरीन पुत्र स्व0 जगदेव राम सरीन निवासी म.नं. 402, सैक्टर 21ए, अर्बन एस्टेट फरीदाबाद हरियाणा का रहने वाला है, कानूनी वारिस होने के नाते अपने पक्ष में उनकी संपति के संबंध में हस्तांतरण के लिए आवेदन करना चाहता है। अगर किसी भी व्यक्ति को इस प्लॉट/घर के हस्तांतरण के खिलाफ आपत्ति हो रही है तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के भीतर आपत्ति के दस्तावेज के समर्थन के साथ सम्पदा अधिकारी, हुडडा सैक्टर 12, फरीदाबाद को लिखित रुप में प्रस्तुत कर सकते है अन्यथा सम्पदा अधिकारी, हुडडा नीति के अनुसार सम्पति का उत्तरधिकार स्वीकृत दे सकता है और बाद में किसी भी प्रकार के दावे पर विचार नही किया जाएगा। कानूनी वारिस:जे.आर. सरीन एचयूएफ के माध्यम से अपने कर्ता राकेश कृष्ण सरीन

HIMACHAL PRADESH
PUBLIC WORKS DEPARTMENT
HPPWD TENDER

Sealed items rates tenders on the form 6 & 8 are invited by the Executive Engineer Tissa Division, HP.PWD. Tissa at Bhanjraru on behalf of the Governor of Himachal Pradesh for the following works from the approved and eligible contractors (C&D Class) enlisted in HPPWD.

TENDER SCHEDULE:-
1. Date and time of receipt of application for tender form:- 14/11/2019 up to 4.00 P.M.
2. Date and time of issue of tender form: 14/11/2019 up to 5.00 P.M.
3. Date and time of receipt of tenders 15/11/2019 up to 11.00 A.M.
4. Date and time of opening of tenders:- 15/11/2019 at 11.30 A.M.

The tender forms will be issued against cash payment (non-refundable). The earnest money in the shape of NSC/FDR/Deposit at call of any of Post Office/Bank in H.P. duly pledged in the name of Executive Engineer Tissa Division, HP.PWD., Tissa at Bhanjraru must accompany each tender:-

Job No.	Name of Work	Estimated cost	Earnest Money	Time Limit	Cost of Form	Eligible Class
1	Treatment of sinking portion of ChambaTissa road KM 32/250 to 56/500 (SH: Providing R/Wall in crates KM 54/560 to 54/587.50)	492574.00	10000.00	Three Months	350/-	C&D
2	R/o damages due to laying of OFC on ChambaTissa road KM 32/250 to 48/0 (SH: Hiring of JCB for execution of roads side drain/berm dressing etc./slip removal etc.)	472200.00	9500.00	Three Months	350/-	C&D
3	Treatment of sinking portion of ChambaTissa road KM 32/250 to 56/500 (SH: Providing R/Wall in crates KM 54/532.50 to 54/560)	486877.00	10000.00	Three Months	350/-	C&D
4	R/o rain damage due to digging of road for laying of OFC on ChambaTissa road KM 48/0 to 56/500 (SH: Providing B/Wall in crates RD 50/550 to 50/605.25)	485232.00	10000.00	Three Months	350/-	C&D
5	R/o rain damages on Jalout Panjei road KM 0/0 to 10/500 (SH: C/o B/Wall in wire crate at RD 0/090 to 0/110, 1/100 to 1/110 and 9/465 to 9/480)	354343.00	7200.00	Three Months	350/-	C&D
6	R/o rain damages on Jalout Panjei road KM 0/0 to 10/500 (SH: C/o B/Wall in crate RD 2/885 to 2/895, 2/900 to 2/915 and 8/280 to 8/320)	456499.00	9500.00	Three Months	350/-	C&D
7	A/R and M/O of Nakrod Tikrigarh Bhageigarh road KM 0/0 to 13/400 (SH: Formation cutting at RDE 13/350 to 13/415)	471424.00	9500.00	Three Months	350/-	C&D
8	Construction of Hartwas to Kaila road KM 0/0 to 4/500 (SH: Formation cutting at RD 4/0 to 4/375)	482179.00	10000.00	Three Months	350/-	C&D
9	R/o rain damage due to digging of road for laying of OFC on ChambaTissa road (SH: Improvement of curves at RD 34/470 to 34/575 and 34/620 to 34/705)	460095.00	9500.00	Three Months	350/-	C&D
10	R/o rain damages on Tissa Ganed Bihali road KM 0/0 to 10/0 (SH: Providing R/Wall in crates RD 5/085 to 5/095)	334929.00	7000.00	Three Months	350/-	C&D
11	Restoration of rain damages on Tissa Ganed Bihali road KM 00 to 10/0 (SH: Providing R/Wall in crates at RD 5/095 to 5/105)	381097.00	8000.00	Three Months	350/-	C&D
12	A/R and M/o various roads under Tissa Division HPPWD Tissa (SH: Sub-soil investigation of 2 No. BridgesTrella Sub-Division).	480000.00	9600.00	Three Months	350/-	C&D
13	Special repair to Rest House Masroond (SH: Repair work of flooring, roofing and ceiling).	436267.00	9000.00	One Month	350/-	C&D
14	Restoration of damages due to digging of road for laying of OFC on ChambaTissa road KM 32/250 to 48/0 (SH: Providing wire crate R/Wall at RD 32/433 to 32/478)	454107.00	9500.00	Three Months	350/-	C&D
15	R/o rain damages on Chakloo Rest house (SH: C/o R/Wall in wire crates in damaged Lawn Portion)	323744.00	6500.00	Three Months	350/-	C&D
16	A/R and M/O various roads under Tissa Division HPPWD Tissa (SH: Sub-soil investigation of 2 N0.s bridges under Tissa and Nakrot Sub-Division)	480000.00	9600.00	Three Months	350/-	C&D

1. The contractors/firms should possess then following documents(Photocopy to be attached): -
   i) Latest renewal of enlistment.
   ii) PAN (Permanent Account No.)
   iii) Registration under GST.
2. Ambiguous/telegraphic/conditional tenders or tender by Fax/E-mail shall not be entertained/considered in any case.
3. The Executive Engineer reserves the right to reject/cancel any or all the tenders without assigning any reason(s).
4. The offer of the tender remain valid up to 120 days after the opening.

For terms and conditions kindly refer to website of the department.

On behalf of Governor of Himachal Pradesh
Executive Engineer
Tissa Division HPPWD, Tissa at Bhanjraru
HIM LOK SUCHANA AND JAN SAMPARK
DPR/HP/2590

हुड्डा के गढ़ में सेंध लगा पाने में कामयाब नहीं हो पाई भाजपा

झज्जर में साल 2014 में मिली 2 सीटें भी भाजपा के हाथ से निकलीं

झज्जर, 24 अक्तूबर (हप्र)

झज्जर में पराजय स्वीकार करने के बाद नेहरू कॉलेज के मतगणना केन्द्र से बाहर अपने समर्थकों के साथ आते बादली के भाजपा प्रत्याशी ओपी धनखड़। -हप्र

पहले 75 पार और बाद में हुड्डा के पुराने गढ़ में सेंध लगाने का भाजपा का सपना धरा का धरा रह गया। भाजपा जहां अबकी बार जिले की सभी चारों सीटें जीतने की कोशिश में थी, वहीं उसे वह 2 सीटें भी हुड्डा परिवार का जादू चलने के चलते खो देनी पड़ीं, जो उसने 2014 में जीती थीं। हालत इतनी पतली हुई की भाजपा के कद्दावर कहे जाने वाले मंत्री ओपी धनखड़ कांग्रेस के मुकाबले बुरी तरह से हार गए। कांग्रेस जिले की चारों सीटें न सिर्फ जीतने में कामयाब रही बल्कि भाजपा के अलावा अन्य विपक्षी दलों को यह संदेश देने में भी कामयाब रहीं कि परिस्थितियां चाहे जो कुछ भी रही हों, लेकिन पूर्व सीएम हुड्डा परिवार का जादू आज भी झज्जर जिले में कायम है। इस बार बहादुरगढ़ विस सीट की मतगणना का केन्द्र बहादुरगढ़ व बादली, झज्जर का मतगणना केन्द्र स्थानीय नेहरू कॉलेज के अलावा बेरी विस की मतगणना का केन्द्र झज्जर में ही किसान भवन को बनाया गया था। जैसे ही मतगणना शुरू हुई तो सभी सीटों पर भाजपा के पिछड़ने का सिलसिला भी शुरू हो गया। चारों सीटों पर राऊंड दर राऊंड हुई मतगणना के दौरान एक राऊंड भी ऐसा नहीं आया, जिसमें की भाजपा पिछड़ती न दिखी हो। हालांकि मतगणना के करीब सात राऊंड बीत जाने तक भाजपा प्रत्याशियों को यह उम्मीद थी कि जो बढ़त कांग्रेस ने ली है, वह अगले राऊंड में खत्म हो जाएगी और भाजपा लीड ले लेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

यहां यह भी बताना मुनासिब होगा कि साल 2014 के हुए विस चुनाव में भाजपा कभी देवीलाल और बाद में हुड्डा का गढ़ कहे जाने वाले पुराने रोहतक जिले के हिस्से झज्जर जिले में बादली व बहादुरगढ़ सीट कांग्रेस से छीनने में सफल हो गई थी, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। भाजपा चारों विस सीटों पर चारों खाने चित होती नजर आई।

पार्टी टिकट पर भारी पड़ी जनता की टिकट : गोन्दर

नीलोखेड़ी, 24 अक्तूबर (निस)

नीलोखेड़ी (आरक्षित) सीट से निर्दलीय प्रत्याशी धर्मपाल गोन्दर ने रोचक मुकाबले में अपने निकटतम भाजपा प्रत्याशी भगवानदास कबीरपंथी को 2308 मतों के अन्तर से हराकर जीत का परचम लहराया। हालांकि निवर्तमान विधायक के खिलाफ हलके के कई गांवों में गुस्सा था। बावजूद इसके उन्होंने आजाद उम्मीदवार को नजदीकी मुकाबले में कड़ी टक्कर दी। पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए धर्मपाल गोन्दर ने कहा कि जनता द्वारा दिया गया टिकट पार्टी की टिकट पर भारी पड़ा है।

कलायत विधानसभा में पहली बार खिला कमल

कलायत, 24 अक्तूबर (निस)

विधानसभा चुनावों में कलायत हलके में पहली बार कमल खिला है। भाजपा प्रत्याशी रही कमलेश ढांडा ने कांग्रेस के दिग्गज नेता जयप्रकाश को करीब 8974 मतों से हराकर जीत दर्ज की। भाजपा की जीत से पूरे हलके में जश्न का माहौल रहा और भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगा मिठाई बांटकर कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई दी। बृहस्पतिवार सुबह 8 बजे वोटों की गिनती शुरू होते ही बाजार, घर और दूसरे प्रतिष्ठानों पर युवा, बुजुर्ग और महिलाएं टीवी और सोशल मीडिया पर नजरें गढ़ाए रहे और फोन पर एक-दूसरे से जानकारी हासिल करते रहे।

सुडोकू

सुडोकू 81 वर्गों का ग्रिड है, जो 9 वर्गों के ब्लॉक में बंटा हुआ है। कुछ वर्गों के अंक लिखे हैं और खाली वर्गों में 1 से लेकर 9 तक के अंक लिखने हैं। कोई नंबर 1 पंक्ति, कॉलम या 9 वर्ग वाले छोटे ब्लॉक में दोबारा नहीं आ सकता है।

						7		
8		3	7					2
				6	9			
2	9			1	3			
	5						8	
			4	7			2	5
			1	3				
5					6	8		1
		7						

पिछले कल का उत्तर

1	3	7	6	5	9	8	2	4
9	2	4	3	8	1	7	5	6
8	5	6	7	4	2	9	3	1
3	9	2	5	1	4	6	7	8
6	4	8	9	2	7	3	1	5
5	7	1	8	3	6	2	4	9
7	6	5	4	9	3	1	8	2
4	1	9	2	7	8	5	6	3
2	8	3	1	6	5	4	9	7

आज का दिन

-सत्यव्रत बैंजवाल

शुक्रवार, 25 अक्तूबर, परिधावी नामक विक्रमी संवत् 2076, कार्तिक कृष्ण पक्ष 12 तिथि (सायं 7.08 तक), पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र (सुबह 11.00 तक), ब्रह्म योग (सुबह 9.56 तक बाद ऐन्द्र योग 26 की सुबह 6.03 तक), कार्तिक 9 प्रविष्टे।

व्रत पर्व : गोवत्स द्वादशी, प्रदोष व्रत, धन त्रयोदशी, यमाय प्रीत्यर्थं दीपदान।
दिशाशूल : पश्चिम दिशा की यात्रा पर दूध पीकर जाएं।
राहुकाल : सुबह 10.30 से 12.00 तक।

	जम्मू	दिल्ली	चंडीगढ़
सूर्योदय	6.45	6.32	6.36
सूर्यास्त	5.44	5.37	5.37

सितारों के इशारे

-मदन गुप्ता सपाटू

आज 25 अक्तूबर को है जन्मदिन तो कैसा रहेगा आपका साल

इस वर्ष आपका जन्मदिन धनतेरस और गोवत्स द्वादशी के शुभ अवसर पर है। नंबर और नेप्च्यून ग्रह आपको स्वतंत्र, बुद्धिमान, तेज, आत्मविश्वासी और सामाजिक बनाता है। इस वर्ष आपको करियर में उतार-चढ़ाव का दौर देखना पड़ सकता है। आपको कोई लाभदायक नौकरी का प्रस्ताव मिल सकता है। बेरोजगारों को इस वर्ष नौकरी मिल सकती है या नौकरी कर रहे लोगों को प्रमोशन मिल सकता है। आपके विरोधी आपकी तरक्की से जलन महसूस कर सकते हैं लेकिन आपको अहंकारी होने से बचने की जरूरत है। आपके दुश्मन षड़यंत्र रच सकते हैं।

शुभ रंग : सफेद, आसमानी नीला
शुभ दिन : सोमवार, रविवार
शुभ अंक : 1, 2, 7
शुभ रत्न : मोती, ओपल, पुखराज
जन्मदिन को जरूरतमंद स्कूली बच्चों को यूनिफॉर्म दान करें।

खबर है...

सोमबीर ने निकाला विजय जुलूस

चरखी दादरी के नवनिर्वाचित निर्दलीय विधायक सोमबीर सांगवान बृहस्पतिवार को विजयी जुलूस के दौरान। -निस

चरखी दादरी (निस) : दादरी हलके से 14 हजार 272 वोटों से पहली बार जीतने वाले निर्दलीय सोमबीर सांगवान ने अपने समर्थकों के साथ विजय जुलूस निकाला। सोमबीर ने अपनी जीत का श्रेय कार्यकर्ताओं को दिया है। वहीं नैना चौटाला ने भी दादरी व बाढड़ा में कार्यकर्ताओं के साथ विजयी जुलूस निकाला। हलके के विभिन्न गांवों से आए लोगों ने सोमबीर के आवास पर पहुंचकर उन्हें जीत की बधाई दी।

बरोदा से श्रीकृष्ण हुड्डा की हैट्रिक

गोहाना में बृहस्पतिवार को समर्थकों के साथ जीत का निशान बनाते श्रीकृष्ण हुड्डा। -निस

गोहाना (निस) : इस चुनाव से छठी बार हरियाणा विधानसभा में प्रवेश करने वाले श्रीकृष्ण हुड्डा ने बरोदा हलके से तीसरी बार लगातार विधायक बन कर हैट्रिक पूरी कर ली है। बरोदा हलके से इस बार कुल 11 प्रत्याशियों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। कुल वैध वोट 1,17,796 थे। इनमें से कांग्रेस प्रत्याशी श्रीकृष्ण हुड्डा को 41,256 वोट मिले। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा प्रत्याशी पहलवान योगेश्वर दत्त को 35, 798 वोट मिले तथा उन्हें 5,458 वोटों से पराजय मिली। तीसरे स्थान पर जननायक जनता पार्टी के प्रत्याशी भूपेन्द्र मलिक रहे। चौथा स्थान बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी नरेश कुमार व पांचवां स्थान इंडियन नेशनल लोकदल के प्रत्याशी जोगेन्द्र सिंह मलिक का रहा। छठा स्थान लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी के प्रत्याशी सत्य नारायण पांचाल, सातवां भारतीय समतावादी पार्टी के उम्मीदवार दिनेश कुमार, आठवां स्थान निर्दलीय लोकेश कुमार, नौवें स्थान पर जय महाभारत पार्टी की प्रत्याशी शकुंतला देवी, निर्दलीय प्रत्याशी धर्मपाल और अंतिम स्थान निर्दलीय प्रत्याशी वजीर सिंह का रहा।

युवती की हत्या कर दबाया शव, परिजनों पर केस

नूंह/मेवात (निस) : यहां गांव खोरी खुर्द में युवती की हत्या कर शव को कब्रिस्तान में दफ्नाने का पुलिस ने मामला दर्ज किया है। रमजान वासी गांव खोरी खुर्द थाना तावडू ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि खुर्शीद, उसके पुत्रों आरिफ, अखलाक, राहुल, साजिद तथा बसकरी, उस्मान, उम्मर, इरसाद ने मिलकर अपनी परिजन 18 वर्षीय दिलशाना पुत्री खुर्शीद की हत्या कर सबूत मिटाने की नीयत से शव को कब्रिस्तान में दबा दिया। बाद में गांव में बात पता चलने पर इस संबंध में मामला दर्ज किया गया। युवती धारुहेड़ा के एक स्कूल में पढ़ती थी और उसके कथित तौर पर अपने सहपाठी से प्रेम प्रसंग की बात सामने आयी है। शिकायत मिलने पर एसडीएम की मौजूदगी में शव को कब्र खोद कर निकाला गया। खोरी कलां चौकी इंचार्ज परमजीत सिंह ने जानकारी दी कि मृतक युवती का शव कब्रिस्तान से निकाल कर उसका पोस्टमार्टम करा दिया और मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी।

बावल में भाजपा की जीत/कांग्रेस प्रत्याशी डा. एमएल रंगा को दी शिकस्त

बनवारी लाल ने फिर खिलाया कमल

रेवाड़ी, 24 अक्तूबर (निस)

बावल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी डा. बनवारी लाल ने एक बार फिर जीत का परचम लहराया है। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस प्रत्याशी एवं पूर्व मंत्री डा. एमएल रंगा को लगभग 31840 मतों से पराजित किया।

जजपा के श्याम सुंदर सभरवाल को 30359 मत मिले और तीसरे स्थान पर रहे। भाजपा को 68483, कांग्रेस को 36643 मत मिले। इनेलो के संपतराम को 3576, बसपा के मछेन्द्र राय को 1629, स्वराज इंडिया के संजय कुमार को 469 मत प्राप्त हुए। यहां शुरू से ही भाजपा व कांग्रेस के बीच मुकाबला माना जा रहा था। लेकिन भारी विरोध की चर्चाओं के बावजूद डा. बनवारी लाल हर राउंड में आगे रहे। डा. बनवारी लाल के समक्ष कई चुनौतियां थीं। डा. एमएल रंगा को मजबूत माना जा रहा था। डा. बनवारी के खिलाफ विपक्षी ही नहीं, अपने भी हराने में लगे हुए थे। बावल के अधिकांश भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता डा. लाल से अनदेखी के चलते बेहद नाराज थे। वहीं एम्स मुद्दे पर मनेठी व आसपास के गांवों ने उनका खुला विरोध किया और कांग्रेस के पाले में जा खड़े हुए। गांव मोहनपुर से गायब छात्रा का सुराग नहीं मिलने पर गठित संघर्ष समिति ने मोर्चा खोल रखा था। डा. लाल की जीत की घोषणा होते ही उनके बावल स्थित निवास पर कार्यकर्ताओं की भीड़ जुट गई और उन्हें फूलमालाओं से लाद दिया। इस मौके पर डा. लाल ने कहा कि उन्होंने विकास कार्य कराए जिस पर जनता ने मोहर लगाई है।

रेवाड़ी में बृहस्पतिवार को मतगणना के बाद विजयी बावल के भाजपा प्रत्याशी डा. बनवारी लाल साथियों के साथ मतदान केन्द्र से बाहर आते हुए। -निस

'जनादेश का सम्मान करते हैं'

हारने के बाद अपने समर्थकों के साथ कार्यालय में बैठे डा. एमएल रंगा ने कहा कि वे जनादेश का सम्मान करते हैं। वे इसे अपनी जीत मानते हैं। क्योंकि 36804 मतदाताओं ने उनका साथ दिया। वे पूरे चुनाव में अकेले ही लगे रहे। वे अपने संघर्ष को जारी रखेंगे।

हरविंद्र कल्याण ने बनाया रिकार्ड

घरौंडा, 24 अक्तूबर (निस)

घरौंडा विधानसभा सीट पर एक व्यक्ति सिर्फ एक ही बार विधायक रहा है, लेकिन हरविंद्र कल्याण पहले ऐसे शख्स हैं जिन्होंने घरौंडा विधानसभा की सीट को दूसरी बार अपने नाम कर रिकार्ड बनाया है।

वर्ष 2014 के विधानसभा चुनावों में कल्याण ने 55,247 वोट हासिल कर इनेलो प्रत्याशी नरेंद्र सांगवान को 17,883 वोटों से हराया था। लेकिन इस विधानसभा चुनावों में कल्याण का वोट प्रतिशत बढ़ा है।

भिवानी कहीं विकास तो कहीं जातीय समीकरण रहे मुद्दे

तोशाम से किरण चौथी बार विधायक

भिवानी, 24 अक्तूबर (हप्र)

जिले में विधानसभा चुनाव के परिणाम विकास व जातीय समीकरणों पर आधारित रहे हैं। किरण चौधरी चौथी बार चौधरी बंसीलाल के गढ़ माने जाने वाले तोशाम से विधायक बनने में कामयाब रही हैं। अब तक हुए विधानसभा चुनाव में तोशाम से 8 बार चौ. बंसीलाल अथवा चौ. सुरेंद्र सिंह चुनाव जीते हैं और चार बार किरण चौधरी। बंसीलाल परिवार की तोशाम से यह बारहवीं जीत है। चौधरी ने यह चुनाव खुदके 2005 से 2014 तक के कार्यकाल में करवाए गए विकास कार्यों के बूते पर चुनाव जीता है। वहीं लोहारू में पहली बार कमल खिला है। भाजपा उम्मीदवार जेपी दलाल ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा क्षेत्र की नहरों में अंतिम छोर पर पानी पहुंचाने के प्रयासों का प्रचार किया। उन्होंने दो बार क्षेत्र से विधायक रहे पूर्व मुख्यमंत्री बंसीलाल के दामाद सोमबीर सिंह को पराजित किया। बुवानीखेड़ा व भिवानी में विकास की बजाए जातीय समीकरण ज्यादा हावी हुए। भिवानी में भाजपा के घनश्याम सर्राफ ने हैट्रिक बनाई।

घनश्याम सर्राफ को गैर जाट वोट बहुतायात संख्या में मिले। बुवानीखेड़ा में खासतौर पर राजपूत समुदाय ने अपना समर्थन बिशम्बर वाल्मीकि को दिया। वे आखिरी के दो राउंड में दस हजार से अधिक मतों से चुनाव जीत गए।

राजेंद्र जून तीसरी बार बने विधायक

बहादुरगढ़, 24 अक्तूबर (निस)

बहादुरगढ़ हलके से कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र सिंह जून 15487 वोटों से जीत दर्ज कर तीसरी बार विधायक चुने गए। रिजल्ट घोषित होने के उपरांत कांग्रेस कार्यकर्ता उन्हें जुलूस के साथ कांग्रेस कार्यालय लेकर पहुंचे।

इस अवसर पर राजेंद्र सिंह जून के साथ वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेश जून, विक्रम जून, पूर्व चेयरमैन रवि खत्री, पंडित राज पहलवान, प्रेम मल्होत्रा, श्रीनिवास गुप्ता, गजानंद गर्ग पूर्व चेयरमैन तेजबीर दलाल सहित अनेक पार्षद, कई सरपंच, पूर्व सरपंच, पूर्व पार्षद व बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस कार्यालय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जून ने कहा कि हलके का चहुंमुखी विकास व लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

'जनादेश 36 बिरादरी के नारे पर मोहर'

चरखी दादरी में बृहस्पतिवार को चुनाव परिणाम पर प्रतिक्रिया देते खाप पदाधिकारी। -निस

चरखी दादरी, 24 अक्तूबर (निस)

विधानसभा चुनाव-2019 के नतीजे आने पर खापों ने कहा कि हरियाणा हमेशा 36 बिरादरी के नारे का पक्षधर रहा है, यह प्रदेश वासियों ने अपने मत के प्रयोग से दिखा दिया है। लेकिन पिछले कुछ समय से जातिवाद का जहर हरियाणा में घोला गया। इससे प्रदेश में भारी रोष रहा और इस विधानसभा चुनाव में कांग्रेस, जजपा और आजाद उम्मीदवारों को मिलने वाले मत जातिवाद पर चोट है। खाप संयोजक महेंद्र सिंह नांदल ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि प्रदेश हित के लिये यहां मतदाताओं ने भाजपा को बाहर निकालने का प्रयास किया है। यहां 36 बिरादरी से अलग हटकर पिछले कुछ समय से अंदर खाते 35-1 की अफवाह समाज में फैलाई गई लेकिन मतदाताओं ने 75 पार के नारे को विफल कर दिया।

बाढड़ा की ताउम्र रहूंगी ऋणी : नैना

बाढड़ा, 24 अक्तूबर (निस)

बाढड़ा विधानसभा सीट से जजपा उम्मीदवार नैना चौटाला ने कांग्रेस प्रत्याशी चौधरी बंसीलाल के बेटे रणबीर सिंह महेंद्रा को हराया है।

जीत के बाद नैना चौटाला ने बाढड़ा के क्रांतिकारी चौक पर स्थित राजा महताब और मंशाराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

उसके बाद नैना चौटाला पार्टी कार्यालय पहुंची व कहा कि इस जीत के लिए बाढड़ा के लोगों की वे ताउम्र कर्जदार रहेंगी।

'बताओ राज में बैठना सै या विपक्ष में'

दलेर सिंह/हमारे प्रतिनिधि

उचाना/जींद, 24 अक्तूबर

उचाना कलां सीट से रिकार्ड जीत के बाद बृहस्पतिवार को मतदाताओं का आभार प्रकट करने कस्बे में पार्टी कार्यालय पहुंचे दुष्यंत चौटाला ने कार्यकर्ताओं को कहा कि मैं थारी राय लेन आया हूं,ये बताओ राज में बैठना सै या विपक्ष में। इस पर कार्यकर्ता एक सुर में बोले कि भाजपा के साथ मत जाना लेकिन चंडीगढ़ जरूर जाना। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं की जीत है। इस बार रिकार्ड 47 हजार पार की जीत आपकी मेहनत से मिली। दुष्यंत ने कहा कि इस हलके के लोगों का अहसान वे नहीं चुका सकते हैं। केवल 11 महीने पहले बनी पार्टी को आपने किंग मेकर की भूमिका में ला दिया है। दुष्यंत ने खास तौर पर गांव डूमरखा कलां व करसिंधु का आभार प्रकट किया। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि बंपर जीत के लिए हलके के हर गांव में लोगों का आभार प्रकट करने आया हूं। दुष्यंत चौटाला का गांव खटकड़ व बड़ौदा में स्वागत किया गया। जेजेपी आई रै के गीतों पर युवाओं ने खूब डांस किया। जेजेपी कार्यालय में दुष्यंत चौटाला ने कार्यालय की छत पर चढ़ कर लोगों को संबोधित किया।

उचाना में बृहस्पतिवार को कार्यालय की छत पर चढ़ कर लोगों को संबोधित करते दुष्यंत चौटाला। -हप्र

विजय हजारे ट्राफी

कर्नाटक, तमिलनाडु में निर्णायक मुकाबला आज

बेंगलुरू, 24 अक्तूबर (एजेंसी)

कर्नाटक और तमिलनाडु की टीमें शुक्रवार से विजय हजारे ट्रॉफी के लिये फाइनल में एक दूसरे को पछाड़कर ट्राफी हासिल करना चाहेंगी। सभी की निगाहें भारतीय खिलाड़ी मयंक अग्रवाल, आर अश्विन और लोकेश राहुल के प्रदर्शन पर लगी होंगी।

मनीष पांडे की अगुआई वाली कर्नाटक ने नाकआउट मैचों में शानदार जीत हासिल की लेकिन लीग चरण में दबदबा बनाने वाली तमिलनाडु थोड़ा भाग्यशाली रहा कि बारिश के नियम से उन्हें क्वार्टरफाइनल में पंजाब को पछाड़ने में मदद मिली जिसके बाद युवा एम शाहरुख खान ने उन्हें गुजरात के खिलाफ सेमीफाइनल में जीत दिलायी। दोनों टीमें बराबरी की टक्कर देनी वाली हैं जिसमें मजबूत बल्लेबाजी लाइन अप मौजूद है और बेहतरीन गेंदबाज मौजूद हैं।

हालांकि आर अश्विन की मौजूदगी से तमिलनाडु का आक्रमण और अनुभवी दिखता है जिसमें वैराइटी भी मौजूद है। शुक्रवार से शुरू होने वाले इस मुकाबले का नतीजा इस बात पर निर्भर करेगा कि किस टीम का गेंदबाजी आक्रमण प्रभावशाली रहता है क्योंकि दोनों टीमों की बल्लेबाजी में काफी गहराई है।

घरेलू टीम में भारतीय टेस्ट टीम से बाहर चल रहे सलामी बल्लेबाज राहुल (10 मैचों में 546 रन) ने क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन दिखाया। उनके साथ उनके सलामी जोड़ीदार देवदत्त पडीक्कल (10 मैचों में 598 रन) ने भी अच्छी बल्लेबाजी की है। कप्तान मनीष पांडे भी अच्छी लय में हैं। मयंक और टेस्ट टीम से बाहर चल रहे करुण नायर भी फाइनल में अपना दमखम दिखाना चाहेंगे।

देवधर ट्रॉफी के लिये टीमें घोषित, अश्विन-अग्रवाल को भी मौका

मुंबई, 24 अक्तूबर (एजेंसी)

पिछले 2 साल से भी अधिक समय से भारत की तरफ से सीमित ओवरों का मैच नहीं खेलने वाले ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने देवधर ट्राफी में खेलने का मौका दिया है। अश्विन के अलावा टेस्ट सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल को भी 50 ओवरों के प्रारूप के इस टूर्नामेंट के लिये बृहस्पतिवार को घोषित तीन टीमों में से एक टीम में जगह दी गयी है।

टूर्नामेंट में भारत ए की अगुवाई हनुमा विहारी करेंगे जो टेस्ट टीम के एक अन्य नियमित सदस्य हैं जबकि शुभमन गिल को भारत सी टीम की कमान सौंपी गयी है। गिल टेस्ट टीम में हैं लेकिन उन्हें अभी तक खेलने का मौका नहीं मिला है।

भारत ए : हनुमा विहारी (कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, अभिमन्यु ईश्वरन, विष्णु विनोद, अमनदीप खरे, अभिषेक रमन, इशान किशन (विकेटकीपर), शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, रविचंद्रन अश्विन, जयदेव उनादकट, संदीप वारियर, सिद्धार्थ कौल, भार्गव मेराई। **भारत बी :** पार्थिव पटेल (कप्तान एवं विकेटकीपर), प्रियांक पांचाल, यशस्वी जायसवाल, बाबा अपराजित, केदार जाधव, रुतुराज गायकवाड़, शाहबाज नदीम, अनुकुल रॉय, के गौतम, विजय शंकर, मोहम्मद सिराज, रश कलारिया, येर्रा पृथ्वीराज, नितीश राणा। **भारत सी :** शुभमन गिल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, अनमोलप्रीत सिंह, सूर्यकुमार यादव, प्रियम गर्ग, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, मयंक मारकंडे, जलज सक्सेना, अवेश खान, धवल कुलकर्णी, इशान पोरेल, डी जी पठानिया, विराट सिंह।

बांग्लादेश के साथ टी-20 सीरीज 3 नवंबर से, टीम चयनित

विराट को आराम, मुंबई के शिवम को मिला काम

■ पहली बार टीम में शामिल । रोहित करेंगे कप्तानी

मुंबई, 23 अक्तूबर (एजेंसी)

भारतीय कप्तान विराट कोहली को बांग्लादेश के खिलाफ 3 मैचों की टी-20 सीरीज के लिये बृहस्पतिवार को विश्राम दिया गया जबकि मुंबई के शिवम दुबे को घरेलू स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिये पहली बार टीम में लिया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन और स्पिनर युजवेंद्र चहल की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। पूर्व की तरह कोहली की अनुपस्थिति में रोहित शर्मा टीम की अगुवाई करेंगे। इसके अलावा आलराउंडर रविंद्र जडेजा को विश्राम दिया गया है।

बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिये दक्षिण अफ्रीका पर 3-0 से जीत दर्ज करने वाली टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया। सीरीज 3 नवंबर को 3 टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों से शुरू होगी और उसके बाद 2 टेस्ट मैच खेले जाएंगे। टी-20 टीम में मुंबई के तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर को भी शामिल किया गया है। दिल्ली के तेज गेंदबाज नवदीप सैनी को फिटनेस कारणों से टीम में नहीं चुना गया है।

चयनसमिति के अध्यक्ष एमएसके प्रसाद ने कहा, 'अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार चोट से उबरकर अगली श्रृंखला (वेस्टइंडीज के खिलाफ) में वापसी कर सकते हैं।' तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह की वापसी में अभी समय लगेगा।

शिवम दुबे

टी-20 टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शिखर धवन, लोकेश राहुल, संजू सैमसन, श्रेयस अय्यर, मनीष पांडे, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, कृणाल पंड्या, युजवेंद्र चहल, राहुल चाहर, दीपक चाहर, खलील अहमद, शिवम दुबे, शार्दुल ठाकुर।

टेस्ट टीम

विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, हनुमा विहारी, ऋद्धिमान साहा (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, आर अश्विन, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, उमेश यादव, इशांत शर्मा, शुभमन गिल और ऋषभ पंत।

मुझे आक्रामक बल्लेबाजी शैली पसंद है : दुबे

मुंबई के आलराउंडर शिवम दुबे ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्हें आक्रामक बल्लेबाजी करना पसंद है और वह अपनी इस 'पावर हिटिंग' शैली को कभी नहीं छोड़ेंगे जिसने उन्हें भारतीय टीम में शामिल कराने में अहम भूमिका निभायी। दुबे को भारत ए टीम में अपने शानदार प्रदर्शन के बूते पहली बार भारतीय टीम में चुना गया। 26 साल के इस खिलाड़ी को अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की सीरीज के लिये भारतीय टीम में चुना गया है क्योंकि आलराउंडर हार्दिक पंड्या अभी तक पीठ की सर्जरी से उबर रहे हैं। दुबे ने दूसरी पसंद के आलराउंडर के तौर पर विजय शंकर को पीछे छोड़ा और इसमें उनकी 'बिग हिटिंग' बल्लेबाजी शैली का अहम योगदान रहा।

पंत को और मौके देंगे, धोनी भी चयनकर्ताओं से सहमत हैं : प्रसाद

मुंबई। चयनसमिति के अध्यक्ष एमएसके प्रसाद ने गुरुवार को साफ किया कि वे ऋषभ पंत को लंबे समय तक मौका देने की मंशा रखते हैं। उन्होंने कहा कि महेंद्र सिंह धोनी भी युवाओं को अवसर प्रदान करने के चयनकर्ताओं के रवैये से सहमत हैं। धोनी ने 50 ओवरों के विश्व कप के बाद से खुद को चयन के लिये अनुपलब्ध रखा है। चयनसमिति ने बृहस्पतिवार को बांग्लादेश सीरीज के लिये पंत के साथ संजू सैमसन को भी विकेटकीपर के तौर पर टी20 में शामिल किया है। प्रसाद ने कहा कि वह पहले ही कह चुके हैं कि अब धोनी से आगे सोचने की जरूरत है।

अबुधाबी टी 10 टूर्नामेंट में खेलेंगे युवराज

दुबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय बल्लेबाज युवराज सिंह को आगामी अबुधाबी टी-10 टूर्नामेंट के लिये मराठा अरेबियन्स ने बृहस्पतिवार को अपना आइकन खिलाड़ी चुना। जून में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद वह इस फ्रेंचाइजी आधारित टूर्नामेंट में दूसरी बार शिरकत करेंगे। यह टूर्नामेंट 14 नवंबर को शुरू हो रहा है। इसे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की मंजूरी मिल चुकी है। युवराज ने 2007 टी-20 विश्व कप और 2011 विश्व कप में खिताब जीतने वाली भारतीय टीम में अहम भूमिका अदा की थी।

बीसीसीआई के बिना क्या है आईसीसी की हैसियत : अरुण

नये कोषाध्यक्ष ने कहा- लगायेंगे खर्चों पर लगाम

नयी दिल्ली, 24 अक्तूबर (एजेंसी)

बीसीसीआई के नव नियुक्त कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नीतियों के निर्धारण में भारत की भूमिका नहीं होने पर इसकी प्रासंगिकता पर सवाल भी उठाए।

नये क्रिकेट प्रशासकों के पदभार संभालने के बाद धूमल ने अपनी प्राथमिकताओं पर बात की जिसमें बीसीसीआई के दुनिया का सबसे अमीर बोर्ड होने के बावजूद बोर्ड के राजस्व में इजाफा करना शामिल है। गैरजरूरी खर्चों पर लगाम लगाया जायेगा। इस पैसे का इस्तेमाल प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों की वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए करेंगे। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष अनुराग ठाकुर के भाई धूमल पिछले कुछ वर्षों में विधिक खर्चों के बढ़ने से भी हैरान हैं।

धूमल ने कहा, 'क्या हमने कभी कल्पना की थी कि आईसीसी के खाके के निर्धारण में बीसीसीआई का कोई मत नहीं होगा। कभी इसकी कल्पना नहीं की गई थी। बीसीसीआई के बिना आईसीसी क्या है?'

भविष्य के कार्यक्रमों के मामले में आईसीसी से सहमत नहीं

धूमल ने कहा, 'हम टूर्नामेंटों की संख्या बढ़ाने के संदर्भ में आईसीसी के नये प्रस्ताव से सहमत नहीं हैं।' उन्होंने साथ ही स्पष्ट कर दिया कि जहां तक 2023-2031 के भविष्य दौरा कार्यक्रम का सवाल है तो वे आईसीसी के साथ नहीं हैं। नये प्रस्ताव में प्रत्येक वर्ष विश्व टी-20 और प्रत्येक 3 साल में एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय विश्व कप के आयोजन का प्रावधान है। माना जा रहा है कि आईसीसी इसी योजना के साथ 2023-2028 के वैश्विक मीडिया अधिकार बाजार में उतरेगा और स्टार स्पोर्ट्स जैसे संभावित प्रसारणकर्ताओं से उसे अधिक राजस्व मिलने की उम्मीद है।

गांगुली के साथ बातचीत को लेकर उत्सुक हैं कोहली

मुंबई: भारतीय कप्तान विराट कोहली ने गुरुवार को कहा कि वह बीसीसीआई के नव नियुक्त अध्यक्ष और पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के साथ 'शीर्ष स्तर और पेशेवर' चर्चा को लेकर उत्साहित हैं। राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की भविष्य की योजनाओं के लेकर गांगुली और कोहली के जल्द ही मुलाकात करने की उम्मीद है। कोहली ने बृहस्पतिवार को एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान कहा, 'मैं अब उनसे मिलूंगा। मैं अच्छी चर्चा को लेकर उत्साहित हूं। वह ऐसा व्यक्ति है जो पहले काफी क्रिकेट खेल चुका है, जो उस स्थिति को जानता है जिसमें हम हैं, टीम की क्या जरूरत है, भारतीय क्रिकेट की क्या जरूरत है।'

फीफा रैंकिंग में 2 स्थान लुढ़का भारत, 106वें पायदान पर पहुंचा

नयी दिल्ली, 24 अक्तूबर (एजेंसी)

भारतीय फुटबाल टीम बृहस्पतिवार को जारी नवीनतम फीफा रैंकिंग में 2 स्थान के नुकसान से 106वें पायदान पर खिसक गई। इस महीने फीफा विश्व कप क्वालीफायर में खराब रैंकिंग वाली बांग्लादेश की टीम के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेलने के बाद भारत की रैंकिंग में गिरावट आई है।

सितंबर में एशियाई चैंपियनशिप कतर के खिलाफ भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल रहित ड्रा खेला था लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ इस प्रदर्शन को दोहराने में सफल रहा। बांग्लादेश को इस ड्रा से फायदा हुआ है और वह तीन स्थान के फायदे से 184वें स्थान पर पहुंच गया है।

करतारपुर गलियारा समझौते पर भारत-पाकिस्तान की लगी मुहर

दरबार साहिब की राह से हटी बाधाएं

बिना वीजा प्रतिदिन जा सकेंगे 5000 श्रद्धालु, तीर्थयात्रियों को उसी शाम लौटना होगा

लाहौर, 24 अक्तूबर (एजेंसी)

भारत और पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को ऐतिहासिक करतारपुर गलियारे को चालू करने संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए। इससे अब भारत के सिख श्रद्धालु पाकिस्तान स्थित पवित्र दरबार साहिब तक जा पाएंगे। यह गलियारा भारत के पंजाब में डेरा बाबा नानक गुरुद्वारे को करतापुर स्थित दरबार साहिब से जोड़ेगा जो अंतर्राष्ट्रीय सीमा से महज चार किलोमीटर दूर पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के नरोवाल जिले में स्थित है। बताया गया कि पाकिस्तान ने भारत को लंगर और प्रसाद वितरण के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने का भरोसा दिलाया है। बयान में कहा गया है कि सभी धर्मों के भारतीय गलियारे का इस्तेमाल कर सकेंगे और वीजा मुक्त यात्रा कर सकेंगे। इसमें कहा गया है कि करतारपुर गलियारा सूर्योदय से सूर्यास्त तक खुला रहेगा। सुबह तीर्थयात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों को उसी दिन शाम तक लौटना होगा।

समझौते पर हस्ताक्षर करने संबंधी कार्यक्रम का आयोजन नरोवाल में भारत-पाकिस्तान सीमा पर करतारपुर जीरो प्वाइंट पर हुआ। भारत की तरफ से केंद्रीय गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव एससीएल दास ने, जबकि पाकिस्तान की तरफ से पाकिस्तानी विदेश कार्यालय के प्रवक्ता मोहम्मद फैसल ने समझौते पर दस्तखत किए। इस समझौते के बाद अब पाकिस्तान के नरोवाल जिले के गुरुद्वारा दरबार साहिब तक इस गलियारे के जरिए पहुंचा जा सकेगा। गुरुद्वारा दरबार साहिब में सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव ने अपने जीवन के अंतिम 18 वर्ष बिताए थे। समझौते के तहत, श्रद्धालु सुबह के समय यहां पहुंचेंगे और गुरुद्वारा दरबार साहिब के दर्शन कर शाम तक लौटेंगे। हर दिन कम से कम 5,000 श्रद्धालुओं को बिना वीजा के इस पवित्र स्थल तक आने की अनुमति दी जाएगी। बता दें कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान गुरु नानक देव की 550वीं जयंती से पहले 9 नवंबर को इस गलियारे का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। करतारपुर गलियारे के भारतीय क्षेत्र में आने वाले हिस्से का शिलान्यास उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने पिछले साल नवंबर में पंजाब के गुरदासपुर जिले में किया था। इसके दो दिन बाद, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने नरोवाल में कॉरिडोर की आधारशिला रखी थी।

ऑनलाइन पंजीकरण शुरू

डेरा बाबा नानक (पंजाब) : करतारपुर गलियारे को चालू करने के समझौते पर भारत और पाकिस्तान के हस्ताक्षर करने के बाद तीर्थयात्रियों के लिये ऑनलाइन पंजीकरण बृहस्पतिवार को शुरू हो गया। इसके लिए ऑनलाइन पोर्टल (**prakashpurb**550.**mha.gov.in**) चालू हो गया। तीर्थयात्रा पर जाने के इच्छुक लोगों को इस पोर्टल में ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। तीर्थयात्रियों को यात्रा की तिथि से तीन-चार दिन पहले उनके पंजीकरण की पुष्टि के बारे में एसएमएस या ईमेल के जरिए सूचना दी जाएगी। बयान में कहा गया कि तीर्थयात्री जब यहां पैसेंजर टर्मिनल बिल्डिंग पहुंचेंगे, तब उन्हें अपने पासपोर्ट के साथ 'इलेक्ट्रॉनिक ट्रैवल ऑथराइजेशन' भी अपने पास रखना होगा। समझौते के मुताबिक भारत यात्रा की तारीख से 10 दिन पहले पाकिस्तान को तीर्थयात्रियों की सूची भेजेगा।

पाकिस्तान की तरफ करतारपुर गलियारे के निर्माण कार्य को अंतिम रूप दिया जा रहा है। - प्रेट्र

तीर्थयात्रियों के लिए निर्देश

- तीर्थयात्री अधिकतम 11,000 रुपए और 7 किलो का एक बैग ले जा सकेंगे
- 13 से कम और 75 वर्ष से अधिक के लोगों को रहना होगा समूह में
- प्लास्टिक की थैली, धूम्रपान, मदिरापान और तंबाकू सेवन प्रतिबंधित
- तेज आवाज में संगीत बजाना और बिना अनुमति तस्वीरें लेने पर पाबंदी
- वाईफाई, इंटरनेट डिवाइस, झंडे और बैनर ले जाने पर पाबंदी

3.65 करोड़ डॉलर प्रति वर्ष कमाएगा पाकिस्तान

नयी दिल्ली : पाकिस्तान को करतारपुर तीर्थयात्रा से तीन करोड़ 65 लाख डॉलर तक की वार्षिक आय होने का अनुमान है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि तीर्थयात्रियों से सेवा शुल्क के रूप में पाकिस्तान को सालाना 259 करोड़ रुपए (भारतीय मुद्रा) मिलेंगे। यह पाकिस्तान के लिए विदेशी मुद्रा का अन्य स्रोत होगा। उन्होंने बताया कि चूंकि पांच हजार तीर्थयात्रियों को पाकिस्तान के करतारपुर में गुरुद्वारा दरबार साहिब जाने की इजाजत है। इसमें प्रत्येक तीर्थयात्री से रोजाना 20 डॉलर सेवा शुल्क लिया जाएगा। इस हिसाब से प्रति दिन पाकिस्तान को 1,00,000 डॉलर की आय होगी। यह तीर्थयात्रा साल के 365 दिन चलेगी तो पाकिस्तान को इससे 3,65,00,000 डॉलर की आय होगी।

विश्वबैंक की सूची में 63वां रैंक

कारोबार सुगमता में भारत की लंबी छलांग

वाशिंगटन, 24 अक्तूबर (एजेंसी)

विश्वबैंक की कारोबार सुगमता सूची में भारत ने 14 स्थान की छलांग लगाते हुए दुनिया में 63वां रैंक हासिल किया है। बृहस्पतिवार को जारी इस सूची में भारत को सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 10 देशों में तीसरी बार शामिल किया गया है। इसकी प्रमुख वजह दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता को कुशलता से लागू करना है। इससे पिछली सूची में 190 देशों में भारत 77वें स्थान पर था।

कारोबार सुगमता सूची में न्यूजीलैंड शीर्ष पर बना हुआ है। इसके बाद क्रमशः सिंगापुर, हांगकांग है। दक्षिण कोरिया सूची में पांचवें और अमेरिका छठे स्थान पर है। पड़ोसी मुल्क चीन 31वें और पाकिस्तान 108वें स्थान पर है।

भारत के लिए इस सूची में स्थान सुधरना एक राहत भरा मौका है। यह सूची ऐसे समय आयी है, जब भारतीय रिजर्व बैंक, विश्वबैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने देश की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान में कमी की है। कारोबार सुगमता सूची-2020 में विश्वबैंक ने भारत की अर्थव्यवस्था के आकार को देखते हुए सरकार द्वारा किए गये सुधार प्रयासों की सराहना की है। विश्वबैंक में विकास अर्थशास्त्र के निदेशक सिमोन जानकोव ने कहा, 'यह लगातार तीसरा साल है जब भारत कारोबार सुगमता की दिशा में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 10 देशों में शामिल रहा है। पिछले 20 साल में ऐसा करने में कुछ देश ही सफल रहे हैं। अविश्वसनीय रूप से ऐसा करने वाले अन्य देश जनसंख्या और आकार इत्यादि के मामले में बेहद छोटे (भारत के मुकाबले) हैं।' उन्होंने कहा कि भारत ऐसा पहला देश है जिसने ऐसा कीर्तिमान हासिल किया है। इस साल उसकी रैंकिंग में 14 स्थान का सुधार हुआ है। सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले 10 शीर्ष देशों में चीन, बहरीन, सऊदी अरब, जॉर्डन, कुवैत, तोगो, तजाकिस्तान, पाकिस्तान और नाइजीरिया हैं।

बड़ी उपलब्धि : कांत

नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने कहा, 'यह एक बड़ी उपलब्धि है। हमारा लक्ष्य शीर्ष 50 देशों में और उसके बाद अगले 3 सालों में शीर्ष-25 देशों में शामिल होने का है। प्रधानमंत्री ने हमारे लिए यह लक्ष्य तय किया है। देश का प्रदर्शन बढ़िया रहा है, लेकिन अभी और कुछ किए जाने की जरूरत है।'

आईएनएक्स मीडिया केस

चिदंबरम 30 तक ईडी की हिरासत में

नयी दिल्ली, 24 अक्तूबर (एजेंसी)

दिल्ली की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को आईएनएक्स मीडिया मनी लांड्रिंग मामले में पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम को 30 अक्तूबर तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया। विशेष न्यायाधीश अजय कुमार कुहाड़ ने ईडी को चिदंबरम से पूछताछ की अनुमति दी और कहा कि स्वास्थ्य संबंधी किसी भी जटिलता के मामले में उन्हें तुरन्त एम्स ले जाया जाये। अदालत ने कहा कि उनकी हिरासत की अन्य शर्तें वही रहेंगी जिसमें उन्हें घर का बना खाना उपलब्ध कराया जाना भी शामिल है। जांच एजेंसी ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता से पूछताछ के लिए उन्हें 7 दिन की हिरासत में भेजे जाने का अदालत से अनुरोध किया था। ईडी ने 16 अक्तूबर को चिदंबरम को हिरासत में लिया था और उनकी हिरासत अवधि बृहस्पतिवार को समाप्त हुई थी।

ईडी से जवाब मांगा : दिल्ली हाईकोर्ट ने आईएनएक्स मीडिया मनी लांड्रिंग मामले में चिदंबरम की जमानत याचिका पर ईडी से बृहस्पतिवार को जवाब मांगा। जस्टिस सुरेश कैत ने ईडी को एक सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा है। अगली सुनवाई 4 नवंबर को होगी।

स्टिंग मामले में सीबीआई केस

न्यायपालिका पर है पूरा भरोसा : हरीश रावत

देहरादून, 24 अक्तूबर (एजेंसी)

स्टिंग मामले में सीबीआई द्वारा एफआईआर दर्ज किये जाने के बाद उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और वह जांच एजेंसी के साथ पूरा सहयोग करेंगे। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में रावत ने कहा, 'मुझे देश की न्याय व्यवस्था पर पूरा विश्वास है। क्या दल-बदलुओं और इसमें सहयोग करने वालों के खिलाफ जांच नहीं होनी चाहिये? मुझे विश्वास है कि यह सारा प्रकरण भारत के न्यायिक इतिहास में कई संस्थाओं की परीक्षा का कारक बनेगा।' निर्दोष होने का दावा करते हुए रावत ने कहा कि कांग्रेस पहले ही दल-बदलुओं के विरुद्ध अयोग्यता का दावा संवैधानिक अधिकारी के पास दायर कर चुकी थी और उस पर नोटिस जारी हो चुका था, इसलिये किसी भी दल-बदलू के समर्थन को दोबारा हासिल करने का अर्थ अपने पांव में कुल्हाड़ी मारना ही होता।

वर्ष 2016 में प्रदेश में राष्ट्रपति शासन के दौरान एक स्टिंग सामने आया था, जिसमें रावत सत्ता में बने रहने के लिये भाजपा के साथ चले गये असंतुष्ट विधायकों का समर्थन दोबारा हासिल करने के लिये कथित तौर पर धन की सौदेबाजी करते दिखायी दे रहे हैं।

मौलाना के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत वापस न लेने पर मार दिया था

बांग्लादेश छात्रा को जिंदा जलाने के मामले में 16 को सजा-ए-मौत

फेनी (बांग्लादेश), 24 अक्तूबर (एजेंसी)

बांग्लादेश की एक अदालत ने अप्रैल में 19 वर्षीय एक छात्रा को जिंदा जलाकर उसकी हत्या करने के मामले में बृहस्पतिवार को 16 लोगों को मौत की सजा सुनाई। इस वारदात के विरोध में देशभर में व्यापक प्रदर्शन हुए थे। नुसरत जहां रफी ने एक मदरसे के मौलाना के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत वापस लेने से इनकार कर दिया था जिसके कारण केरोसिन छिड़ककर उसे जिंदा जला दिया गया था।

अभियोजक हाफिज अहमद ने लोगों की भारी भीड़ के बीच अदालत में फैसला सुनाए जाने के बाद संवाददाताओं से कहा, 'यह फैसला साबित करता है कि बांग्लादेश में कोई हत्यारा कानून से नहीं बचेगा। हमारे यहां कानून का शासन है।' छात्रा को उस मदरसे की छत पर फुसलाकर ले जाया गया था, जहां वह पढ़ती थी। हमलावरों ने उससे शिकायत वापस लेने को कहा था। जब उसने इनकार किया, तब हमलावरों ने उसे बांध दिया और उस पर केरोसिन डालकर उसे आग लगा दी। इसमें नुसरत 80 प्रतिशत जल गयी थी। उसने पांच दिन बाद 10 अप्रैल को अस्पताल में दम तोड़ दिया। नुसरत की हत्या को लेकर बांग्लादेश में तीखी प्रतिक्रिया और व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए थे। इस घटना ने बांग्लादेश में यौन उत्पीड़न के मामलों की बढ़ती चिंताजनक संख्या को भी रेखांकित किया था। प्रदर्शनकारियों ने किशोरी के हत्यारों के लिए कड़ी सजा की मांग की थी। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भी सभी अपराधियों को न्याय के दायरे में लाने का वादा किया था। नुसरत ने मार्च के आखिर में यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। लीक हुए एक वीडियो में दिखाया गया है कि स्थानीय पुलिस थाना प्रमुख ने उसकी शिकायत दर्ज की लेकिन इसे यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह बड़ी बात नहीं है। इस घटना के बाद बांग्लादेश ने करीब 27,000 स्कूलों को यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए समितियां बनाने का आदेश दिया था।

बांग्लादेश के फेनी में बृहस्पतिवार को कोर्ट के फैसले के बाद सुरक्षा घेरे में आरोपी। - एएफपी

ट्रक में मिले 39 शव चीनी नागरिकों के

लंदन, 24 अक्तूबर (एजेंसी)

ब्रिटेन में एक ट्रक में मिले 39 शव चीनी नागरिकों के हैं। ब्रिटेन की मीडिया में यह खबर सामने आई है। पूर्वी लंदन के ग्रेज इलाके में बेल्जियम से आए ट्रक में बुधवार को यह शव मिले थे। आव्रजन अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे स्थानीय एसेक्स पुलिस बल ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता पीड़ितों की पहचान करना है। 39 में से 38 शव व्यस्कों के और एक शव किशोर का है। हालांकि एसेक्स पुलिस और चीनी दूतावास ने अनुरोध किये जाने पर भी कोई टिप्पणी नहीं की। इससे पहले वर्ष 2000 में, डोवर बंदरगाह पर एक ट्रक में 58 चीनी प्रवासियों के शव और दो लोग जिंदा मिले थे।

विपक्ष के विरोध मार्च की योजना

इमरान ने कहा-इस्तीफा नहीं दूंगा

इस्लामबाद, 24 अक्तूबर (एजेंसी)

पाकिस्तान में अगले हफ्ते होने वाले विपक्षी दलों द्वारा आहूत विरोध मार्च के मद्देनजर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने स्पष्ट किया है कि वह इस्तीफा नहीं देंगे। उन्होंने इस धरने को 'विदेश समर्थित' एजेंडा बताकर न केवल खारिज किय बल्कि कहा कि इससे भारत को खुशी मिली है।

उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) के प्रमुख फज़ल-उर-रहमान की अगुवाई में 31 अक्तूबर को राजधानी इस्लामाबाद में आज़ादी मार्च निकलेगा। इस मार्च को नवाज की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज़ और ज़रदारी की पाकिस्तान पीपल्स पार्टी समेत सभी बड़ी विपक्षी दलों का समर्थन है। रहमान ने आरोप लगाया है कि जुलाई 2018 में हुए चुनाव में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी की मदद करने के लिए धांधली की गई थी। उन्होंने खान का इस्तीफा मांगा है।

'जिओ न्यूज़' के अनुसार प्रधानमंत्री ने एक बैठक में कहा, 'मेरे इस्तीफे का सवाल ही पैदा नहीं होता और मैं इस्तीफा नहीं दूंगा। धरना एजेंडे के तहत किया जा रहा है और इसे विदेशी समर्थन प्राप्त है।' खान का मानना है कि जेयूआई-एफ के प्रदर्शन की योजना से भारत खुश है। 'मैं मौलाना (फज़ल-उर-रहमान) की परेशानी समझ नहीं पा रहा हूं। मैं विपक्ष का एजेंडा समझ नहीं पा रहा हूं।'

अस्पताल पहुंचीं मरियम भी हुई बीमार

बाप-बेटी अगल-बगल के कमरे में भर्ती

लाहौर, 24 अक्तूबर (एजेंसी)

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज की तबीयत खराब होने पर उन्हें उसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं पर उनके पिता का, प्लेटलेट घट जाने की समस्या की वजह से इजाज चल रहा है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के अनुसार शरीफ (69) की प्लेटलेट्स सोमवार को काफी ज्यादा घट गईं और उनकी हालत गंभीर हो गई। उन्हें कोट लखपत जेल से लाहौर के सर्विस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

रिपोर्ट में कहा गया कि कोट लखपत जेल में ही सजा काट रहीं मरियम नवाज ने अपने पिता को अस्पाल में देखने जाने की अनुमति संबंधी अर्जी जवाबदेही अदालत में दाखिल की थी जिसे अदालत ने खारिज कर दिया था। पीएम इमरान खान के निर्देश पर पंजाब गृह विभाग ने मरियम को बीमार पिता को देखने जाने की अनुमति दी। पिता से मिलने के बाद मरियम भी बीमार पड़ गईं।

एनआरसी हजेला के ट्रांसफर के लिए केंद्र ने मांगा समय

नयी दिल्ली, 24 अक्तूबर (एजेंसी)

असम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के समन्वयक प्रतीक हजेला को मध्य प्रदेश ट्रांसफर करने संबंधी औपचारिकताएं पूरी करने की समयसीमा बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार बृहस्पतिवार को सुप्रीमकोर्ट पहुंची। अदालत ने केंद्र और असम सरकार को 18 अक्तूबर को निर्देश दिया था कि हजेला को 7 दिनों में उनके मूल राज्य मध्य प्रदेश ट्रांसफर कर दिया जाए। केंद्र के वकील ने चीफ जस्टिस रंजन गोगोई की अगुवाई वाली पीठ से बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार ने असम-मेघालय काडर के आईएएस अधिकारी को ट्रांसफर करने के लिए कदम उठाए हैं, लेकिन प्रक्रियागत औपचारिकताएं पूरी करने में कुछ समय लगेगा। इस पर पीठ ने कहा, 'आप याचिका दायर कीजिए।' हजेला को शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को अंतिम रूप देने और इसके आंकड़ों के प्रकाशन की संवेदनशील कवायद के लिए समन्वयक नियुक्त किया था।

सर्कुलेशन, विज्ञापन बुकिंग तथा अन्य संबंधित जानकारी हेतु कृपया निम्नांकित नंबरों पर सोमवार से शनिवार तक सुबह 10.00 बजे से सायं 5.00 बजे के बीच सम्पर्क करें :
सर्कुलेशन : 0172-2670419 या ई-मेल करें : circulation@tribunemail.com
विज्ञापन :
क्लासिफाइड : 0172-2670257 या ई-मेल करें : classified@tribunemail.com
डिस्प्ले : 0172-2670256 या ई-मेल करें : advt@tribunemail.com

प्रकाशक व मुद्रक राजकुमार सिंह द्वारा द ट्रिब्यून ट्रस्ट की ओर से द ट्रिब्यून प्रेस, प्लाट नं. 123, सेक्टर-37, पेस सिटी-1, गुरुग्राम से मुद्रित व द ट्रिब्यून, सेक्टर 29-सी, चंडीगढ़ से प्रकाशित।
कॉपीराइट © द ट्रिब्यून ट्रस्ट, सर्वाधिकार सुरक्षित।
आर.एन.आई. रजि. नंबर CHAHIN/ 2017/ 72698
गुरुग्राम फोन : 0124-2210033, 2210044.
सर्कुलेशन : 0172-2670419, विज्ञापन : 0172-2670256-257.
संपादक : राजकुमार सिंह*
*पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु जिम्मेदार।
epaper.dainiktribuneonline.com

पेज 1 के शेष

10 साल बाद...

वहीं 36 विधायक होने के बावजूद कांग्रेस ने सरकार बनाई थी। इसी तरह से 1996 में चौ. बंसीलाल की हरियाणा विकास पार्टी को 33 और गठबंधन सहयोगी भाजपा को 11 सीटें मिली थीं। 2009 में हुड्डा ने निर्दलीयों के सहारे सरकार बनाई थी। बाद में हजकां के छह में से पांच विधायकों ने पार्टी का कांग्रेस में विलय किया था।

दिल्ली पहुंचे निर्दलीय : 40 सीटों पर सिमटने के साथ ही भाजपा ने सभी निर्दलीयों से संपर्क शुरू कर दिया है। सिरसा से सांसद सुनीता दुग्गल बृहस्पतिवार शाम ही गोपाल कांडा व रानियां से निर्दलीय विधायक रंजीत सिंह को लेकर नयी दिल्ली पहुंच गई। इसी तरह से बाकी के सातों निर्दलीय भी भाजपा के संपर्क में आ चुके हैं। बता दें कि अल्पमत में आने के बाद अब भाजपा के पास दो विकल्प बचे हैं। पहला तो यह है कि वह दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व वाली जननायक जनता पार्टी के समर्थन से सरकार बनाए। दूसरा 7 निर्दलीयों के अलावा सिरसा से हरियाणा लोकहित पार्टी के टिकट पर चुनाव जीते गोपाल कांडा और ऐलनाबाद से इनेलो विधायक अभय सिंह चौटाला को साथ लेकर भी वह बहुमत साबित कर सकती है।

सत्ता को सबक

90 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 40 और कांग्रेस के 31 पर अटक जाने से साफ है कि नयी सरकार की चाबी 10 विधायकों वाली जजपा और शेष अन्य के हाथ है। भाजपा की प्राथमिकता निर्दलीयों के समर्थन से सरकार बनाने की होगी, क्योंकि वह जजपा के मुकाबले कम कीमत मांगेंगे और बीच-बीच में आंखें भी नहीं दिखायेंगे। इसके बावजूद इन चुनावों में दुष्यंत चौटाला और उनकी जजपा नये राजनीतिक विकल्प के रूप में उभरे हैं। चौटाला परिवार में अंतर्कलह के चलते जिस इनेलो से टूट कर जजपा का जन्म हुआ, उसके वर्ष 2014 के चुनाव में 19 विधायक चुन कर आये थे, लेकिन नये चुनाव आते-आते ज्यादातर पाला बदल गये और इन चुनावों में अकेले अभय सिंह चौटाला ही विधायक बन पाये हैं। इस लिहाज से लगभग 11 महीने पहले बनी जजपा की 10 सीटों पर जीत निश्चय ही बड़ी उपलब्धि है, और भावी राजनीतिक परिदृश्य का संकेत भी। दुष्यंत ने भाजपा-कांग्रेस के संभावनाशील बागियों पर दांव लगा कर यह चुनावी सफलता हासिल की है, लेकिन ऐसे लोगों की वफादारी अकसर संदिग्ध रहती है। इसलिए अगर दुष्यंत नयी सरकार में भागीदार नहीं बनते हैं तो वह नव निर्वाचित विधायकों को एकजुट रखते हुए जजपा का जनाधार बढ़ाने की दोहरी चुनौती से रूबरू रहेंगे। हां, हरियाणा की राजनीति का सबसे युवा खिलाड़ी होने के नाते उम्र अवश्य उनके साथ है। महाराष्ट्र के मतदाताओं ने हरियाणा की तरह खंडित जनादेश नहीं दिया है, पर देवेंद्र फड़नवीस सरकार के आधा दर्जन प्रमुख मंत्रियों को हरा कर सख्त सबक भी दे दिया है कि लोकतंत्र में अहंकार स्वीकार्य नहीं। बेशक महाराष्ट्र में भाजपा और शिवसेना, दोनों की ही सीटें घटी हैं, पर बदलते राजनीतिक परिदृश्य में शिवसेना की सौदेबाजी की क्षमता बढ़ गयी है, जो सरकार बनाने से लेकर चलाने तक में दिखेगी। हरियाणा हो या महाराष्ट्र, इस जनादेश का यह संकेत साफ है कि केंद्रीय नेतृत्व और भावनात्मक मुद्दों के सहारे ही राज्यों की चुनाव वैतरणी पार कर लेने की गफलत में नहीं रहना चाहिए। यह भी कि मतदाता हर सरकार के लिए अपनी प्राथमिकता बखूबी जानते हैं और समय पर बताने-जताने में चूकते भी नहीं। इसलिए जीत का एक ही मंत्र है- सुशासन के जरिये जन आकांक्षाओं पर खरा उतरना। मौन का अर्थ समर्थन ही नहीं होता, वह आक्रोश भी हो सकता है।

पुंछ और बाड़मेर में सैन्य हेलीकॉप्टरों की क्रैश लैंडिंग

जम्मू/ बाड़मेर, 24 अक्तूबर (एजेंसी)

उत्तरी सेना कमांडर और उनके स्टाफ को ले जा रहे सेना के एक हेलीकॉप्टर को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में क्रैश-लैंडिंग करनी पड़ी। अधिकारियों ने बताया कि एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर बृहस्पतिवार को जम्मू के सीमावर्ती इलाके से श्रीनगर जा रहा था। तकनीकी खामी के कारण उसे पुंछ जिले के बेदार में क्रैश-लैंडिंग करनी पड़ी। घटना में एक नागरिक को चोटें आयी हैं।

हेलीकॉप्टर में लेफ्टिनेंट जनरल रणबीर सिंह और 2 पायलट समेत चालक दल के 7 सदस्य सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि सभी को जांच के लिए सेना चिकित्सा केंद्र ले जाया गया। किसी को भी गंभीर चोटें नहीं आयी हैं। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह एक्सवीआई कोर के सीमावर्ती इलाकों के दौरे पर थे, जहां इन दिनों पाकिस्तान की ओर से रोजाना गोलाबारी हो रही है। वहीं, जोधपुर से बाड़मेर के उतरलाई जा रहे एक अन्य सैन्य हेलीकॉप्टर को एक खेत में उताराना पड़ा। हेलीकॉप्टर में चालक दल के 3 सदस्य थे।